जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 47 संख्याः 98 प्रभात कोटा, गुरुवार 20 जनवरी, 2022 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 8 मूल्य 1.20 रु.

जनवरी के महीने में दुनिया के कई भागों में बर्फ गिरती है लेकिन हाल ही में सहारा रेगिस्तान में गिरी बर्फ ने एक बार फिर लोगों को चौंका दिया है। उत्तर पश्चिम अल्जीरिया का एन सैफ्रा शहर तो सोमवार को हिमपात के कारण बर्फ से ढक गया और तापमान माइनस दो डिग्री हो गया। बियालिस सालों में यह पांचवां अवसर है जब इस शहर में बर्फ गिरी है। एन सैफ्रा, जिसे ''गेटवे टु द डैज़र्ट'' भी कहते हैं, समुद्र के स्तर से 1000 मीटर ऊपर है तथा एटलस की पहाड़ियों से घिरा है। उत्तरी अफ्रीका का अधिकांश भाग सहारा रेगिस्तान के दायरे में आता है। गत 500 वर्षों में इस क्षेत्र के तापमान और नमी के स्तर में कई बार बदलाव हुआ है और संभवतया एक बार फिर यह क्षेत्र ऐसे ही किसी परिवर्तन के दौर से गुजर रहा प्रतीत होता है। इस माह के आरंभ में सऊदी अरेबिया के उत्तर पश्चिमी शहर तबुक में भी बारिश और हिमपात हुआ था तथा जबाल अल लाज़ पहाड़ी का शिखर पूरी तरह से बर्फ से ढक गया था।

ओ.बी.सी. नेताओं के पलायन का सामना करने के लिये अन्य राज्यों से ओ.बी.सी. नेता आयातित होंगे

भाजपा यू.पी. में चुनाव प्रचार के लिये मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, पूर्व मु.मंत्री उमा भारती, केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल को बुलायेगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जनवरी। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश में स्वामी प्रसाद मौर्य और दारा सिंह चव्हाण सहित ओ.बी.सी. वर्ग के दर्जनों मंत्रियों और विधायकों के पार्टी छोड़ने की क्षतिपूर्ति करने के लिए एक डैमेज कंट्रोल के तहत ओ.बी.सी. वर्ग के प्रमुख चेहरों को चुनाव प्रचार के लिए अन्य राज्यों से बुला रही है।

- भाजपा बिहार, हरियाणा, राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखण्ड के ओ.बी.सी. व दलित समाज के नेताओं को भी लायेगी यू.पी. में चुनाव प्रचार के लिये।
- पार्टी यू.पी. के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का सघन चुनाव प्रचार कार्यक्रम बना रही है यू.पी. में।
- अपना दल की अनुप्रिया व निषाद समाज के संजय निषाद भी चुनाव प्रचार में झोंके जायेंगे।

जिन नेताओं को उत्तर प्रदेश में चुनाव प्रचार के लिए बुलाया गया है, उनमें मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और उनकी पूर्ववर्ती उमा भारती शामिल हैं। मध्य प्रदेश से ताल्लुक रखने वाले केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल भी उत्तर प्रदेश में चुनाव प्रचार करेंगे।

भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश, बिहार, हरियाणा, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और झारखण्ड के प्रमुख ओ.बी.सी. व दलित नेताओं को भी उत्तर प्रदेश के चुनाव प्रचार में बुलाने जा रही है। भाजपा सूत्रों ने बताया कि पार्टी इस माह की शुरुआत से ही भाजपा छोड़कर गए कई ओ.बी.सी. नेताओं की कमी की पूर्ति करने की कोशिश कर रही है।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य जो भाजपा में ओ.बी.सी. के प्रमुख नेता हैं, अपने स्वयं के चुनाव क्षेत्र पर ध्यान देने के अतिरिक्त पूरे राज्य को भी अपना समय देंगे। अन्य ओ.बी.सी. नेता जो गत वर्ष हुये विस्तार में सरकार में लिये गये थे, भी पूरे राज्य में प्रचार करेंगे। इनमें पंकज चौधरी, बी.एल. वर्मा तथा अपना दल की अनुप्रिया पटेल शामिल हैं। निषाद पार्टी के संजय निषाद भी अपने समुदाय के मतदाताओं को लामबंद करेंगे।

भाजपा की योजना रविवार से व्यापक स्तर पर प्रचार-अभियान शुरू करने की है जिसके अन्तर्गत, सभी वरिष्ठ नेतागण प्रत्येक जिले में भेजे जायेंगे। पार्टी सूत्रों ने कहा कि प्रत्येक जिले के दौरे के प्रचार अभियान को अंतिम रूप देने वालों में गृह मंत्री अमित शाह तथा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल थे।

ममता का यू.पी. अभियान फ्लॉप?

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जनवरी। क्या उत्तर प्रदेश की राजनीति में ममता बनर्जी की सक्रियता भारी पड़ेगी तथा क्या इससे उत्तर प्रदेश में किसी उम्मीदवार की संभावनाएं बाधित हो सकेंगी। ममता बनर्जी के धुर-विरोधी शुभेन्दु अधिकारी तो कम से कम यही सोचते हैं।

अधिकारी ने उत्तर प्रदेश के संदर्भ में एक मजबूत मुद्दा उछाला है तथा कहा है कि आम धारणा यह है कि वे ''सनातनियों'' के खिलाफ हैं तथा केवल कट्टर साम्प्रदायिकता में विश्वास रखती हैं। यह चीज अखिलेश यादव की सोच के खिलाफ पड़ती है, जो उत्तर प्रदेश में सभी लोगों को अपने साथ

- फ्लॉप होने का कारण, अखिलेश व ममता की रीति-नीतियों में सामंजस्य नहीं बैठना।

लेकर चलने की छवि को प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहे हैं।

प्रथम दृष्टया, उनके अनुभव को भी कोई महत्व नहीं दिया जा रहा है। जहाँ ममता बनर्जी ने अपना रुतबा बढ़ाने के लिये अन्य पार्टियों से अलग हुये गुटों को फुसलाने तथा उन्हें प्रलोभन देने का रास्ता चुना था, जबकि अखिलेश यादव इसका ठीक उल्टा कर रहे हैं।

बाहर आ रही जानकारियों के अनुसार, दूसरी पार्टियों से सपा में शामिल होने वालों को पार्टी-टिकट देकर भी उपकृत नहीं किया जा रहा है। ममता बनर्जी ने चुनावाधीन राज्यों में अपनी हैसियत बढ़ाने के लिये, कांग्रेस

(शेष पृष्ठ 7पर)

करोना वायरस, चेचक की भांति गायब नहीं होगा

वाइट हाऊस के स्वास्थ्य सलाहकार डॉ. एंथनी फाउची ने कहा, अब तक मानव जाति केवल एक संक्रामक वायरस, चेचक को ही सदा के लिये हरा पायी है, पर करोना वायरस के साथ ऐसा होता नहीं दिखता

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जनवरी। वर्ल्ड हैल्थ ऑगनाइजेशन (डब्ल्यु.एच.ओ.) महानिदेशक टैड्रॉस एदानॉम गैब्रेसस का कहना है: लगता है कि कुछ देशों में कोविड-19 के केस पीक पर पहुंच गए हैं, जिससे यह उम्मीद बंधी है कि संक्रमण की इस नवीनतम लहर का सबसे बुरा समय गुजर चुका है, लेकिन कोई भी देश अभी इसकी अनिश्चितताओं से बाहर नहीं निकला है।''

- डब्ल्यु.एच.ओ. के प्रमुख गेब्रिएसस ने भी डॉ. फाउची के विचारों का समर्थन किया कि, करोना वायरस का खतरा अभी बरकरार है, शायद कभी खत्म नहीं होगा।
- डॉ. फाउची का यह भी कहना है कि, दुनिया के वैज्ञानिक अभी कुछ नहीं कह सकते कि, करोना वायरस का भविष्य क्या होगा और हमें करोना वायरस के बारे में अज्ञानता को स्वीकार करना चाहिये।
- वैक्सिनेशन, ओमक्रॉन के इलाज के रूप में उतना सफल न हो जितना कि करोना वायरस के मामले में हुआ था, पर वैक्सिनेशन गंभीर बीमारी और अन्ततोगत्वा मृत्यु को रोकने में जरूर कामयाब होता है।

वाइट हाऊस के शीर्ष मैडिकल सलाहकार डॉ. एंटनी फाउची कहते हैं कि ''करोना वायरस की वैश्विक महामारी का खात्मा इस वायरस के उन्मूलन से नहीं होगा। इसके बजाए इस वायरस का अपेक्षाकृत एक कम विध्वंसकारी एवं खतरनाक स्ट्रेन किसी क्षेत्र विशेष को अपनी गिरफ्त में लेगा।''

टैड्रोस कहते हैं कि ''ओमक्रॉन औसतन एक कम खतरनाक वायरस है, लेकिन इसके संक्रमण से होने वाली बीमारी को साधारण मानने की धारणा भ्रामक और इसकी गंभीर प्रकृति का अंदाजा ना लगाने वाली हो सकती है तथा ऐसा मानने से और लोगों की जाने जा सकती हैं।''

फाउची कहते हैं कि ''यदि आप संक्रामक रोगों के इतिहास पर गौर करें तो हमने अब तक मनुष्य के एक ही संक्रामक रोग का खात्मा किया है और वह है स्मॉल पॉक्स। ऐसा इस वायरस के साथ नहीं होने वाला है।''

यह उन हस्तियों के विचार हैं जो वैज्ञानिक ज्ञान और विशेषज्ञता के आधार पर बात करते हैं।

अत: ऐसे अनगिनत लोग, जो यह मानते हैं कि ओमक्रॉन हमें लापरवाही बरतने की अनुमति देता है, वे सावधान हो जाएं!

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के दावोस एजेण्डा में बोलते हुए डॉ. फाउची ने इस पर जोर दिया कि वैज्ञानिक यह नहीं जानते कि वास्तव में यह वैश्विक महामारी कब समाप्त होगी और इसकी गंभीरता के प्रति सावचेत होना महत्वपूर्ण है।'' तथापि किसी क्षेत्र विशेष

(शेष पृष्ठ 7पर)

भाजपा के स्टार प्रचारक

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जनवरी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के प्रथम चरण के लिए यहाँ बुधवार को जारी की गई 30 स्टार प्रचारकों की सूची में विवादित केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री मेनका गांधी तथा उनके सांसद पुत्र वरूण गांधी के नाम शामिल नहीं हैं। ज्ञातव्य है कि टेनी के पुत्र ने अक्टूबर में लखीमपुर खीरी में

- पार्टी द्वारा यू.पी. चुनाव के प्रथम चरण में स्टार प्रचारकों की सूची में टेनी, मेनका व वरूण गांधी का नाम नहीं।

कथित रूप से कुछ किसानों को अपनी कार से कुचल दिया था तथा वे इस समय वह जेल में है तथा वरूण गांधी किसानों के समर्थन में मुखर रहे थे।

स्टार प्रचारकों की इस सूची में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा तथा मुख्यमंत्री योगी के अलावा केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, स्मृति ईरानी, मुख्तार अब्बास नकवी, राधा मोहन सिंह,

(शेष पृष्ठ 7पर)

राजस्थान हाई कोर्ट का फैसला: भेदभाव नहीं किया जा सकता

बेटी भी अनुकंपा नौकरी की हकदार है

जोधपुर, 19 जनवरी (कासं)। पिता की मौत के बाद शादीशुदा बेटी को नौकरी देने के मामले में राजस्थान उच्च न्यायालय ने एक बड़ा फैसला सुनाया व बेटी में भेदभाव नहीं किया जा सकता है। दरअसल, जैसलमेर निवासी शोभादेवी ने एक याचिका दायर कर कहा था कि उसके पिता गणपत सिंह

- हाई कोर्ट जज पुष्पेन्द्र सिंह भाटी ने कहा, अब यह सोच बदलने का समय आ गया है कि, शादीशुदा बेटी अपने पिता के बजाय पति के घर की जिम्मेदारी है। शादीशुदा बेटे व बेटी में भेदभाव नहीं किया जा सकता।
- जज भाटी ने कहा कि, बूढ़े माता-पिता की जिम्मेदारी बेटे व बेटी की एक समान ही होती है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि वो शादीशुदा है या नहीं। ऐसे में पिता के स्थान पर मृतक का आश्रित मान नौकरी देने में भी भेदभाव नहीं किया जा सकता।

है। हाईकोर्ट जज पुष्पेन्द्र सिंह भाटी ने अपने फैसले में कहा कि अब यह सोच बदलने का समय आ गया है कि शादीशुदा बेटी अपने पिता के बजाय पति के घर की जिम्मेदारी है। शादीशुदा बेटे जोधपुर डिस्कॉम में लाइनमैन के पद पर कार्यरत थे। 5 नवम्बर 2016 को गणपत सिंह का निधन हो गया। उनके परिवार में पत्नी शांतिदेवी व पुत्री शोभा

(शेष पृष्ठ 7पर)

अब अखिलेश ने भी सौगातों की बारिश की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जनवरी। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को ट्वीट किया कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो उनकी पूर्ववर्ती सरकार के दौरान, गरीब और जरूरतमंद महिलाओं के लिये स्वीकृत की गई 6000 रू. प्रतिवर्ष की पेंशन को तीन गुना अर्थात 18000 रू. वार्षिक कर दिया जायेगा।

- उन्होंने ट्वीट करके पैंशन तिगुनी करने तथा 300 यूनिट बिजली ''फ्री'' देने का वादा किया।

इसका अर्थ यह हुआ कि उनकी सरकार बनने पर इन महिलाओं के बैंक खातों में 1500 रू. प्रति माह जाना शुरू हो जायेंगे।

एक दिन पूर्व, यानी मंगलवार को उन्होंने प्रत्येक परिवार को 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने की घोषणा की थी। यादव ने ट्वीट करके सभी परिवारों से कहा था कि वे अपने नाम दर्ज करा दें।

उन्होंने सरकार बनाने के लिये सपा को खुला समर्थन देने का भी आव्हान किया था।

यू.पी. चुनाव प्रचार में पहुंचे सचिन पायलट

''किसानों को कुचलने वाले किस मुंह से समर्थन मांगेंगे,'' पायलट ने बनारस में आयोजित प्रैस कॉन्फ्रैंस में भाजपा पर कटाक्ष किया

वाराणसी, 19 जनवरी । यूपी चुनाव प्रचार में पहुंचे राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने किसानों के मुद्दों पर केंद्र और यूपी सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा कि बीजेपी राज में किसानों की आमदनी तो दोगुनी नहीं हुई लेकिन अन्नदाता का दर्द सौ गुना हो गया। अन्नदाता के साथ जिस तरह अत्याचार किया गया और उनके मान सम्मान को जिस तरह से ठेस पहुंचाई गई, उसका जवाब भाजपा को देना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि आशंका इस बात की है कि चुनाव जैसे ही खत्म होंगे, केंद्र सरकार बैकडोर से कृषि कानून लागू करने का प्रयास करेगी।

- पूर्व उप मुख्यमंत्री ने कहा, कि यू.पी. पुलिस और यू.पी. सरकार कानून के दायरे से बाहर जाकर काम करती है। यहां के सी.एम. हिन्दू-मुस्लिम की बात करते हैं और 80 बनाम 20 की बात कहकर लोगों को बांटने वाले बयान देते हैं।
- यू.पी. चुनाव में कांग्रेस की सीटों के सवाल पर पायलट ने कहा कि नतीजे चौंकाने वाले होंगे।

मीडिया से बात करते हुए पायलट ने कहा कि ''देश में किसान कर्ज में डूबा है।

खाद-बीज की लागत बढ़ गई है। वो लोग जो यह कहते थे कि किसान की आय दोगुनी करेंगे, उन्होंने उसका उल्टा किया।

केंद्रीय मंत्री के बेटे ने किसानों को कुचल दिया, लेकिन आज तक कार्रवाई नहीं हुई। किसानों को दबाने और उन्हें कुचलने का काम करेंगे तो किस मुंह से उनसे समर्थन की मांग करेंगे।''

उन्होंने कहा कि योगी सरकार को पांच साल और केंद्र सरकार को सात साल हो गए।

इन्होंने जिस भी तबके को विश्वास में लेकर उसके वोट लिए, वह हर तबका आज ठगा सा महसूस कर रहा है।

किसी वर्ग को राहत नहीं दी। बीजेपी सरकार ने चंद नजदीकी लोगों के लाखों करोड़ के कर्ज माफ कर दिए, लेकिन किसानों को राहत नहीं दी गई। पूर्व उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी पुलिस और यूपी सरकार कानून के दायरे से बाहर जाकर काम करते हैं । यहां के सीएम हिंदू-मुस्लिम की बात करते हैं और 80 बनाम 20 की बात कहकर लोगों को बांटने वाले बयान देते हैं।

यूपी चुनाव में कांग्रेस की सीटों के सवाल पर पायलट ने कहा कि नतीजे चौंकाने वाले होंगे।

'विधायकों का छः माह से ज्यादा निष्कासन उचित नहीं'

-जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 जनवरी। सर्वोच्च न्यायालय ने महाराष्ट्र के उन एक दर्जन विधायकों के एक वर्ष के निलम्बन के प्रकरण में अपने फैसले को सुरक्षित रख लिया है, जिन पर कथित रूप से प्रीसाइडिंग ऑफिसर के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप हैं। अदालत ने पार्टियों से कहा है कि वे एक सप्ताह के अन्दर अपना लिखित पक्ष प्रस्तुत करें।

अधिकांश विधायकों की ओर से प्रस्तुत हुये वरिष्ठ

- सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र विधानसभा में 12 भाजपा विधायकों को साल भर के लिये निष्कासित करने पर निर्णय सुरक्षित किया, पर टिप्पणी से मानस स्पष्ट किया।

वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि एक वर्ष का निलम्बन घोर अतार्किक हैं, जबकि एक विधायक की ओर से प्रस्तुत वरिष्ठ वकील महेश जेठमलानी ने दलील दी कि निलम्बन तो निष्कासन से भी ज्यादा बुरा है क्योंकि इससे तो निर्वाचकों के अधिकार प्रभावित होते हैं।

मंगलवार को हुई सुनवाई में न्यायमूर्ति ए.एम.

(शेष पृष्ठ 7पर)

विचार बिन्दु

त्याग यह नहीं कि मोटे और खुरदरे वस्त्र पहन लिए जायें और सूखी रोटी खायी जाये, त्याग तो यह है कि अपनी इच्छा अभिलाषा और तृष्णा को जीता जाये। –सुफियान सौरी

सड़क दुर्घटनाएं

यातायात मार्गों पर अराजकता की स्थिति राजस्थान में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए परिवहन विभाग ने अपना नाम परिवहन विभाग और सड़क सुरक्षा जरूर रख लिया है मगर प्रदेश में आये दिन सड़क दुर्घटनाओं का ग्राफ लगातार बढ़ता ही जा रहा है। राजस्थान में प्रति वर्ष तीस हजार से अधिक सड़क दुर्घटनाएं हो रही है जिनमें युवा सर्वाधिक शिकार हो रहे हैं।

राजस्थान की राजधानी जयपुर में इन दिनों सड़क हादसों के बादल मंडरा रहे है। प्रदेश की राजधानी हादसों का मुख्य केंद्र बनी हुई है। सड़क हादसों में जयपुर पूरे भारत में अग्रणी है। बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक प्रतिदिन इसकी चपेट में आ रहे हैं। यातायात मार्गों पर अराजकता की स्थिति उत्पन्न हो रही है। दो पहिया हो या चार पहिया किसी को भी जिंदगी की परवाह नहीं है। एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ लगी है। यातायात नियमों की सरेआम धज्जियाँ उड़ रही है। नियमों की पालना नहीं होने से दुर्घटनाओं के अम्बार लग रहे है। सड़क दुर्घटनाओं से अखबार भरे रहते हैं।

राजधानी के यातायात मार्ग तो जाने-अनजाने मौत के मार्ग बन गये हैं। सबसे बुरी स्थिति टोंक रोड पर बी-2 बाईपास, शिवदासपुरा, पावटा, जे.एल.एन. मार्ग पर ओ.टी.एस. चैराहा, जगतपुरा पुलिया, झालाना मार्ग, अजमेर रोड, न्यू सांगानेर रोड, सिरसी रोड, भांकरोटा, राजापार्क में गोविन्द मार्ग, अजमेरी गेट, विश्वविद्यालय मार्ग, घाट की गुणी की आदि की है।

प्रदेश में सड़कों की बदहाल स्थिति में अतिक्रमण, अवैध कब्जों और यातायात की बिगड़ी व्यवस्था ने कोढ़ में खाज का काम किया है। विशेष कर प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में सड़कें अतिक्रमण के कारण सिकुड़ कर रह गई हैं। राजधानी जयपुर सहित इस समय प्रदेश के सभी मेट्रो सिटी यातायात की सुचारू व्यवस्था नहीं होने से आम आदमी परेशानी को झेल रहा है। राजधानी में परकोटे की स्थिति सबसे खराब है। परकोटे के मुख्य बाजारों किशनपोल, त्रिपोलिया, जौहरी बाजार, रामगंज बाजार, छोटी-बड़ी चैपड़ की स्थिति किसी से छिपी नहीं है।

वाहनों के बढ़ जाने के कारण और सड़कों पर अतिक्रमण के फलस्वरूप यहाँ ट्रैफिक की व्यवस्था बुरी तरह बिगड़ गई है। अतिक्रमण और अवैध कब्जों ने इन बाजारों की शांति का जैसे किसी ने हरण कर लिया है। ऑपरेशन पिंक के दौरान अवैध कब्जे और अतिक्रमण को हटाकर आम नागरिक को राहत दी गई थी मगर अब फिर से अतिक्रमण की पुरानी स्थिति बहाल होने से आम आदमी आहत है। एक बार फिर राजधानी अतिक्रमणकारियों के कब्जे में है। लोग चार पहिया वाहन लेकर जाने में डरने लगे हैं।

जानलेवा सड़क हादसों को रोकने के लिए जरूरी है कि सड़कों की स्थिति अच्छी हो, जन कल्याणकारी सरकार का यह दायित्व है कि वह उच्च गुणवत्ता युक्त सड़कों का निर्माण करें और क्षत-विक्षत सड़कों को दुरस्त करें ताकि वाहन किसी दुर्घटना का शिकार नहीं होवे। नगर निकायों और एजेन्सियों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिये। घटिया निर्माण पर तुरन्त कार्यवाही हो।

सड़क दुर्घटनाओं के ग्राफ में तेजी से वृद्धि हो रही है। सड़क दुर्घटनाओं से अखबार भरे रहते हैं। दुर्घटनाओं में मौतें और घायल होने के समाचार प्रतिदिन पढ़ने और देखने को मिल रहे हैं। भारत में सबसे अधिक लोग सड़क दुर्घटनाओं में मर रहे हैं। भारत में हर साल लगभग 1.4 लाख लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं, जबकि लाखों की संख्या में लोग घायल हो जाते हैं और हजारों जीवन भर के लिए विकलांग भी हो जाते हैं। इन दुर्घटनओं में होने वाली मौतों में 33 प्रतिशत 15 से 24 साल के आयु वर्ग के युवा हैं।

सड़क हादसों के मामलों में राजस्थान का देश में आठवां तथा इन हादसों में मरने वालों की संख्या के लिहाज से पांचवें स्थान पर है। देश में सड़क हादसों में रोजाना 415 लोगों की जान जाती है। हर साल 4.50 करोड़ सड़क हादसे होते हैं। इनमें डेढ़ लाख लोगों की मौत हो जाती है और साढ़े चार लाख लोग घायल होते हैं। जानकारों का कहना है सड़क हादसों में होने वाली मौतों की तादाद सरकारी आंकड़ों के मुकाबले कहीं ज्यादा है। दूर-दराज के इलाकों में होने वाले हादसों की अक्सर खबर ही नहीं मिलती। देश में लॉकडाउन के दौरान सड़क हादसों में रिकॉर्ड कमी दर्ज की गई थी, पर अनलॉक के बाद से दोबारा सड़क हादसों में तेजी आ गई है।

सड़क सुरक्षा एक महत्वपूर्ण विषय है, आम जनता में खासतौर से नये आयु वर्ग के लोगों में अधिक जागरुकता लाने के लिये इसे शिक्षा, सामाजिक जागरुकता आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों से जोड़ा गया है। सड़क दुर्घटना, चोट और मृत्यु आज के दिनों में बहुत आम हो चला है। सड़क पर ऐसी दुर्घटनाओं की मुख्य वजह लोगों द्वारा सड़क यातायात नियमों और सड़क सुरक्षा उपायों की अनदेखी है।

गलत दिशा में गाड़ी चलाना, सड़क सुरक्षा नियमों और उपायों में कमी, तेज गति, नशे में गाड़ी चलाने आदि। सड़क हादसों की संख्या को घटाने के लिये उनकी सुरक्षा के लिये सभी सड़क का इस्तेमाल करने वालों के लिये सरकार ने विभिन्न प्रकार के सड़क यातायात और सड़क सुरक्षा नियम बनाये हैं। हमें उन सभी नियमों और नियंत्रकों का पालन करना चाहिये जैसे रक्षात्मक चालन की क्रिया, सुरक्षा उपायों का इस्तेमाल, गति सीमा को ठीक बनायें रखना, सड़क पर बने निशानों को समझना आदि।

जानलेवा सड़क हादसों को रोकने के लिए जरूरी है कि सड़कों की स्थिति अच्छी हो, जन कल्याणकारी सरकार का यह दायित्व है कि वह उच्च गुणवत्ता युक्त सड़कों का निर्माण करें और क्षत-विक्षत सड़कों को दुरस्त करें ताकि वाहन किसी दुर्घटना का शिकार नहीं होवे। नगर निकायों और एजेन्सियों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिये। घटिया निर्माण पर तुरन्त कार्यवाही हो तथा यातायात और ट्रैफिक की वर्तमान स्थिति में जनभावनाओं के अनुरूप सुधार हो। आम आदमी को राहत प्रदान करने के लिए निर्माण कार्यों में पारदर्शिता का होना अत्यावश्यक है।

–अतिथि संपादक
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल गुरूवार 20 जनवरी, 2022

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2078, अश्लेषा नक्षत्र प्रातः 8:24 तक, आयुष्मान योग दिन 3:44 तक, गर करण प्रातः 8:05 तक, चन्द्रमा आज 8:24 पर सिंह राशि में प्रवेश करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मकर, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-धनु, बुध-मकर, गुरू-कुम्भ, शुक्र-धनु, शनि-मकर, राहु-वृष, केतु-वृश्चिक राशि में।

आज भद्रा रात्रि 8:48 से शुक्रवार प्रातः 8:52 तक रहेगी। सायन कुम्भ में शनि प्रवेश प्रातः 8:09 पर करेगा। आज द्वितीया तिथि की वृद्धि हुई है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ सूर्योदय से 8:40 तक, चर 11:18 से 12:38 तक, लाभ-अमृत 12:38 से 3:16 तक, शुभ 4:35 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:55

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह
मन:स्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।

धनु
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

वृष
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

मकर
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। परिवार में आपसी मतभेद बढ़ने का भय बना रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

तुला
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। अटके कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक मामलों में परिचितों के सहयोग मिल सकता है।

मीन
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। व्यक्तिगत व्यावसायिक कार्य के लिए बाहर यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

सामाजिक न्याय प्राप्ति में बाधाऐं

भारत में सामाजिक न्याय की अवधारणा पर पिछले कुछ वर्षों से मंडरा रहे खतरों ने चिन्तित कर रखा है। ये खतरे सामाजिक न्याय के विरोधियों की ओर से भी हैं और आंतरिक भी हैं। सबसे बड़ा खतरा इस अवधारणा के संकुचन का है। सामाजिक न्याय का अर्थ उन सभी व्यक्तियों को जाति, नस्ल, रंग, लिंग, धर्म आदि भिन्नताओं के कारणों से शक्ति के स्त्रोतों अर्थात आर्थिक, राजनीतिक व धार्मिक आदि से दूर धकेले गये तबकों को न्याय उपलब्ध करवाना है, जिन्हें किसी भी प्रकार के वर्चस्व के कारण अन्याय का सामना करना पड़ रहा है। सामाजिक न्याय अपने मूल रूप में विशेषाधिकार आधारित योग्यतावाद के विरुद्ध एक निरन्तर संघर्ष है। जीवन के हर क्षेत्र में सभी को समान अवसर की उपलब्धता के लिए संघर्ष व सामाजिक विविधता का सिद्धान्त-इस संघर्ष के अस्त्र-शस्त्र हैं। सामाजिक न्याय का अर्थ आज लोग वंचित तबकों को राजनीति में आरक्षण से चुनाव जीत लेना एवं सरकारी व निजी क्षेत्रों की नौकरियों में आरक्षण से लगाते हैं। इसे ही सामाजिक न्याय की लड़ाई का अन्तिम छोर मानते हैं।

सामाजिक न्याय का सपना तो सभी प्रकार के भेदभाव से रहित समाज का सपना है। इस अर्थ में महात्मा बुद्ध, ईसा मसीह, सन्त कबीर एवं काल-मार्क्स की भावनाओं का विस्तार है। किन्तु भारतीय समाज की वर्चस्ववादी शक्तियाँ चाहती हैं कि यह लड़ाई इसी संकुचित रूप में सिमटी रहे और उनके अधीन विभिन्न प्रकोष्टों में चलती रहे। भारत में सामाजिक न्याय का संघर्ष मुख्य रूप से द्विजों और शूद्रों-अतिशूद्रों व आदिवासियों के बीच है। जिसमें द्विज अल्पसंख्यक है, जबकि शूद्र-अतिशूद्र आदिवासी बहुसंख्यक हैं। राजनीतिक पार्टियाँ अपने संगठन में ओबीसी प्रकोष्ठ, दलित-प्रकोष्ठ, आदिवासी प्रकोष्ठ आदि रखती हैं। यह बहुजन तबकों के संघर्ष को प्रकोष्ठों में बन्द करने का तरीका है। जब बहुजन समुदाय उनके प्रकोष्ठों में बन्द हो जाते हैं, तो स्वतः ही अल्पसंख्यक द्विज भारतीय राजनीति की मुख्यधारा बन जाते हैं।

बहुजन शब्द 'बुद्ध' के सूत्र वाक्यक 'बहुजन हिताय-बहुजन सुखाय' से आया है। इसका अर्थ है, अधिकतम लोगों के हित के लिए हो। कोई किसी पर वर्चस्व स्थापित ना करे। जबकि बहुसंख्यकवाद का अर्थ है, बहुसंख्यक लोगों का अल्प संख्यकों पर आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक वर्चस्व व उनकी संस्कृति का हरण। हिन्दुत्व की राजनीति अपने मूल रूप में यही करने की कोशिश करती है। हालांकि हिन्दुस्तान में वास्तव में हिन्दुत्ववाद से अधिक मजबूत ब्राह्मणवाद की राजनीति रही है। जो कि वास्तव में अल्पसंख्यकवाद है, ना कि बहुसंख्यकवाद। सामाजिक न्याय की अवधारणा में हमें दोनों अतियों से बचना होगा। इसे उस अंतिम समुदाय और अन्तिम व्यक्ति तक पहुंचाना होगा जिसे किसी कारण से वंचना झेलनी पड़ी है।

विश्व के सबसे अमीर लोगों की सूची में भारतीयों की संख्या निरन्तर बढती जा रही है जो कई वर्षों से अखबारों एवं मीडिया की सुर्खिया बन रही हैं। किन्तु भारत के अमीर लोगों की सूची में ना कोई ओबीसी है, ना कोई दलित है, ना कोई आदिवासी है और ना ही कोई मुसलमान। दलित चैम्बर ऑफ कॉमर्स (डिक्की) के उद्योगपतियों की हैसियत इनकी तुलना में कुछ भी नहीं है। वहां तो वे पहाड़ के नीचे खड़े ऊंट की तरह ही दिखेंगे। बहुजन समुदाय के पास इतनी राजनीतिक जीतों के बावजूद भी किसी व्यक्ति के पास कोई अखबार या टी.वी. चैनल नहीं है जिसे 'मुख्यधारा' कहा जा सके। इस बड़े सवाल का उत्तर है कि बहुजन समाज के किसी व्यक्ति की इतनी हैसियत नहीं है, जिससे 'मुख्यधारा' के अखबारों व टी.वी. चैनलों का मुकाबला कर सकें। फिलहाल इस मामले में हमें भारत में 'बहुजन डायवर्सिटी मिशन' के संस्थापक एच.एल. दुषाद से सहमत होना होगा कि सत्ता के सभी केन्द्रों और सभी प्रकार के संसाधनों के मालिकाना हक में सामाजिक विविधता ही सामाजिक न्याय का कारगर उपाय है। आरक्षण उस दिशा में चलने के लिये जरूरी शुरूआती कदम है। लेकिन जरूरत यह है कि हम पहली मंजिल पर ही ना रुक जावें बल्कि आगे के रास्तों पर भी नजर रखें।

सामाजिक न्याय प्राप्ति की त्रासदी के रूप में देश में वर्ण व्यवस्था द्वारा भारतीय समाज सदियों से परिचालित होता रहा है। वह व्यवस्था दुनिया की सर्वाधिक अन्यायकारी व्यवस्था है और इसी के कारण देश में सामाजिक अन्याय का सबसे शर्मनाक अध्याय लिखा गया है। शक्ति के स्त्रोंतों के असमान बंटवारे की नीति दूरगामी उद्देश्य से विदेशी मूल के मनीषियों (आर्यों) द्वारा जारी रखी। इसमें अध्ययन-अध्यापन, पौरोहित्य, राज्य संचालन, सैन्य वृत्ति, व्यवसाय एवं वाणिज्यिक इत्यादि के अधिकार सिर्फ द्विज वर्ग के अधिकार में रहे। चूंकि इसमें वर्ण एवं जाति व्यवस्था की कठोरता थी। इसीलिए सारे पेशे कर्म/जाति/वर्ण-सूत्र से पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित होते रहे। इसी से वर्ण व्यवस्था ने एक आरक्षण व्यवस्था का

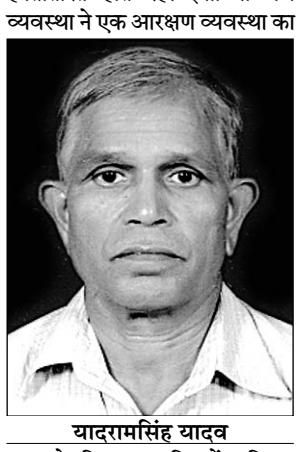

यादरामसिंह यादव

रूप ले लिया था जिसमें दलित-आदिवासी-पिछडे और महिलाओं को शक्ति के सभी स्त्रोतों से पूरी तरह बहिष्कृत करके चिरकाल के लिए पंगु बना दिया गया। जिनके लिए आर्थिक, राजनीतिक, धार्मिक व शैक्षणिक गतिविधियाँ, धर्म आधारित विद्वानों से पूरी तरह निषिद्ध थी। यही नहीं लोग उनकी छाया तक से दूर रहते थे, ऐसी स्थिति दुनिया के किसी भी मानव समुदाय की कभी नहीं रही। बाबा साहब अम्बेड़कर द्वारा संविधान में लागू किया गया आरक्षण और कुछ नहीं बल्कि जाति, नस्ल, रंग, लिंग व धर्म आदि के भेदभाव के कारण शक्ति के स्त्रोतों से जबरन वंचित किये गये लोगों को कानून की ताकत से शक्ति के स्त्रोतों पर हक दिलाने का अचूक औजार है जो परिवर्तीकाल में दलित-पिछड़ों को सामाजिक अन्याय से उबारने में काफी कारगर सिद्ध हुआ। जिन दलितों के लिए स्कूल की पढाई करने का कल्पना करना दुष्कर था वे झुण्ड के झुण्ड विधायक, सांसद, कलेक्टर, एस.पी., एस.डी.एम., डॉक्टर, इंजीनियर व न्यायाधीश आदि बनकर देश की मुख्यधारा से जुडने लगे हैं।

अम्बेडकरी आरक्षण का प्रयोग, अमेरिका, इंग्लैण्ड, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड, मलेशिया व आयरलैण्ड ने अपने देशों के जन्मजात वंचितों को शक्ति के स्त्रोतों में उनकी वाजिब हिस्सेदारी देने के लिए किया। जिससे दुनिया के वंचितों को वाजिब हिस्सेदारी मिलने से चमत्कारिक परिवर्तन आया। इसके आधार पर डॉ. अम्बेडकर को सामाजिक न्याय का चैम्पियन कहा जाता है। बहरहाल संविधान द्वारा सामाजिक अन्याय के शिकार बनाये गये लोगों के हित में तरह-तरह के प्रावधान किये जाने से कुछ लोगों के जीवन में चमत्कारिक सुधार जरूर आया है। किन्तु शक्ति के स्त्रोतों पर उनका हक नाम मात्र का ही प्राप्त हुआ है। राजनीति में भले ही हिस्सेदारी हो, किन्तु व्यापार, उद्योग, मीडिया, उच्च शिक्षा आदि से आद भी पूरी तरह बहिष्कृत हैं। आज भी देश के 8-10 प्रतिशत उच्च वर्ण के परम्परागत, विशेषाधिकार युक्त, सुविधा सम्पन्न वर्ग का शक्ति के स्त्रोतों पर 80-85 प्रतिशत कब्जा है। इस कारण आर्थिक और सामाजिक गैरबराबरी जो मानव जाति की सबसे बड़ी समस्या है जो भारत में अभी भी कायम है।

इस विषय में क्रेडिट सुईसे एजेन्सी की वैश्विक धन बंटवार की जारी छंटवीं रिपोर्ट में लिखा है कि सामाजिक आर्थिक न्याय के सरकारों के तमाम दावों के बावजूद भारत में आर्थिक असमानता तेजी से बढ़ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक 2000-2015 के बीच पन्द्रह वर्षों में जो कुल राष्ट्रीय धन पैदा हुआ उसका 81 प्रतिशत शीर्ष की दस फीसदी आबादी विशेषाधिकार युक्त वर्ग के पास गया, शेष 19 प्रतिशत धन 90 फीसदी जनता के पास आया। जिसमें नीचे की आधी 50 प्रतिशत आबादी के पास 4.1 प्रतिशत ही धन आया है। गैर बराबरी अक्सर समाज में राजनीतिक उथल-पुथल की वजह से बनती है। सरकार एवं राजनीतिक पार्टियों को इस समस्या को गंभीरता से लेना चाहिए। यह सवाल सर्वाधिक महत्व का हो गया है कि स्वाधीन भारत में आर्थिक, राजनीतिक व सामाजिक न्याय के विविध उपायों के बावजूद भी सामाजिक अन्याय की धारा आज भी पूर्ववत जारी है। समाज में असहिष्णुता तथा दलित वंचितों, महिलाओं पर हो रहे अत्याचार एवं आत्महत्या करने के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं। बेरोजगारी सिरसा के मुँह की तरह बढ़ती जा रही है।

इसके लिए बेहतर होगा कि आर्थिक, सामाजिक गैर बराबरी को सबसे गम्भीर समस्या मानते हुए हम सारी ताकत, शक्ति के स्त्रोतों के पुनर्वितरण पर लगायें। दुनिया के अनेक महापुरूषों ने इसी को इंसानियत की सबसे बड़ी समस्या बताया है। बाबा साहब अम्बेडकर ने भी संविधान सभा द्वारा स्वीकार करते समय 25 नवम्बर, 1949 को आर्थिक और सामाजिक विषमता को राष्ट्र की सबसे बड़ी समस्या बताते हुए उसे शीघ्र से शीघ्र समाप्त करने का आह्वान किया था। सामाजिक न्याय प्राप्ति के रास्ते पर आर्थिक व सामाजिक विषमता को समाप्त करने में परम्परागत व्यवस्थाऐं सबसे बड़ी बाधा हैं, उनको समाप्त किये बिना सामाजिक न्याय प्राप्ति का सपना अधूरा रहेगा। दुनिया के तमाम शासक शक्ति के स्त्रोतों में सामाजिक और लैंगिक विविधता का असमान वितरण कराके मानव जाति की सबसे बड़ी समस्या को जन्म देते रहे हैं। ऐसे में यदि सामाजिक अन्याय को खत्म कर सामाजिक समूहों सवर्णों, ओबीसी/ एससी/एसटी और धार्मिक अल्पसंख्यकों के लोगों की जनसंख्या के अनुपात में बंटवारा करना चाहिए।

यदि सरकारें इसे नहीं माने एवं लागू नहीं करें तब पूना पैक्ट में 24 सितम्बर, 1932 के दिन दलित-वंचितों से छीने गये पृथक निर्वाचन का अधिकार दिया जावे तभी हम वैधानिक रूप से अपनी जनसंख्या के अनुपात में आर्थिक, राजनीतिक व धार्मिक क्षेत्रों में संसाधनों का बंटवारा हासिल कर सकते हैं। अन्यथा तो देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को शक्ति के स्त्रोतों से वंचित वर्ग मजबूर होकर धराशाही कर सकते हैं।

–यादरामसिंह यादव,
अधिवक्ता एवं लेखक

सवाई माधोपुर शहर का 259वां स्थापना दिवस करोना गाइडलाइन की पालना करते हुए मनाया

सवाई माधोपुर, (निसं)। सवाई माधोपुर शहर का 259वां स्थापना दिवस कोरोना गाइडलाइन की पूर्ण पालना करते हुए उल्लास के साथ मनाया। स्थापना दिवस के तहत सवाई माधोपुर उत्सव के रूप में दो दिवसीय कार्यक्रमों का आगाज बुधवार को हुआ। उल्लेखनीय है कि 19 जनवरी, 1763 को सवाई माधोपुर शहर का निर्माण शुरू किया गया था।

सवाई माधोपुर उत्सव के तहत रणथंभौर किला स्थित त्रिनेत्र गणेश मंदिर में नगर परिषद सभापति विमलचन्द महावर, अतिरिक्त जिला कलेक्टर डॉ. सूरज सिंह नेगी, एसडीएम कपिल शर्मा, सहायक निदेशक पर्यटन मधुसूदन सिंह सहित अन्य अधिकारियों ने त्रिनेत्र गणेश की महाआरती कर सवाई माधोपुर एवं प्रदेश की जनता की खुशहाली की प्रार्थना की।

इसके बाद सुबह 11 बजे नगर परिषद परिसर में सवाई माधोपुर के संस्थापक महाराजा सवाई माधोसिंह प्रथम की प्रतिमा पर जिला कलेक्टर सुरेश कुमार ओला, नगर परिषद सभापति विमलचन्द महावर, अतिरिक्त जिला कलेक्टर डॉ. सूरज सिंह नेगी, सवाई माधोपुर एसडीएम कपिल शर्मा, नगर परिषद आयुक्त नवीन भारद्वाज सहित अन्य अधिकारियों एवं जन प्रतिनिधियों ने माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि कर सवाई माधोपुर के संस्थापक को नमन किया।

इस मौके पर जिला कलेक्टर सुरेश कुमार ओला ने सवाई माधोपुर को और अधिक स्वच्छ एवं सुंदर शहर बनाने के लिये मिलकर काम करने की बात कही। उन्होंने कहा कि सभी मिलकर सवाई माधोपुर के विकास के लिए कार्य करेंगे।

- **सवाई माधोपुर संस्थापक सवाई माधोसिंह प्रथम की प्रतिमा का माल्यार्पण किया, त्रिनेत्र गणेश की हुई महाआरती**
- **अधिकारियों ने त्रिनेत्र गणेश की आरती कर सवाई माधोपुर एवं प्रदेश व जनता की खुशहाली की प्रार्थना की**

उन्होंने कहा कि कोरोना गाइडलाइन के चलते इस बार सवाई माधोपुर उत्सव को सादगी से मनाया जा रहा है। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर सुरेश कुमार ओला ने सवाई माधोपुर के विकास के लिए उनके मन में चल रहे प्लान को साझा करते हुए सुंदर एवं स्वच्छ शहर की परिकल्पना को सबके सहयोग से मिलकर साकार करने की बात कही।

नगर परिषद परिसर में सवाई माधोपुर के संस्थापक महाराजा सवाई माधोसिंह प्रथम की प्रतिमा पर नमन किया।

इस मौके पर विभिन्न विभागों के अधिकारी, पार्षदगण एवं आमजन मौजूद रहे। सभी वक्ताओं ने मिलकर सवाई माधोपुर को आदर्श, स्वच्छ एवं हरित शहर बनाने की दिशा में कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। अगले सवाईमाधोपुर महोत्सव की कडी में 20 जनवरी, गुरूवार को सुबह 11 बजे राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सवाई माधोपुर में सवाई माधोपुर अतीत से वर्तमान विषय पर संगोष्ठी का आयोजन होगा।

अलवर के रियासतकालीन राज.मुद्रणालय को बंद करने के आदेश जारी

अलवर, (निसं)। कर्मचारियों के व्यापक विरोध के बावजूद अलवर का रियासतकालीन राजकीय मुद्रणालय आखिर बंद हो रहा है।

राजकीय मुद्रणालय को बंद करने के आदेश 17 जनवरी को मुद्रण एवं लेखन सामग्री निदेशक असलम शेर खान ने जारी किए।

आदेश में लिखा है कि 20 जनवरी को अलवर मुद्रणालय में अंतिम कार्य दिवस होगा।

ये आदेश आने के बाद मुद्रणालय के कर्मचारियों में निराशा एवं आक्रोश का माहौल है। राजकीय मुद्रणालय में वर्तमान में 21 कर्मचारियों का स्टाफ है। विभाग ने उनसे प्रतिनियुक्ति के विकल्प मांगे हैं। अधिकांश कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति में 2 से 3 वर्ष बाकी हैं।

इंटरनेशनल पैरा कबड्डी में दमखम दिखाएगा फिजिकल डिसएबल्ड भगवानाराम

श्रीगंगानगर, (नि.सं.) जिले के रायसिंहनगर इलाके के गांव दस टीके के भगवानाराम मेघवाल ने हिम्मत और हौसले के दम पर फिजिकल डिसएबिलिटी को हराकर कामयाबी की मिसाल कायम की है। भगवानाराम का एक हाथ कटा हुआ है, इसके बावजूद वह बेहद तेजी से कबडडी में सामने वालों के छक्के छुड़ा देता है। कई खिलाड़ियों को आउट करता है और विरोधी रेड डालने आएं तो उन्हें टैकल भी शानदार तरीके से करता है।

भगवानाराम जन्मजात हैंडीकैप नहीं था। करीब सात साल पहले 2015 में गांव की गौशाला में चारा काटने के दौरान वह मशीन की चपेट आया और उसका एक हाथ कट गया। तब वह सातवीं क्लास का स्टूडेंट था। उसने हिम्मत नहीं हारी। दायां हाथ कटा तो बाएं हाथ से लिखने का अभ्यास शुरू कर दिया और लिखकर सातवीं कक्षा पास की। इसके बाद वह लगातार आगे की कक्षाओं में पास होता चला गया। हादसे के बाद भगवानाराम की हिम्मत और हौसला देखकर उसके टीचर्स ने उसे मोटिवेट किया और उसे खेल की तरफ बढ़ ने की राह दिखाई। पीटीआई लक्ष्मण ने उसे आगे बढ़ ने का तरीका बताया और पैरा गेम्स के लिए तैयार करने को कहा। अब भगवानाराम के सामने दो विकल्प थे। भगवानाराम कबड्डी का अच्छा खिलाड़ी तो था ही वह दौड़ने में भी तेज था। दोनों खेलों में अभ्यास करता और अंततः उसने पैरा खेलों के लिए कबड्डी को चुना।

श्रीगंगानगर में पैरा कबडडी के लिए चयन ट्रायल हुआ तो भगवानाराम उत्साह से खेला। वह शुरुआत से ही समान्य स्टूडेंट्स के साथ खेलता था। ऐसे में पैरा मुकाबले में अन्य खिलाड़ियों से ज्यादा दिव्यांग होने के बावजूद उसका प्रदर्शन शानदार रहा और स्टेट टीम में चयन हुआ। हाल ही पुष्कर में स्पोर्ट्स बोर्ड ऑफ इंडिया फॉर द डिसएबल्ड की ओर से हुई राष्ट्रीय दिव्यांग कबड्डी प्रतियोगिता में राजस्थान स्टेट की टीम को सर्वाधिक अंक दिलाकर विजेता बनाया। इसी के आधार पर भगवानाराम का सलेक्शन थाइलैंड में होने वाली इंटरनेशनल पैरा कबड्डी प्रतियोगिता के लिए हुआ है। यह इंटरनेशनल कबड्डी मुकाबला अगले साल होगा। भगवानाराम ने बताया कि उसे अभी बारह सदस्यों वाली टीम में चुने जाने और तैयारी जारी रखने की सूचना दी गई है। उसने बताया कि साल 2015 में हादसे के बाद तो उसकी हिम्मत ही टूट गई थी। टीचर्स की मोटिवेशन का ही नतीजा था कि वह कबड्डी में लगातर प्रयास करते हुए इंटरनेशनल पैरा कबड्डी प्रतियोगिता तक पहुंच पाया।

'कोटा में बदहाल सड़कों से जनता का बुरा हाल, लोग हो रहे हैं हादसों का शिकार'

कोटा, (निसं)। कोटा शहर के बुरे हालात व टूटी सड़कों के निर्माण के लिये विधायक संदीप शर्मा सार्वजनिक कार्यालय पहुंच कर अतिरिक्त मुख्य अभियंता से मुलाकात की।

विधायक संदीप शर्मा ने बताया कोटा शहर में सड़कों का बुरा हाल है जगह-जगह सड़कें खुदी हुई है सड़कों पर वाहन चालाने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है रोजाना लोग खराब सड़कों पर चलनें से दुर्घटनाग्रस्त हो रहे है कई लोग गंभीर रूप घायल हो

- **विधायक संदीप शर्मा ने अतिरिक्त मुख्य अभियंता से शहर की सड़कों को सुधारने की मांग की**

कोटा शहर की उधड़ी हुई सड़कों को लेकर कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा ने अतिरिक्त मुख्य अभियंता से मुलाकात कर नाराजगी जताई है।

कर चिकित्सालय में भर्ती हुए है तथा कई बार लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों को राजस्थान सरकार द्वारा कोटा दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में 30 किलोमीटर सड़क निर्माण की घोषणा की थी सार्वजनिक विभाग द्वारा सड़क निर्माण के नगर निगम कोटा से प्रस्ताव भी लिये विभाग की लापरवाही के कारण आज तक कोई भी सड़क का निर्माण नहीं हो पाया जिसके परिणामस्वरूप लोगों को रोजाना दुर्घटना का शिकार होना पड़ रहा है। लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

विधायक संदीप शर्मा ने नाराजागी व्यक्त करते हुए अतिरिक्त मुख्य अभियंता को कोटा दक्षिण विधानसभा की बदहाल सड़कों के बारे में विस्तृत सें बताया विधायक संदीप शर्मा नें विधानसभा क्षेत्र के तलवंडी, विज्ञाननगर, गणेश तलाब, तलवंडी ए, रावतभाटा मेन रोड सड़क, शिवपुरा, दादाबाड़ी मुख्य मार्ग, रामतलाई मुख्य मार्ग, कैथुनीपोल क्षेत्र का मुख्य मार्ग, भारत विकास परिषद चिकित्सालय के आस पास मार्ग, तीन बत्ती से दादाबाड़ी छोटे चौराहे तक की सड़क, दादाबाड़ी चौराये से मुख्य मार्ग, बालाकुंड बंसत विहार, संतोषी नगर से महावीर नगर विस्तार योजना वाली सड़क, केशवपुरा की मुख्य सड़क, शॉपिग सेन्टर की मुख्य सड़क, गुमानपुरा बाजार की मुख्य सड़क, श्रीनाथपुरम, आर.के.पुरम महावीर नगर, विज्ञान नगर, अनन्तपुरा, जवाहर नगर, आदि क्षेत्र की मुख्य सड़कों के निर्माण करवाने को कहा।

विधायक ने संदीप शर्मा ने राजस्थान सरकार के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा की केन्द्र सरकार द्वारा स्मार्ट सिटी कें बजट का राजस्थान सरकार गलत उपयोग कर रही है। स्मार्ट सिटी के बजट को लोगों की मूलभूत सुविधाओं को ध्यान में नही रखा जा रहा है केवल सौंदर्यीकरण को प्राथमिकता दी जा रही है। लोगों के स्वास्थ्य को लेकर सरकार चिन्तित नही है रोजाना लोग चौटील हो रहे है। शहर की सड़कों के हालाता के बार में रोजाना प्रमुख समाचार पत्रों बडें बडें लेख छपते है परन्तु सरकार इस संबध में कोई ध्यान नहीं दे रही है। विधायक संदीप शर्मा ने अतिरिक्त मुख्य अभियंता को नाराजगी व्यक्त करते हुए तुरन्त शीघ्र सड़क निर्माण कराने की बात करते हुए कहा कि यदि सड़कों के हालात नही सुधारें तो जन आंदोलन किया जायेगा। इस अवसर पर जिला महामंत्री जगदीश जिन्दल, वार्ड पार्षद योगेन्द्र खींची, विवेक मित्तल, रामबाबू सोनी, सुरेन्द्र कलवाल, दिलीप नायक, पूर्व मंडल अध्यक्ष सतीश चौधरी, मंडल अध्यक्ष महेन्द्र निर्भय, चमन केलवा, विजय यादव, सत्यनारायण पारीक अमित उराडिया, गोपाल श्रीवास्तव, राकेश शर्मा, गजेन्द्र सिंह, ईश्वर मीणा, निखिल अग्रवाल, राजकुमार सेन आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जिला कलेक्टर ने सभी विभागों की समीक्षा बैठक ली

कोटा, (निसं)। जिला कलक्टर हरिमोहन मीणा ने कहा कि सभी अधिकारी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं, फ्लैगशिप कार्यक्रमों से पात्र नागरिकों को लाभान्वित कर जन-समस्याओं का त्वरित निराकरण करें। कार्यालयों में आने वाला कोई भी नागरिक निराश होकर नहीं लौटे साथ ही विकास कार्यों को समय पर पूरा करायें। जिला कलेक्टर बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विभागवार योजनाओं की समीक्षा करते हुए उपस्थित अधिकारियों को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि सभी विभाग सरकार की मंशा के अनुरूप इस प्रकार कार्य करें कि योजनाओं में पात्र नागरिक लाभान्वित होने से वंचित नहीं रहें। कार्यालयों में आना वाला नागरिक निराश होकर नहीं लौटे यदि आवेदन में किसी प्रकार की कमी हैं तो उसे दूर कर लाभान्वित किया जाए। उन्होंने कहा कि जिला स्तरीय अधिकारी यह सुनिश्चित करे कि विभागीय लक्ष्यों में जिला किसी भी मामले में पीछे नहीं रहे। अधिकारी नियमित भ्रमण कर विकास कार्यो की मॉनिटरिंग करें, कार्यों की गुणवत्ता को बनाये रखकर समयबद्ध कार्य पूरा करने के लिए कार्ययोजना बनाये।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा, प्रधान मंत्री आवास योजना में अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित किया जाये। पंचायत समितिवार प्लान बनाकर जनप्रतिनिधियों को आधारभूत विकास के लिए प्रस्ताव तैयार करवाकर उन्हें समय पर पूरा कराये। जिला कलक्टर ने शहरी क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यो की समीक्षा करते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाये कि प्रत्येक कार्य स्मार्ट सिटी के मापदण्डों के अनुसार समय पर पूरे किए जायें।

नगर निगम क्षेत्र में चल रहे आधारभूत विकास कार्यों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों से संवाद रखते हुए समय पर पूरा करायें जिससे आम नागरिकों को लाभ मिले। उन्होंने शहर में साफ-सफाई में सुधार करने की आवश्यकता बताते हुए घर-घर कचरा संग्रहण के साथ सार्वजनिक क्षेत्रों में सफाई के लिए विशेष प्रबन्ध करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इंदिरा रसोई योजना व रेन बसेरों में सरकार की मंशा के अनुरूप जरूरतमंद लोगों को गुणवत्ता युक्त भोजन व ठहरने की सुविधा मिले। उन्होंने जिले में चल रहे पेयजल योजनाओं, सिंचाई योजनाओं, सडक, भवन निर्माण एवं विद्युत सेवाओं के विस्तार कार्यों की समीक्षा कर निर्देश दिए कि लाभान्वित वर्ग को योजनाओं का लाभ समय पर मिले। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ एक-दूसरे विभागों से संबंधित प्रकरणों का समय पर निराकरण कर लोगों को राहत प्रदान करें।

जिला कलेक्टर ने कोविड प्रबन्धन की समीक्षा करते हुए कहा कि जिले में टीकाकरण से कोई भी व्यक्ति वंचित नहीं रहे, इसके लिए कार्ययोजना बनाकर संयुक्त रूप से प्रयास किए जायें। उन्होंने विद्यार्थियों को 21 व 22 जनवरी को टीकाकरण के लिए विशेष अभियान चलाकर शत-प्रतिशत टीकाकरण करने, शिक्षा विभाग के अधिकारियों को उक्त दिवसों में 15 से 18 आयु वर्ग के सभी बच्चों को टीकाकरण के लिए अनिवार्य रूप से बुलाने के निर्देश दिए। दोनों दिवस जिले के सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में अनिवार्य रूप से टीकाकरण करवाया जायेगा।

आज कुछ क्षेत्रों में जलापूर्ति बन्द रहेगी

कोटा, (निसं)। नगर विकास न्यास द्वारा अकेलगढ़ हैण्डवर्क्स पर जवाहर नगर फीड़र पर पाईप लाईन में फ्लोमीटर लगाने के लिए शट-डाउन लिया जायेगा। अधिशाषी अभियंता श्याम माहेश्वरी ने बताया कि फ्लोमीटर लगाने के लिए शट-डाउन गुरूवार 20 जनवरी को प्रातः 11 से सांय 5 बजे तक लिया जायेगा। इस कारण दादाबाड़ी, प्रताप नगर, किशोरपुरा, वक्फनगर, शक्ति नगर, जवाहर नगर, श्याम नगर, शिवपुरा व सीएड़ी कॉलोनी में जलापूर्ति नहीं हो सकेगी।

कार्यालय नगर पालिका कापरेन जिला बून्दी (राज.)

क्रमांक:-न.पा.का./2022/60 **आपत्ति सूचना** दिनांक:-18.01.2022

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस पालिका में श्री पुरूषोत्तम शर्मा आ. श्री घनश्याम शर्मा जाति बागडा ब्राह्मण निवासी ग्राम हीरापुर कापरेन जिला बून्दी (राज.) द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर स्टेट ग्रान्ट एक्ट का पट्टा क्रमांक 15 दिनांक 6.2.2006 कुल क्षेत्रफल 3136 वर्गफुट का श्रीमती कौशल्या बाई पत्नि श्री भोलाशंकर जाति ब्राह्मण निवासी हीरापुर कापरेन से खरीद किया गया है। उक्त पट्टे का नामान्तरण श्री पुरूषोत्तम शर्मा आ. श्री घनश्याम शर्मा जाति बागडा ब्राह्मण निवासी ग्राम हीरापुर जिला बून्दी (राज.) अपने स्वयं के नाम करवाना चाहता है। जिसके संबंध में दस्तावेजों की जांच की जा रही है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति को कोई भी आपत्ति हो वह अपनी आपत्ति 7 दिवस में कार्यालय नगर पालिका में प्रस्तुत कर सकते है। अवधि पश्चात आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका कापरेन

प्रारुप-10
(नियम 6 (7) देखिए)

प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय नगरपालिका झालरापाटन जिला झालावाड़ (राज.)

क्रमांक: /कृषि भू.रुपा. /2021/ न.पा.9033-35 **लोक सूचना** दि. 18.01.2022

स्वयं खातेदार श्री लक्की यादव आ. श्री बालमुकन्द जाति यादव निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, कोटा रोड़ झालावाड़ जिला झालावाड़ ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक खाद्य प्रसंस्करण ईकाई उद्योग प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा सं.	क्षेत्र
तहसील झालरापाटन जिला झालावाड़	राजस्व ग्राम खैरासी	खसरा नम्बर 816/534	रकबा हैक्टयर 0.2529

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियो को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारो के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव मे यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 18/01/2022 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी (अधिशासी अधिकारी) नगरपालिका झालरापाटन

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगर विकास न्यास कोटा

क्रमांक : LU2012/KOT/2021-22/100315 **लोक सूचना** दिनांक 19.01.2022

श्रीमती LALITADEVI पत्नी श्री ANANDILAL जाति KOLI निवासी 1383, GALI NO. 2KADAYABHAG, ROADWAYS DIPO KE PASS KUNHADI SHAMBHOOPURA KOTA ने कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का आवासीय प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। अर्थात:-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1	नांता, लाडपुरा (कोटा)	LALITADEVI W/O ANANDILAL KUNHADI KOTA	1187	4900	0.49
2	नांता, लाडपुरा (कोटा)	LALITADEVI W/O ANANDILAL KUNHADI KOTA	1189	7100	0.71
3	नांता, लाडपुरा (कोटा)	LALITADEVI W/O ANANDILAL KUNHADI KOTA	1190	7900	0.79
				कुल	1.99

इसलिये, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिये भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के आभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जावेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 19.01.2022 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी नगर विकास न्यास, कोटा

कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांक:-822 **नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना** दिनांक:-19.1.2022

नगर विकास न्यास, कोटा द्वारा योजना विश्वकर्मा ऑटो मोबाइल नगर (टायर मार्केट) भूखण्ड/दुकान संख्या 27-बी मैसर्स अजन्ता टायर रिट्रेडिंग वर्क्स प्रो. श्री अली हुसैन को आवंटन पत्र क्रमांक 141 दिनांक 19.09.2013 को आवंटन किया गया था। आवंटी श्री अली हुसैन टायरवाला पुत्र श्री इब्राहीम भाई की मृत्यु दिनांक 14.11.2018 को हो चुकी है। मृत्यु उपरान्त आवंटी के विधिक वारिसान हकदार श्रीमती मुनीरा टायर वाला पुत्री स्व. श्री अली हुसैन टायरवाला एवं पत्नि श्री मुर्तजा टायरवाला द्वारा प्रस्तुत मृत्यु प्रमाण पत्र, रिलीज डीड, शपथ पत्र, आईडी इत्यादि प्रस्तुत उक्त आवास के नामहस्तान्तरण की स्वीकृति नगर विकास न्यास कोटा से चाही जा रही है।

अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई एतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर-अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दे अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त आवास संख्या 27-बी योजना विश्वकर्मा ऑटो मोबाइल नगर (टायर मार्केट) का नाम हस्तान्तरण श्रीमती मुनीरा टायर वाला पुत्री स्व. श्री अली हुसैन टायरवाला पत्नि श्री मुर्तजा टायरवाला के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उप सचिव नगर विकास न्यास कोटा

कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांक:-823 **नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना** दिनांक:-19.1.2022

नगर विकास न्यास, कोटा द्वारा योजना विश्वकर्मा ऑटो मोबाइल नगर (टायर मार्केट) भूखण्ड/दुकान संख्या 69-ए मैसर्स जनता टायर रिट्रेडिंग वर्क्स प्रो. श्री शफक्कत हुसैन को आवंटन पत्र क्रमांक 108 दिनांक 19.09.2013 को आवंटन किया गया था। आवंटी श्री शफक्कत हुसैन पुत्र श्री इब्राहीम भाई की मृत्यु दिनांक 05.10.2020 को हो चुकी है। मृत्यु उपरान्त आवंटी के विधिक वारिसान हकदार श्री हातीम अली पुत्र स्व. श्री शफक्कत हुसैन द्वारा प्रस्तुत मृत्यु प्रमाण पत्र, रिलीज डीड, शपथ पत्र, आईडी इत्यादि प्रस्तुत उक्त आवास के नामहस्तान्तरण की स्वीकृति नगर विकास न्यास कोटा से चाही जा रही है।

अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई एतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर-अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दे अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त आवास संख्या 69-ए योजना विश्वकर्मा ऑटो मोबाइल नगर (टायर मार्केट) का नाम हस्तान्तरण श्री हातीम अली पुत्र स्व. श्री शफक्कत हुसैन के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उप सचिव नगर विकास न्यास कोटा

नाम परिवर्तन

विवाह से पूर्व मेरे शैक्षणिक दस्तावेज में मेरा नाम समता पोद्दार था एवं विवाह के पश्चात समस्त दस्तावेजों में एवं आधार कार्ड में मेरा नाम समता मित्तल लिखा हुआ है आगे से मुझे समता मित्तल के नाम से ही जाना जाए।

पता- श्रीमती समता मित्तल पत्नी श्री विजय कुमार मित्तल निवासी मकान नंबर 397 उमा क्लीनिक के पास बालकुंड मेन रोड दादाबाड़ी, कोटा

कार्यालय तहसीलदार (भू-अभिलेख)

रामगंजमंडी, जिला-कोटा (राज.)
फोन-07459-220108

क्रमांक/भू.अ/4734 दिनांक 17.1.22

प्रेस विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सोभाग्य कुमार पुत्र श्री राम कुंवार, श्रीमति निर्मला पत्नि सोभाग्य कुमार जाति महाजन निवासी चेचट द्वारा तहसील कार्यालय में प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन किया है कि प्रार्थीगणों की माता/सास श्रीमती केसर बाई, पत्नि राम कुंवार जाति महाजन निवासी चेचट के नाम ग्राम चेचट में खसरा नम्बर 313 रकबा 2.19 हेक्टर भूमि दर्ज रेकार्ड। श्रीमति केसर बाई द्वारा उप पंजियक रामगंजमण्डी में दिनांक 29.9.2008 को क्र.सं. 2008000029 पर पंजिबद्ध वसीयत कराई है जिसमें समस्त चल/अचल सम्पत्ति प्रार्थीगणों के नाम की गई है। वसीयतकर्ता केसर बाई की मृत्यु दिनांक 7.8.2020 को मृत्यु हो चूकी है अतः वसीयत के आधार पर नामान्तरणकरण की कार्यवाही करने की कृपा करें।

प्रार्थीगणों का प्रार्थना पत्र राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 135(2) के अन्तर्गत विचाराधीन है। केसर बाई द्वारा दिनांक 29.9.2008 को की गई वसीयत ही अन्तिम वसीयत है।

अतः ग्राम चेचट के खसरा नम्बर 313 रकबा 2.19 हेक्टर पर केसर बाई द्वारा दिनांक 29.9.2008 को की गई वसीयत के आधार पर प्रार्थीगणों के नाम नामान्तरणकरण दर्ज करने में एवम् उक्त वर्णित वसीयत पत्र पर कोई आपत्ति हो तो आपत्तिकर्ता स्वयं या वकालतन विज्ञप्ति जारी होने के दिनांक से 7 योम अपनी आपत्ति अद्योहस्ताक्षरकर्ता को कार्यालय समय में पेश कर सकता है। बाद मियाद केसर बाई की दिनांक 29.9.2008 की वसीयत को अन्तिम वसीयत मानकर नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

तहसीलदार
रामगंजमण्डी जिला कोटा

लवीना शर्मा महिला कांग्रेस की प्रदेश सचिव नियुक्त

रामगंजमंडी, (निसं)। राजस्थान महिला कांग्रेस में बुधवार को नियुक्त नए पदाधिकारीयों में रामगंजमंडी की महिला नेत्री लवीना शर्मा को प्रदेश सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव और राजस्थान प्रभारी नीतू वर्मा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष नीटा डिसूजा की सहमति से राजस्थान में कार्यकारिणी विस्तार करते हुए लवीना शर्मा को प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया। इस अवसर पर रामगंजमंडी के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लवीना शर्मा का स्वागत किया और राष्ट्रीय अध्यक्ष नीटा डिसूजा, राष्ट्रीय महासचिव नीतू वर्मा, प्रदेश अध्यक्ष रेहाना रियाज का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस पर स्वागत करने वालों में ब्लॉक अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह गोयंदा, पार्षद जसविंदर सिंह विक्की युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह मण्डा, युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष चतुर्भुज अहीर शर्मा सहित आदि शामिल थे।

कोटा में अस्थाई रैन बसेरों का शुभारम्भ

कोटा, (निसं)। कुन्हाड़ी स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र वार्ड 51 तथा माला फाटक कॉलोनी के वार्ड 11 अस्थायी रैन बसेरों का शुभारंभ समाजसेवी अमित धारीवाल के द्वारा किया गया।

नगर निगम कोटा उत्तर के आयुक्त मालावत ने बताया कि समाजसेवी अमित धारीवाल द्वारा फीता काटकर आश्रय स्थलों का शुभारंभ किया। इस मौके पर समाजसेवी अमित धारीवाल ने कहा की स्थायी व अस्थायी रैन बसेरे 24 घण्टे खुले रहेंगें और जो व्यक्ति सर्दियों में खुले में रह रहे है और जो व्यक्ति सर्दियों में खुले में सो रहे है। वे यहां आकर आश्रय ले सकते है। साथ ही उन्होने ऑटो वाहनों का भी शुभारम्भ किया जिससे की लोगों को रैन-बसेरों के बारे में जानकारी प्राप्त हो।

नगर निगम कोटा उत्तर द्वारा शुरु किए गए रैन बसेरे का समाजसेवी अमित धारीवाल ने शुभारम्भ किया।

समाजसेवी अमित धारीवाल ने बताया कि इन क्षेत्रों से लगातार रैन - बसेरों के लिए मांग आ रही थी और इसलिए यहां पर रैन बसेरों का संचालन जरूरी है। साथ ही उन्होंने गांधी कोलोनी में जरूरतमंद व्यक्तियों को सर्दी से बचने के लिए कंबल तथा भोजन के पैकिट वितरित किये। इस मौके पर उन्होंने कहा कि खुले में सोने वाले लोगों को राहत प्रदान करने की एक अनोखी पहल है। साथ ही तपन व अलाव के लिए रैन बसेरो में लकड़ियों की व्यवस्था के लिए कहा गया। जिससे की लोगों को सर्दी से राहत मिल सके।

रैन-बसेरों के शुभांरभ के दौरान पार्षद अनिल सुवालका, रचना शर्मा, साजिश खान, बशीर मोहम्मद, अमित गौड़ व वार्डवासी तथा निगम के उपायुक्त गजेन्द्र सिंह एवं डे-एन.यू.एल.एम. की प्रबंधक हेमलता गांधी उपस्थित थे।

कार्यालय नगर निगम, कोटा-उत्तर

क्रमांक: ननिको (उ.)/जोन प्रथम/2022/11884-91 दिनांक:-19.01.2022

सार्वजनिक आपत्ति सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि 69-ए/स्टेट ग्रान्ट के तहत पट्टे बनवाने हेतु निम्नांकित व्यक्तियों के आवेदन लंबित है। जिनके प्रशासन शहरों के संग अभियान 2021 के दौरान दस्तावेजों की जांच की जाकर सही पाये जाने पर पट्टे जारी किये जाने की कार्यवाही की जाना प्रस्तावित है। अतः निम्न के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को उज्र/आपत्ति हो तो वह अपनी उज्रदारी/आपत्ति इस सूचना के प्रकाशन 7 दिवस में कार्यालय नगर निगम कोटा-उत्तर में प्रस्तुत कर सकते है। अवधि पश्चात आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी।

क्र.सं.	आवेदक का नाम	पता
1.	श्री राधेश्याम शर्मा पुत्र श्री रामनारायण	कैथुनीपोल कोटा
2.	श्री जावेद खान पुत्र श्री मोहम्मद ईलीयास	खण्ड गांवडी कोटा
3.	श्रीमती दीपा तिवारी पत्नी श्री गंगेश तिवारी	नयापुरा कोटा
4.	श्रीमती नफीसा बानो पत्नी श्री जुम्मा खान	बृजराजपुरा कोटा
5.	श्री महेन्द्र पुत्र श्री जगदीश प्रसाद	बल्लभबाडी कोटाा
6.	श्री कैलाश पुत्र स्व. श्री बाबूलाल	नयापुरा कोटा
7.	श्रीमती नितू बंजारा पत्नी श्री राहूल बंजारा	कालपुरा नयापुरा कोटा
8.	श्री गिरिराज जांगीड पुत्र स्व. श्री रामपाल	खाई रोड कोटा
9.	श्री महेश कुमार अग्रवाल पुत्र स्व. श्री नन्दलाल	पुरानी सब्जीमण्डी कोटा
10.	श्रीमती इन्द्रा बाई पत्नी श्री पप्पुलाल	नयापुरा कोटा
11.	श्री गोबरीलाल पुत्र श्री ताराचन्द	लाडपुरा कोटा
12.	श्रीमती तबस्सुम पत्नी स्व. श्री फजले नईम	लाडपुरा कोटा
13.	श्री घांसीलाल पुत्र श्री ताराचन्द	नयापुरा कोटा
14.	श्रीमती जाहिदा बेगम पत्नी श्री हयार्तुरहमान	श्रीपुरा कोटा
15.	श्री अब्दुल गफूर पुत्र श्री अब्दुल कय्यूम	गुमानपुरा कोटा
16.	श्री अब्दुल रशीद पुत्र श्री गेंदे खां	बल्लभबाडी कोटा
17.	श्री अम्बालाल पुत्र स्व. श्री गोविन्दलाल मेहता	इन्द्रा मार्केट कोटा
18.	श्री फूलचन्द पुत्र श्री मोहनलाल	बल्लभबाडी कोटा
19.	श्री युसुफ मोहम्मद पुत्र श्री अब्दुल हकीम	श्रीपुरा कोटा
20.	श्री जितेन्द्र चौधरी पुत्र श्री सुभाषचन्द	भीमगंजमण्डी कोटा
21.	श्री इकराम अली पुत्र श्री इमाम बक्श	चन्द्रघटा कोटा
22.	श्री परवेज अख्तर पुत्र श्री अब्दुल मजीद	चन्द्रघटा कोटा
23.	श्री शेख सईदुल पुत्र श्री शेख मुफीजउद्दीन	चन्द्रघटा कोटा
24.	श्री बालकिशन पुत्र श्री चौथमल	रामपुरा कोटा
25.	श्री सलीम मोहम्मद पुत्र श्री भंवर लाल	बल्लभबाडी कोटा
26.	श्री अनवर हुसैन पुत्र श्री नूर मोहम्मद	बल्लभबाडी कोटा
27.	श्री अनवर हुसैन एवं जाकिर हुसैन पुत्र श्री शुभान	बल्लभबाडी कोटा
28.	श्री हैदर अली पुत्र श्री इकबाल हुसैन	भीमगंजमण्डी कोटा
29.	श्री असगर अली पुत्र श्री इकबाल हुसैन	कोटा जं. कोटा
30.	श्री विशाल गुप्ता पुत्र श्री विमलेश गुप्ता	भीमगंजमण्डी कोटा
31.	श्री प्रभूलाल पुत्र श्री नन्दलाल	खाई रोड कोटा
32.	श्री शमशुद्दीन पुत्र श्री मुन्ना गुलाम नबी	टिपटा कोटा
33.	श्रीमती लता चतुर्वेदी पत्नी श्री बृज सुन्दर	खेडली फाटक कोटा
34.	श्री विनायक चतुर्वेदी पुत्र श्री बृज सुन्दर	खेडली फाटक कोटा
35.	श्री अब्दुल गफ्फार पुत्र श्री अब्दुल गनी	बजाज खाना कोटा
36.	श्रीमती सन्नो पत्नी श्री अब्दुल सलाम	चन्द्रघटा कोटा
37.	श्री अनवर अली पुत्र श्री अब्दुल मजीद	घण्टाघर कोटा
38.	श्री अब्दुल मतीन पुत्र श्री अब्दुल सत्तार	बजाज खाना कोटा
39.	श्री रामनारायण पुत्र स्व. श्री रेवडीलाल	भीमगंजमण्डी कोटा
40.	श्री मनोहर गोटेवाला पुत्र श्री शिखरचन्द जैन	बजाज खाना कोटा

उक्त आवेदन माननीय उच्च न्यायालय के आदेशों/निर्णय के विरुद्ध पाये जाने पर आवेदन निरस्त कर दिया जावेगा।

उपायुक्त नगर निगम कोटा-उत्तर जोन प्रथम

राजस्थान सरकार वन विभाग

कमांक: प.1 (100) वन/2021 जयपुर दिनांक 7.1.2022

प्रधान मुख्य वन संरक्षक (HoFF)
राजस्थान, जयपुर

विषय: Diversion of 0.726 ha. of forest land in Favour of Jio Digital Fiber Pvt. Ltd. For OFC Laying Work Along Existing PWD Road (with in ROW) from Khanpur- Jhalawar- Suket from Lat/ long Point 24.613123/ 76.275544 to 24.584378/ 76.209328 & 24.63174/ 76.066108 to 24.603836/ 76.122661 for total length and Area applied in Forest & non forest is 16.133KM & 0.726 ha.& 3.551 KM & 0.160 ha. Respectively in Jhalawar District- Rajasthan (FP/RJ/OFC/44164/2020

संदर्भ: आपका पत्रांक एफ 14 (390/36)2020/एफसीए/प्रमुवस/3449 दि. 2.12.2021

महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत संदर्भित प्रस्ताव मे Jio Digital Limited (प्रयोक्ता अभिकरण) द्वारा वन संरक्षण अधिनियम 1980 के अन्तर्गत सामान्य स्वीकृति के तहत धारा-2 में OFC Cable Line हेतु 0.726 हेक्ट.वन भूमि प्रत्यावर्तन की स्वीकृति चाही गई है। नोडल अधिकारी वन संरक्षण अधिनियम द्वारा प्रस्तुत किये गये प्रस्ताव पर विचारोपरांत प्रस्ताव पर वन संरक्षक अधिनियम 1980 के अर्न्तगत धारा-2 में सामान्य स्वीकृति बाबत जारी दिशा-निर्देशो एवं नवीन निर्देश दिनांक 27.07.2020 के परिपेक्ष्य में Diversion of 0.726 ha. of forest land in Favour of Jio Digital Fiber Pvt. Ltd. For OFC Laying Work Along Existing PWD Road (with in ROW) from Khanpur-Jhalawar-Suket from Lat/long Point 24.613123/ 76.275544 to 24.584378/ 76.209328 & 24.63174/ 76.066108 to 24.603836/ 76.122661 for total Length and Area applied in Forest & non forest is 16.133 KM & 0.726 ha.& 3.551 KM & 0.160 ha. Respectively in Jhalawar District- Rajasthan की सैद्धांतिक स्वीकृति बिना वृक्षों के पातन सहित निम्न शर्तो के अध्याधीन प्रदान करती है:

1. वन भूमि की वैधानिक स्थिति में कोई परिवर्तन नही होगा।
2. प्रत्यावर्तित वन भूमि का उपयोग किसी अन्य प्रयोजन के लिये नहीं किया जावेगा।
3. याचक विभाग द्वारा परियोजना के निर्माण एवं रख रखाव के दौरान आस-पास के क्षेत्र की वनस्पतियों एवं जीव जन्तुओं को किसी प्रकार की क्षति नही पहुचाई जावेगी एवं उनके संरक्षण हेतु समस्त उपाय किये जावेगें।
4. प्रत्यावर्तित क्षेत्र में रोपित किये जाने वाले वृक्षों को वन विभाग की बिना पूर्वानुमति के नही काटा जावे। उक्त क्षेत्र में रोपित पेड परिपक्व होने पर, वन विभाग के होगें।
5. प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा प्रस्तावित स्थल/वनक्षेत्र के आस-पास मजदुरों/ स्टाफ के लिए किसी भी प्रकार का कैम्प नहीं लगाया जावेगा।
6. प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा निर्माण कार्य के दौरान स्थल पर कार्य रत मजदूरों/ स्टाफ को रसोई गैस/ केरोसिन तेल आपूर्ति की जावेगी, ताकि निकटवर्ती वनों को क्षति न हो।
7. प्रयोक्ता अभिकरण द्वारा प्रस्तावित वनभूमि के अतिरिक्त आस -पास की वनभूमि से/ पर निर्माण कार्य के दौरान मिट्टी/पत्थर काटने या भरने का कार्य नही किया जावेगा।
8. प्रयोक्ता अभिकरण वर्तमान एवं भविष्य में योजना पर लागू सभी नियम, कानून तथा दिशा निर्देशो का पालन करेगा।
9. प्रयोक्ता अभिकरण, सैद्धान्तिक स्वीकृति की पालना के साथ एफ.आर.ए. सटिर्फिकेट प्रस्तुत करावेगा। तदोपरान्त ही विधिवत स्वीकृति पर विचार किया जावेगा।
10. राज्य सरकार द्वारा दी गई इस अनुमति का प्रबोधन संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय, वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया जा सकेगा।
11. भारत सरकार के पत्रांक 7-23/2012/एफसी दि.24.07.2013 से माननीय ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा दिनांक 7.11.2012 को पारित निर्णय की पालना प्रकरण में सुनिश्चित की जावें तथा प्रकरण में जारी स्वीकृति को यूजर एजेंसी हिन्दी एवं अंग्रेजी में प्रकाशित होने वाले एक-एक समाचार पत्र में अक्षरस: प्रकाशित करावें एवं जारी स्वीकृति की प्रतियां स्थानीय निकाय, पंचायत एवं नगरपालिका के राजकीय अधिकारीयों को स्वीकृति प्राप्ति के 30 दिन के अन्दर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

भवदीय,
(बी.प्रवीण) शासन सचिव

विद्युत लाइनों के रखरखाव के कारण आज बिजली बंद

कोटा, (निसं)। विद्युत लाइनों के रखरखाव व यूआईटी के कार्यों के कारण गुरुवार को सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक जयहिन्द नगर, सुखधाम कॉलोनी, श्रीनाथपुरम सेक्टर बी, सी,डी,ई, जीएडी कॉलोनी, टैगोर नगर, सुबह 10 से शाम 4 बजे तक महावीर नगर 1 व 3, सेंट्रल मेडिकल एरिया, संजय सामुदायिक भवन, रंगबाड़ी सेक्टर 2, विश्वकर्मा नगर स्पेशल, महावीरनगर तृतीय, परिजात कॉलोनी, दोपहर 3 से शाम 5 बजे तक स्वामी विवेकानंद नगर सेक्टर 1 से 10, विवेकानंद नगर, बॉम्बे योजना, आरकेपुरम ई, सुबह 11 से दोपहर 12.30 बजे तक नागर कॉलोनी, सामुदायिक भवन, वैभव अपार्टमेंट, श्यामा कॉलोनी, लोहनी नर्सिंग होम, सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक खाई रोड, करबला, दूधाधारी मंदिर, बस स्टैण्ड, श्मशान रोड, मालीपाड़ा, कोलीपुरा, नवल पार्क, हरिजन बस्ती, ब्रजराज कॉलोनी, स्माइल चौक, सब्जीमंडी, कब्रिस्तान, पंचमुखी हनुमान मंदिर, कायन हाउस, कंचन होटल, निधि पावर प्लांट, मुक्ति मार्ग, बाबा घाट, नेहरू कॉलोनी, आयुर्वेदिक अस्पताल, हाट बाजार, दूरदर्शन केंद्र, स्टेडियम, जेडीबी कॉलेज, आकाशवाणी, सीवी गार्डन, जेल रोड, बैडमिंटन हॉल, बजरंगनगर, केसर बाग, गुलाब बाग, मुखर्जी पंप हाउस, रेलवे सोसायटी, प्रगति नगर, बाल विद्यालय, बीज गोदाम, शिवाय मल्टी, राजेंद्र विहार पार्क, एचपी गैस गोदाम, ईश्वर लेन, बाल भवन विद्यालय, कालपुरिया, नयापुरा मैन रोड, चंबल पुलिया के आसपास, अग्रसेन सर्किल के आसपास, नागाजी बाग आदि स्थानों पर विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

लार्वा मिलने पर दो मकान मालिकों को नोटिस

कोटा, (निसं)। मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए जिले में चिकित्सा विभाग का डोर टू डोर सर्वे अभियान जारी है। बुधवार को विभाग की 621 टीमों ने 15760 घरों का सर्वे किया। इस दौरान घरों में लार्वा मिलने पर 2 मकान मालिकों को नोटिस दिए।

सीएमएचओ डॉ भूपेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि टीमों ने घरों में 27459 पानी के जल पात्रों जैसे पानी की टंकियां, कूलर, ड्रम, परिण्डे, गमले, फ्रीज की ट्रे और छतों पर रखे पानी जमा होने वाले टायर, कबाड़ आदि की जांच की गई तो 45 जल पात्रों/कंटेनरों में लार्वा मिला जिन्हें उपचारित किया। टीमों ने 1188 कंटेनरों को खाली कराया, 575 में टेमीफास की दवा डाली तथा 894 स्थानों पर एमएलओ डाला गया। इसके अलावा 457 कमरों में मच्छर रोधी पायरेथ्रम स्प्रे का छिड़काव भी किया।

सर्वे में आईएलआई या कोरोना जैसे लक्षण वाले 185 व्यक्ति भी मिले जिन्हें दवाईयां दी गई। हाई रिस्क ग्रुप के 65 लोगों को अस्पताल जाकर दिखाने की सलाह दी गई। इस दौरान लोगों को बीमारियों से बचाव रोकथाम संबधी जागरूकता के पम्पलेट भी बांटे व पोस्टर, स्टीकर चस्पा किए गए।

लोगों को मास्क वितरित किये

रामगंजमंडी, (निसं)। उपखड़ अधिकारी राजेश डागा व डिप्टी सौरभ तिवारी ने शहर के गणमान्य नागरिकों के साथ नगर के प्रमुख प्रमुख बाजारों में मॉस्क का वितरण कर लोगों से अंतिम समझाईश कर उन्हें मॉस्क लगाने के लिए प्रेरित किया।

डागा ने कहा कि आज समझाईश की जा रही है और अब मॉस्क नही लगाया तो कार्रवाई की भी जाएगी जिसके लिए तैयार रहें। दुकानदारों से मास्क पहने ग्राहकों को ही सामान देने व बिना मास्क वाले ग्राहकों को सामान नहीं देने की अपील की।

जिला कलेक्टर ने पदभार ग्रहण किया

कोटा, (निसं)। जिला कलेक्टर हरिमोहन मीणा ने बुधवार को प्रातः कलेक्ट्रेट में पदभार ग्रहण किया तथा अधिकारियों से रूबरू होकर जिले के विकास कार्यों एवं प्रमुख परियोजनाओं की जानकारी ली। जिला कलेक्टर ने कहा कि वर्तमान में कोविड प्रबन्धन के साथ टीकाकरण के शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा करना प्राथमिकता में होगा। जिले में सरकार की कल्याण्कारी योजनाओं एवं फ्लैगशिप कार्यक्रमों का सफल क्रियान्वयन तथा कार्यालय आने वाले प्रत्येक नागरिक की समस्याओं का वास्तविक स्तर पर निराकरण उनकी प्राथमिकता में होगा। उन्होंने शहर एवं

- **'जिले का विकास एवं जन-समस्या निराकरण होंगी प्राथमिकता'**

कोटा के नवनियुक्त जिला कलेक्टर हरिमोहन मीणा ने पदभार ग्रहण किया।

ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूरा कराने एवं मॉनिटरिंग को प्रभावी बनाने के लिए भी कार्य करने की बात कही। उन्होंने कहा कि कार्य करने वाले प्रत्येक कार्मिक को संरक्षण तथा लापरवाही बरतने वाले कार्मिकों के खिलाफ सख्त कदम भी उठाये जायेंगे। अतिरिक्त कलेक्टर शहर डॉ. महेन्द्र लोढ़ा ने उन्हें पदभार ग्रहण कराया, इस अवसर पर अतिरिक्त कलेक्टर प्रशासन राजकुमार सिंह, सीलिंग सत्यनारायण आमेठा, सीईओ जिला परिषद ममता तिवाड़ी, उपखण्ड अधिकारी दीपक मित्तल उपस्थित रहे।

अनुभाग प्रभारियों की बैठकः- जिला कलेक्टर ने पदभार ग्रहण करने के बाद कलेक्ट्रेट स्थित विभिन्न अनुभागों के कार्यों की समीक्षा कर निर्देशित किया कि कलेक्ट्रेट के स्तर पर कोई भी प्रकरण लम्बित नहीं रहे। विभागों एवं सरकार के स्तर से आने वाले पत्रों का समय पर जवाब के साथ आम नागरिकों के प्रकरणों में त्वरित कार्यवाही की जाये।

पश्चिम मध्य रेल सामग्री प्रबंधन विभाग

माल डिब्बा मरम्मत कारखाना – कोटा
भंडार आपूर्ति हेतु "ई"–निविदा सूचना संख्या E-66215696)

उप मुख्य सामग्री प्रबंधक, माल डिब्बा मरम्मत कारखाना, पश्चिम मध्य रेल– कोटा, भारत के राष्ट्रपति की ओर ई–खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदा आमंत्रित करते है। कोई भी व्यक्तिगत / डाक प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएगें। पूर्ण विवरण / विनिर्देशन के लिए **website: https://www.ireps.gov.in** पर ई निविदा संबंधी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। **Tender No.** - E-66215696, **Short Description-** Liquid and Gas Eduction Valve for BTPGLN Wagon, **Tendered Qty.** - 96 Nos. Sets, **Opening Date** - 18/02/2022 12:30 Hrs., **Earnest Money-** 87030/-, **Estimated Value (INR)** - 4351488/-

उप मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, कोटा

कोरोना को भगाना है, मास्क व वैक्सीन लगाना है

जोधपुर में करोना का विस्फोट, 1212 संक्रमित मिले, दो जनों की मौत

जिले में एक्टिव केस भी बढ़कर 5284 पर जा पहुंचे है

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में बुधवार को हुए कोरोना के विस्फोट ने शहर और गांवों के लोगों को दहला कर रख दिया। कोरोना संक्रमण के आंकड़े बारह शतक को पार कर गए। यहां पर कोरोना तेजी से पैर पसारने लगा है। बुधवार को 4515 जनों की जांच की गई, उसमें से 1212 संक्रमित पाए गए। डराने वाली बात यह है कि आज भी दो जनों की मौत हो गई। कल भी दो संक्रमितों ने दम तोड़ा था। एक्टिव केस भी बढ़ कर 5284पर जा पहुंचे है। वहीं स्वस्थ हो चुके 777 जनो को डिस्चार्ज भी किया गया।

इस सब के बावजूद लोग पूरी तरह लापरवाही बरत रहे हैं। हर रोज होने वाली जांच में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़ती जा रही थी। सरकार ने हांलांकि कुछ पाबंदियां भी लगाई,मगर लोग बेपरवाह बने फिर रहे हैं। मास्क लगाना तो कईयों ने शान के खिलाफ समझ रखा है। कुछ लोग वाहन लेकर घर से निकलते तो मास्क कोट की जेब में डाल देते हैं। गलियों में बिना मास्क राजा भोज की तरह शान से निकलते हैं ।मगर मुख्य सड़क पर पुलिस नजर आती है तो तुरंत गंगू तेली भी बन जाते हैं। वाहन एक तरफ रोक कर मास्क पहनते हैं, ताकि दण्ड से बचे रहें।

यही हाल बाजार में साफ़ नज़र आता है। भीड़भाड़ में लोग एक दूसरे से धकियाते चलते हैं। दूसरी तरफ सरकार और जिला प्रशासन लोगों की बेहतरी को लेकर चिंतित है। चिकित्सा संबंधी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के प्रयास निरंतर किए जा रहे हैं। सोशल डिस्टेडिंग रखने और मास्क पहनने की अपील की जा रही है। भीड़ में ना जाने और भीड़ ना जुटाने की सलाह दी जा रही है। मगर कुछ लोगों ने तो जैसे हम नही सुधरेंगे का संकल्प लें रखा है। अगर लोगों का यही बर्ताव रहा तो फुल लोकडाऊन लगाने के अतिरिक्त सरकार के पास कोई विकल्प नहीं रह जाएगा।

भीलवाड़ा जिले में बुधवार को 277 कोरोना पॉजिटिव सामने आये

भीलवाडा, (निसं)। जिले में कोरोना संक्रमण से मंगलवार को मिली थोड़ी राहत के बाद फिर से बुधवार को विस्फोट हुआ है। मंगलवार को जिले में सात दिन बाद 100 से कम मरीज सामने आए थे। वहीं बुधवार को एक बार फिर से जिले में यह संख्या 200 के पार पहुंच चुकी है। जिले में जिस गति से यह संक्रमण फैल रहा है। वह प्रशासन के सामने एक चिंता का विषय भी बना हुआ है।

डिप्टी सीएमएचओ डॉ. घनश्याम चावला ने बताया कि जिले में बुधवार को 277 संक्रमित मरीज सामने आए हैं। इस बार शहर में सुभाष नगर के बाद जहाजपुर व शाहपुरा में सबसे ज्यादा संक्रमित मरीज सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि मरीजों की संख्या में प्रतिदिन बढोतरी हो रही है। जो आंकड़ों में साफ नजर आ रहा है। लोगों को इस संक्रमण को रोकने के लिए कोरोना गाइड लाइन की पालना करनी चाहिए। साथ ही वैक्सीन के जोड लगवाने में कोई कोताही नहीं करनी चाहिए। उन्होंने बताया की बुधवार को 1605 लोगों की जांच में 277 पॉजीटिव सामने आए है।

उदयपुर में 876 पॉजीटिव मिले, 423 रिकवर हुए, 74 भर्ती

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले में बुधवार को 876 पॉजीटिव मिले है। एक्टिव केस 4518 में से केवल 74 अस्पताल में भर्ती है वहीं जिले में आज 423 रिकवर भी हुए है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश खराड़ी ने बताया कि जिले में आज प्राप्त 3782 सैम्पल जांच रिपोर्ट में से 2906 नेगेटिव व 876 पॉजीटिव मिले

- **कोरोना संक्रमितों में 117 वॉरियर्स भी शामिल है**

है। शहरी क्षेत्र में मिले 664 संक्रमितों में 91 कोरोना वॉरियर्स, 414 नए संक्रमित, 155 क्लॉज कांटेक्ट व 04 माइग्रेंट है। ग्रामीण क्षेत्र में मिल 212 संक्रमितों में 26 कोरोना वॉरियर्स, 41 क्लॉज कांटेक्ट व 145 नए संक्रमित है। संक्रमितों का कुल आंकड़ा 63330 हो गया है। इनमें से 58055 रिकवर हो चुके है। जिले में आज 423 संक्रमित रिकवर हुए। एक्टिव केसेस की संख्या 4518 है इनमें से अधिकांश 4444 होम आइसोलेटेड है वहीं 74 चिकित्सालय में भर्ती है। आज मिले संक्रमितों में ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में मिलाकर 117 कोरोना वॉरियर्स शामिल है।

चाण्डपुरा के विद्यार्थियों की शिकायत पर वार्डन ए.पी.ओ.

हॉस्टल में रसोईया नही होने से तीन माह से विद्यार्थी स्वयं खाना बनाने को मजबूर है

जालोर के पास चाण्डपुरा देवनारायण आवासीय विद्यालय के विद्यार्थी हॉस्टल वार्डन पर ज्यादती का आरोप लगाते हुए जिला कलैक्टर को ज्ञापन देने कलैक्ट्रेट पहुंचे।

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के एक मात्र देवनारायण राजकीय उच्च माध्यमिक आवासीय विद्यालय चाण्डपुरा के विद्यार्थी बुधवार को कलैक्ट्रेट पहुंचकर हॉस्टल वार्डन व प्रधानाचार्य के खिलाफ अनियमितता को लेकर शिकायत करने पर जिला कलैक्टर जालोर नम्रता वृष्णि ने तुरंत बच्चो की बात सुनते हुए वार्डन के खिलाफ कार्यवाही करते हुए बच्चों को बाल कल्याण समिति की टीम के साथ छात्रावास के लिए रवाना किया।

जालोर के देवनारायण आवासीय विद्यालय के हॉस्टल विद्यार्थियो को समय पर खाना नही देने तथा प्रधानाचार्य द्वारा बिना किसी बात को लेकर प्रताड़ित करने पर हॉस्टल से कुछ छात्र बुधवार सुबह कलैक्ट्रेट गेट के आगे आकर बैठ गये। जिला कलैक्टर के पहुंचने पर उन्होने अपनी पीड़ा बताते हुए शिकायत पत्र देते हुए बताया कि हॉस्टल में रसोईया नही होने से तीन माह से विद्यार्थी स्वयं खाना बनाने को मजबूर है।

बर्तन आदि सभी कार्य बच्चों से करवाया जाता है। विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा प्रवेश के दौरान प्रवेश शुल्क के रूप में प्रति विद्यार्थी पांच हजार रूपये वसूल किये जाते हैं। बार बार रूपये देने का बेजा दबाव बनाया जाता है। वही घर जाने के दौरान मिलने वाले दो सौ भी नही देकर वार्डन स्वयं बिल बनाकर उठा लेता है। रात्रि के समय हॉस्टल वार्डन प्रत्येक विद्यार्थी के कमरे की जांच कर उसके बक्से में परिवारजनो द्वारा दी गई पैकेट मनी भी वार्डन लेकर चला जाता है। पैसे मांगने पर वार्डन द्वारा मारपीट की जाती है।

हॉस्टल का अधिकतर सामान भी वार्डन अपने घर लेकर जाता रहता हैं। हॉस्टल वार्डन फर्जी बिल बनाकर राजस्व हानि पहुंचा रहा है। बीमारी आदि में भी वार्डन द्वारा कोई ध्यान नही दिया जाता है। वार्डन ने राजस्व हानि पहुंचकर लाखों रूपये की सम्पति प्राप्त कर ली है। जिला कलैक्टर ने बच्चों की समस्या सुनकर तुरंत एक्शन लेते हुए वार्डन को ए.पी.ओ. कर दिया। बाल कल्याण समिति की टीम बच्चों के साथ पहुंचकर उनके सुविधाओं की जानकारी ली।

अलवर के राज ऋषि कॉलेज में सैंकड़ों की भीड़ में करोना पॉजिटिव परीक्षा देने पहुंचा

अलवर, (निसं)। राज ऋषि कॉलेज में बुधवार को सैकड़ों की भीड़ में कोरोना पॉजिटिव भी परीक्षा देने पहुंच गया। प्रशासन की अव्यवस्था पर स्टूडेंट्स ने रोष जताया तथा प्रशासन की ओर से परीक्षा का अधूरा इंतजाम रहा। कोरोना पॉजिटिव के आने का पता लगा तो प्रशासन के होश उड़ गए। इसके बाद कॉलेज प्रशासन ने यूजी की परीक्षाएं 23 जनवरी तक स्थगित कर दी। लेकिन पीजी की परीक्षाएं यथावत जारी रखी हैं।

कॉलेज के स्टूडेंट्स ने विरोध जताया कि प्रशासन की ओर से टर्म टेस्ट का टाइम टेबल प्रॉपर जारी नहीं किया। स्टूडेंट्स को पता ही नहीं चला कि किस विषय का पेपर कितने बजे किस रूम में होगा। इस कारण सैकडों

- **राज ऋषि कॉलेज प्रशासन ने 23 तक परीक्षा स्थगित की**
- **स्टूडेंट्स का आरोप कॉलेज प्रशासन की लापरवाही**

स्टूडेंट्स कॉलेज के एकत्रित हो गए। कॉलेज में परीक्षा के लिए स्टूडेंट्स को बाहर खुले में जमीन पर ही बैठा दिया। कोहरे के बीच में कडाके ठंड में पेपर लेने की तैयारी की गई लेकिन व्यवस्था अधूरी रही। इस बीच स्टूडेंट्स ने हंगामा कर दिया। परीक्षाएं बीच में ही छोड़ दी गई। इसके बाद प्राचार्य हुकम सिंह ने यूजी की परीक्षाओं को 23 तक स्थगित कर दिया। प्राचार्य ने कहा कि हमनें कोरोना गाइडलाइन को देखते हुए 50 प्रतिशत स्टूडेंट्स को ही बुलाया था। लेकिन ज्यादा आ गए। इस कारण सबकी परीक्षा लेने की तैयारी तुरंत की गई। कोरोना संक्रमित के आने की सूचना हमें नहीं थी।

यहां कई छात्रों ने कोरोना संक्रमित आए स्टूडेंट का नाम लेकर बताया कि वह परीक्षा देने आया है। जबकि कोरोना पॉजिटिव हैं यह जानने के बाद प्रशासन के होश उड गए। तुरंत परीक्षा को स्थगित किया गया। अब यूजी की परीक्षा 23 के बाद में होगी। जबकि पीजी की परीक्षाएं यथावत रहेंगी। कॉलेज प्रशासन का कहना है कि इस बार परीक्षा का पैटर्न भी बदला गया है। जिससे थोड़ा असमंजस रहा है।

अलवर जिले में 1244 रिकॉर्ड पॉजिटिव मिले

अलवर, (निसं)। बुधवार को 1244 कोरोना पॉजिटिव आए हैं जो तीसरी लहर में अब तक सबसे अधिक हैं। पहली व दूसरी लहर की तुलना में दोगुना से ज्यादा हैं। अब जिले में 6 हजार 656 कोरोना के एक्टिव केस हैं। खास बात यह है कि अलवर में अब भी नए मरीजों की तुलना में रिकवर होने वालों की संख्या कम है। बुधवार 1 हजार 244 नए पॉजिटिव आए। जबकि रिकवर केवल 750 हुए हैं। जिलेभर में पिछले 14 दिनों में 9 हजार 96 संक्रमित आ चुके हैं। हर दिन रफ्तार के पुराने रिकॉर्ड टूटते गए हैं। अलवर शहर ही नहीं गांवों में भी संक्रमण बेकाबू हो चुका है तभी तो गांवों से भी संक्रमित खूब आ रहे हैं। अकेले अलवर शहर से 9 दिन में 3 हजार 250 कोरोना संक्रमित आ चुके हैं। बुधवार को 401 कोरोना संक्रमित आए हैं। इससे पहले भी लगातार 300 से अधिक पॉजिटिव आने का क्रम जारी है। अब जिले में 6 हजार 656 कोरोना के एक्टिव केस हो चुके हैं।

छप्पर में आग लगी

बौंली, (निसं)। क्षेत्र के मलारना डूंगर उपखंड के डूंगरी गांव में बीती रात छप्पर बाड़े में लगी आग के कारण उसमें बधीं 38 बकरियों की जलकर मौत हो गई एवं 22 बकरियां बुरी तरह झुलस गई जिनका उपचार जारी है। इस मामले को लेकर डूंगरी निवासी कन्हैया लाल बैरवा ने मलारना डूंगर थाने में रिपोर्ट पेश कर अवगत कराया है। बीती रात 60 बकरियों को पास में बने छप्पर पोस बाड़े में बांध रखा था रात्रि को अचानक अज्ञात कारण से आग लग गई एवं जब आग तेज हुई तो पास में रह रहे पीड़ित कन्हैयालाल ने शोर मचाकर ग्रामीणों को एकत्रित किया एवं आगजनी पर काबू पाने की कोशिश किया।

रिश्वत का आरोपी सीआई पुलिस के हाथ नहीं लगा

बीकानेर, (कासं)। चप्पल से नकल के मामले में अभियुक्त से ही रिश्वत मांगने के मामले में गंगाशहर थाने का तत्कालीन थानेदार राणीदान अब तक पुलिस के हाथ नहीं लगा है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की जयपुर ब्रांच ने राणीदान पर शिकंजा कसने के लिए अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। वहीं माना जा रहा है कि राणीदान अग्रिम जमानत के लिए पूरी तैयारी कर रहा है। इस पूरे मामले में आला अधिकारी मौन रखे हुए हैं।

राणीदान पर राजकार्य में बाधा डालने का एक मामला गंगाशहर थाने में ही दर्ज हुआ है जबकि एक अन्य मामला भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के पास विचाराधीन है। मामला दर्ज करने के बारे में भी अधिकृत स्तर पर कुछ स्पष्ट नहीं किया गया है। एसीबी के एडीजी दिनेश एमएन स्वयं इस मामले को देख रहे हैं। अगर समय रहते राणीदान ने पुलिस के समक्ष पेशी नहीं दी तो शिकंजा कसा जा सकता है। बुधवार शाम तक पुलिस ने ऐसी कोई कार्रवाई नहीं की।

हादसे में पिता-पुत्र की मौत

पाली, (नि.सं.)। पाली जिले के सबलपुरा के पास बुधवार शाम करीब चार बजे किसी वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार पिता व पुत्र हवा में करीब 18 फीट उछलकर सिर के बल नीचे गिरे। दोनों की मौत हो गई। सूचना पर सेंदड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची तथा मृतक पिता-पुत्र के शव हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाए। पुलिस के अनुसार पाली जिले के जेतपुरा (रायपुर) निवासी 38 वर्षीय बलदेव पुत्र देवीसिंह रावत अपने 58 वर्षीय अपने पिता देवीसिंह पुत्र सदासिंह रावत के साथ बाइक से ब्यावर से जेतपुरा की तरफ आ रहा था।

इस दौरान बुधवार शाम करीब चार बजे हाइवे पर सबलपुरा के निकट उनकी बाइक को किसी वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों पिता-पुत्र हवा में करीब 18 फीट उछलकर नीचे गिरे। हादसे में पिता-पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार हादसे के बाद 58 साल का देवीसिंह करीब 35 मिनट तक दर्द से तड़पता रहा।

रिटायर्ड आईआरएस अधिकारी ने की आत्महत्या

जयपुर/बस्सी। जिंदगी में बच्चों की परवरिश सही नहीं कर पाया, मेरी पत्नी ने ही उनका ध्यान रखा। इस तरह का सुसाइड नोट लिखकर रिटायर्ड आईआरएस अधिकारी ने बस्सी इलाके स्थित उसकी नमकीन फैक्ट्री में सेल्फॉस की गोलियां खाकर सुसाइड कर लिया। बुधवार सुबह घटना का पता चलने पर फैक्ट्री के मैनेजर ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के हवाले कर दिया। वहीं मर्ग दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है।

थानाधिकारी भूपेंद्र सिंह ने बताया मृतक शंकर लाल चंदेल (65) बी-507, महेश नगर का रहने वाला था। वह भारतीय राजस्व सेवा से सेवानिवृत अधिकारी था। बस्सी में रीको एरिया में उसकी श्री श्याम ट्रेडर्स के नाम से नमकीन की फैक्ट्री है। पहले इस फैक्ट्री में गुटखे का उत्पादन किया जाता था। मंगलवार रात को शंकर लाल खाना

- **सुसाइड नोट में लिखा : बच्चों की परवरिश सही नहीं कर पाया, पत्नी ने रखा ध्यान, मैनेजर वफादार**

खाकर फैक्ट्री में ऊपर बने कमरे में सोने चले गए थे। नीचे केबिन में मैनेजर राहुल खत्री सोया था। सुबह करीब आठ बजे तक भी शंकर लाल नीचे नहीं आए तो मैनेजर राहुल खत्री उनके कमरे पर गया, जहां कमरे का अंदर से लॉक लगा हुआ था। खिडकी में कांच से अंदर झांककर अंदर देखा तो शंकर लाल बैड पर पडे हुए थे और मुंह से उलटी निकली हुई थी। इस पर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट, सेल्फॉस की शीशी, कुछ धार्मिक किताबें बरामद हुई है।

पुलिस के अनुसार मृतक के कमरे में मिली रामायण, श्रीमद्भागवत गीता इत्यादि पुस्तकें, सुसाइड नोट इस बात की तरफ इशारा करते हैं कि मरने से पहले शंकर काफी उधेडबुन में थे। तीन-चार भावुक सुसाइड लेटर लिखे फिर आत्महत्या की। सुसाइड नोट में लिखा कि मैं जिंदगीभर बच्चों की परवरिश सही नहीं कर पाया, मेरी पत्नी ने ही उनका ध्यान रखा। मेरा मैनेजर राहुल खत्री अच्छा और वफादार है। आत्महत्या के लिए खुद जिम्मेदार हूं। मृतक के परिवार में पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा है।

पुलिस के अनुसार शंकर लाल परिवार सहित महेश नगर में रहते है। वह दो दिन पहले ही फैक्ट्री पर आए थे और यहां ठहर गए। घटना वाली रात मैनेजर से बातचीत कर खाना खाकर अपने कमरे में सोने चले गए थे, लेकिन सुबह उनका शव बैड पर पडा मिला। सेल्फॉस खाकर उन्होंने आत्महत्या कर ली थी।

रिश्वतखोरों को रिमांड पर भेजा

भीलवाड़ा, (निसं)। करीब 18 लाख रुपए की राशि के साथ एसीबी की गिरफ्त में आये आरोपी तहसीलदार लालाराम यादव सहित सभी पांच आरोपितों को बुधवार को एसीबी ने एसीबी कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें 15 दिन के लिए जेसी रिमांड पर भेज दिया गया। एसीबी मुख्यालय, जयपुर के एएसपी राजेंद्र सिंह नैन ने बताया कि शिकायत के बाद निगरानी के दौरान एसीबी को पता चला कि भीलवाड़ा तहसीलदार लालाराम यादव ने अपने भाई पूरणमल यादव निवासी सेवापुरा, चाकसू के बैंक खाते में एक पक्षकार से 3 लाख रुपये खाते में डलवाये। सूचना को डवलप कर सूत्र एकत्रित किये गए। इसके बाद पीसी एक्ट के तहत एसीबी मुख्यालय ने सोमवार को मामला दर्ज किया। इस मामले में एसीबी ने तहसीलदार यादव, उसके भाई सहित पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर आज भीलवाड़ा एसीबी कोर्ट में पेश किया, जहां से इन सभी को 15 दिन जेसी रिमांड पर भेज दिया गया।

लूट का फरार चल रहा आरोपी बीकानेर से गिरफ्तार

भीलवाडा, (निसं)। जिले के जहाजपुर कस्बे में 2012 में एक सर्राफा व्यापारी पर हमला कर दो लाख रुपये की नकदी लूट के मामले में जमानत मिलने के बाद से फरार आरोपित प्रदीप उर्फ लंगडा को पुलिस ने बीकानेर से दोबारा गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। यह आरोपित नाम बदल कर नोखा में रह रहा था, जो पुलिस के आने की भनक लगने पर बीकानेर में खुली जेल में रह रहे परिचित बंदी के पास जाकर छिप गया था।

जहाजपुर पुलिस के अनुसार छीपो का मोहल्ला जहाजपुर निवासी श्यामलाल पुत्र भैंरूलाल सोनी ने 9 जनवरी 2012 को जहाजपुर सीएचसी में इलाज के दौरान जहाजपुर पुलिस को बयान दिये कि रोजना की भांति घटना के दिन भी वह रात करीब 8.30 बजे गीताजंली ज्वैलर्स शॉप को बंद कर घर रवाना हो रहा था। दुकान के जेवरात दो बैगों में भरे थे। इनमें साढे बारह सौ ग्राम सोने व 20 से 25 किलो चांदी के जेवरात और 2 लाख रुपये की नगदी थी। इस दौरान अचानक दो मोटरसाइकिल वाले रोड से गुजरे, जिन्होंने उसकी दुकान के आगे दिल्ली गेट की तरफ मोटरसाइकिल खडी कर दी और नीचे उतर कर उसके पास आये। आते ही इन लोगों ने उसके सिर में पीछे से डंडे से वार किया, जिससे वह नीचे गिर पड़ा। दोनों बदमाश परिवादी के नकदी व गहने रखे दोनों बैग लूटकर मोटरसाइकिल से भाग निकले। पडौसियों ने उसे अस्पताल पहुंचाया। इसे लेकर पुलिस ने मामला दर्ज किया था। पुलिस ने मामले में शास्त्रीनगर गुलाबपुरा निवासी प्रदीप उर्फ लंगडा व उसके साथियों को गिरफ्तार किया। आरोपित प्रदीप उर्फ लंगड़ा को बाद में जमानत मिल गई। जमानत पर रिहा होने के बाद वह एक महिला को फरार कर भाग गया था। इसके बाद वह पेशी पर कोर्ट में उपस्थित नहीं हो रहा था। इस दौरान आरोपित के बीकानेर के नोखा में होने की भनक पुलिस को लगी।

इस पर एक टीम नोखा भेजी गई। इसकी भनक प्रदीप को लग गई। वह, नोखा से भी फरार हो गया। करीब पांच दिन के प्रयास के बाद आरोपित के बीकानेर खुली जेल में एक बंदी के पास छिपा होने का पता चला। इस पर टीम आरोपित प्रदीप को दबोच कर जहाजपुर ले आई, जहां उसे न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस ने बताया की प्रदीप उर्फ लंगड़ा फरारी काटने के लिए नोखा पहुंच गया। जहां उसने अपना नाम प्रदीप से बदल कर शेखर पंडित रख लिया। इतना ही नहीं, इस नाम का उसने आधार कार्ड भी बना लिया था। वह एक पार्ट्स की दुकान पर काम कर रहा था। आरोपित प्रदीप पर रायला में भी वर्ष 2015 में ट्रक लूटने का आरोप है।

माइनिंग टूल्स के गोदाम से चोरी के आरोप में एक और गिरफ्तार

मामले में पुलिस ने पूर्व दो आरोपियों को किया गया था गिरफ्तार

राजसमंद, (निसं)। जिले के राजनगर थाना क्षेत्र के सनवाड चौराहे पर स्थित एक माईनिंग टूल्स गोदाम व दूकान से नकदी सहित दूकाने में लगे छोटे मंदिर से चांदी की मूर्तियां, सिक्का व सामान चुराने के मामले में राजनगर थाना पुलिस ने एक ओर आरोपी को गिरफ्तार किया है। इससे पूर्व पुलिस ने मामले में दो आरोपियों पंकज उर्फ पवन पुत्र सुरेशचन्द्र गर्ग निवासी आसावरा थाना भदेसर एवं गोवर्धन पुत्र रतनलाल प्रजापत निवासी रूद थाना राशमी जिला चित्तौडगढ़ को गिरफ्तार किया जा चुका है।

थानाधिकारी डॉ. हनवंतसिंह राजपुरोहित ने बताया कि गत 6 नवम्बर को प्राथी अमित बडोला पुत्र बसंत कुमार बडोला निवासी नायकवाडी राजनगर ने थाने में गोदाम व दूकान से अज्ञात बदमाशों द्वारा चोरी रिपोर्ट दर्ज करवाई। जिसमें बताया कि सनवाड चौराहा पर स्थित माईनिंग टूल्स का गोदाम व दूकान से रात्रि को अज्ञात बदमाशा ताला

राजसमंद के सनवाड चौराहा स्थित गोदाम व दूकान से हुई चोरी के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

तोड़कर दूकान में घुसकर टेबल की ड्रोवर में रखे करीब 1000-1500 रुपए नकद, दूकाने में लगे छोटे मंदिर में रखे चांदी के गणेशजी एवं लक्ष्मीजी की मूर्ति, चांदी का सिक्का एवं गोदाम से सामान चुरा करा कर ले गए। पुलिस ने रिपोर्ट पर चोरी का मामला दर्ज कर छानबीन प्रारंभ कर दी। आरोपियों की धरपकड के लिए एसपी सुधीर चौधरी, एएसपी शिवलाल बैरवा, डीएसपी बेनीप्रसाद मीणा के निर्देशन एवं थानाधिकारी डॉ. राजपुरोहित के नेतृत्व में टीम का गठन करते हुए सउनि सुखलाल, कोंस्टेबल सुभाष, दिनेश, राजेश को शामिल कर तलाश प्रारंभ की गई। पुलिस ने संभावित जगहों पर दबिश देते हुए मुखबीर की सूचना पर पूर्व में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

इसके बाद तलाश जारी रखते हुए विनोद पुत्र भगवानलाल भाट निवासी गणेशपुरा थाना सदर जिला चित्तौडगढ को गिरफ्तार किया गया। पुलिस द्वारा आरोपी से पूछताछ किए जाने पर माईनिंग टूल्स का गोदाम व दूकान से चोरी किया जाना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी का माल भी बरामद किया गया। मामले को लेकर पुलिस द्वारा अनुसंधान जारी है।

फर्जी शादी कराने वाले गिरोह की दो महिला गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। सलूम्बर थाना पुलिस ने फर्जी शादी करा पीड़ित के साथ धोखाधड़ी करने के मामले में गिरोह की दो महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार 7 जनवरी 2022 को रून्देला निवासी दुर्जनसिंह ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि मेरी शादी नहीं हो रही थी इसपर मेरे भाई फतहसिंह ने सनसिटी निवासी हेमराज सिंह से बात की।

15 जुलाई 2021 को हेमराज सिंह टोड़ा स्थित राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय में बातचीत करने गए। शादी तय होने पर 16 जुलाई को मैं व भाई फतहसिंह, हेमराजसिंह, देवीसिंह निवासी डाल के साा भोपाल में वेरागढ़ गए। जहां लड़की पसंद की। 17 जुलाई को ढाई लाख रूपये देने पर आरोपी लड़की लेकर सलूम्बर आए मेरी शादी कराई जिसे जेवरात व नकदी दी दस दिन रहने के बाद काका की तबीतयत खराब होने का झांसा देकर मेरी पत्नी रेखा चली गई। इस मामले में बैरछा दातार कालीपीपली शाजापुर एमपी निवासी रजनी पत्नी गुलाबसिंह, रेखा पत्नी शिवलाल उर्फ शिब्बु निवासी रायसेन हॉल खेड़ा रोड़ आनन्द नगर पीपलानी भोपाल को प्रोडक्शन वारंट जरिये गिरफ्तार किया।

'पुलिस ने रेप को एक्सीडेंट बताने की कोशिश की तो पूरे प्रदेश में आंदोलन करेंगे'

अलवर, (निसं)। अलवर में मूकबधिर नाबालिग के साथ हुई दरिंदगी की घटना का पुलिस खुलासा नहीं कर सकी है। लेकिन प्रदेश भर में विरोध थम नहीं रहा। बुधवार को भी भाजपा ने मण्डल स्तर पर सरकार को घेरा। अलवर शहर में भी मुख्यमंत्री का पुतला जलाया। सरकार पर मामले को दबाने का आरोप लगाया।

अलवर शहर विधायक संजय शर्मा ने कहा कि अलवर एसपी तेजस्वनी गौतम ने घटना के दिन रेप होने का बयान दिया था। लेकिन बाद में मेडिकल रिपोर्ट का हवाला देते हुए रेप होने से मना कर दिया। फिर समाज के लोगों का और आमजन का विरोध बढ़ा तो एसपी ने कहा कि हर एंगल से जांच कर रहे हैं। रेप की आशंका से भी मना नहीं किया। लेकिन अब पुलिस इसे एक्सीडेंट मान चुकी है। इस तरह की बातें सामने आ रही हैं। इस कारण भाजपा ने प्रदेश भर में सरकार के खिलाफ विरोध किया है। अधिकारी सरकार के दबाव में आकर मामले को दबाने में लगे हैं। लेकिन एसपी के बयान से राज्य सरकार

- **भाजपा विधायक ने कहा एसपी बार-बार बयान बदल रहीं हैं, पहले रेप माना, फिर मना किया, अब बोल रहीं हैं रेप से इंकार नहीं**

घिरती नजर आ रही है आमजन इसे बर्दाश्त नहीं करेगा।

भाजपा के पदाधिकारियों ने कहा कि पुलिस ने रेप को एक्सीडेंट बताने की कोशिश की तो पूरे प्रदेश में आंदोलन करेंगे। सरकार को हर जगह घेरा जाएगा। अभी मण्डल स्तर पर विरोध हुआ है। आगे जयपुर भी जनता कूच कर आंदोलन कर सकती है।

अब लोगों का कहना है कि पुलिस के खुलासे का इंतजार है। जैसा खुलासा होगा उसके अनुसार विरोध होगा। पुलिस की जांच में सही तथ्य नहीं आने तक विरोध होगा। बेटी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के प्रतिनिधिमण्डल भी अलवर आकर अपना विरोध दर्ज करा चुके हैं।

प्रदेश में मंगलवार की तुलना में साढ़े तीन हजार नए करोना संक्रमित अधिक मिले बुधवार को

राज्य में बुधवार को 13 हजार 398 नए संक्रमित सामने आए, इससे पहले मंगलवार को 9711 रोगी पाए गए थे

-कार्यालय संवाददाता-

- पिछले चौबीस घंटों में सर्वाधिक 3310 नए मरीज जयपुर में जबकि अलवर में 1244 और जोधपुर में 1212 नए संक्रमित मिले हैं।
- प्रदेश में बुधवार को करोना से 12 और संक्रमितों की मौत हो गई है।
- इस बीच, राज्य में 8213 मरीज ठीक हुए, वहीं एक्टिव केस बढ़कर 73 हजार से अधिक हो गए हैं।

जयपुर। प्रदेश में करोना संक्रमण बेकाबू होता जा रहा है। इसके चलते बुधवार को मंगलवार की तुलना में साढ़े तीन हजार से ज्यादा मामले बढ़ने के साथ ही 13 हजार 398 नए संक्रमित मिले हैं। इनमें जयपुर, अलवर और जोधपुर में सर्वाधिक नए रोगी पाए गए हैं। इधर पिछले चौबीस घंटों में राज्य में करोना से 12 और संक्रमितों की मौत हो गई है। हालाकि 8 हजार से ज्यादा मरीज ठीक भी हुए हैं।

प्रदेश में करीब एक सप्ताह तक करोना संक्रमितों का आंकड़ा नौ हजार पर रहने के बाद बुधवार को इसमें काफी वृद्धि हुई है। इस दौरान राज्य में 13 हजार 398 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले मंगलवार को 9711 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में भी नए संक्रमितों की संख्या में भारी इजाफा हुआ है। जिले में पिछले चौबीस घंटों में 3310 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा अलवर में 1244, जोधपुर में 1212, उदयपुर में 876, अजमेर में 587 और चित्तौड़गढ़ में 568 नए मरीज पाए गए हैं। वहीं कोटा में 429, भरतपुर में 421, सीकर में 382, पाली में 380, बीकानेर में 368, गंगानगर में 310, बाड़मेर में 294, सवाई माधोपुर में 291, डूंगरपुर में 281, भीलवाड़ा में 277, झुंझुनूं में 258, चूरू में 203, टोंक में 192, प्रतापगढ़ में 181, झालावाड़ में 150, सिरोही में 147, राजसमंद में 145, दौसा में 140, धौलपुर में 139, नागौर में 125, करौली में 106, बारां में 93, हनुमानगढ़ में 85, जैसलमेर में 69, बांसवाड़ा व बूंदी में 59-59 और जालौर में 17 नए संक्रमित मिले हैं। इसके साथ ही राज्य में संक्रमण दर बढ़कर 18.23 फीसदी हो गई है।

इधर राज्य में बुधवार को रिकवरी में और सुधार हुआ है। इस दौरान 8 हजार 213 मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही प्रदेश में अब तक इस बीमारी से 9 लाख 86 हजार 412 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। हालाकि प्रदेश में नए संक्रमितों में लगातार वृद्धि होने से एक्टिव केस बढ़कर 74 हजार 561 हो गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा 20829 मरीज जयपुर जिले में है। इसके अलावा अलवर में 6657, जोधपुर में 5284, उदयपुर में 4518, कोटा में 3145, भरतपुर में 3181, बीकानेर में 3016, पाली में 2552, अजमेर में 2500, बाड़मेर में 2316, भीलवाड़ा में 1924, चित्तौड़गढ़ में 1878, हनुमानगढ़ में 1730, सीकर 1552, सवाईमाधोपुर में 1489 और गंगानगर में 1121 तथा शेष जिलों में इससे कम मामले हैं।

वहीं दूसरी ओर प्रदेश में करोना से होने वाली मौतें के आंकड़े में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। राज्य में बुधवार को भी करोना से 12 और संक्रमितों की मौत हुई है। इनमें जयपुर में 3, जोधपुर और बीकानेर में 2-2 तथा अजमेर, अलवर, दौसा, कोटा और सीकर में 1-1 मरीज की मौत हुई है। प्रदेश में पिछले 19 दिनों में करोना से 67 लोगों की जान जा चुकी है। हालाकि राज्य में अब तक इस बीमारी से 9031 लोगों की मौत हो चुकी है।

प्रदेश में कोविड संक्रमण की दर एक सप्ताह में दुगुनी, 7.61 प्रतिशत से बढ़कर 15.52 तक पहुंची

- सर्दी-खांसी के मरीजों की प्राथमिकता से जांच की जाये
- केंद्र से 12 वर्ष से अधिक आयु के बच्चों का टीकाकरण शुरू करने की मांग

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में बुधवार को हुई राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में कोविड के बढ़ते संक्रमण पर चिंता जताई गई। कैबिनेट ने संक्रमण की रोकथाम के लिए कोविड प्रोटोकॉल की प्रभावी पालना और शत-प्रतिशत टीकाकरण पर जोर दिया।

बैठक में बताया गया कि पिछले कुछ सप्ताह से पॉजिटिविटी दर लगातार बढ़ रही है। मात्र एक सप्ताह में यह दर 7.61 प्रतिशत से बढ़कर 15.52 प्रतिशत तक अर्थात् दोगुनी हो चुकी है। संक्रमण की इस गति को रोकने के लिए जरूरी है कि आमजन के द्वारा कोविड प्रोटोकॉल की निरंतर पालना की जाए। साथ ही संक्रमण को रोकने के लिए फोकस्ड सैम्पलिंग की जाए। जिन लोगों में सर्दी, खांसी, जुकाम के लक्षण हैं, उनकी प्राथमिकता से जांच हो।

यह भी बताया गया कि इस वायरस से छोटी आयु के बच्चे भी संक्रमित हो रहे हैं। देश की भावी पीढ़ी का जीवन सुरक्षित करना बेहद जरूरी है। दुनिया के कई देशों में 2 साल की आयु तक के छोटे बच्चों को वैक्सीन लग रही है, लेकिन भारत में फिलहाल 15 से 18 साल तक के किशोर वर्ग का वैक्सीनेशन हो रहा है। चूंकि हमारे देश के बच्चों में पोषण से संबंधित समस्याएं पहले से ही हैं। ऐसे में 12 साल से अधिक आयु के बच्चों का वैक्सीनेशन जल्द शुरू होना चाहिए। केन्द्र सरकार इस सम्बन्ध में जल्द निर्णय ले। बैठक में कहा गया कि केन्द्र सरकार ने प्रिकॉशन डोज 60 वर्ष से अधिक के को-मोर्बिड व्यक्तियों के लिए अनुमत की है, जबकि चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार को-मोर्बिड की स्थिति हर आयुवर्ग में हो सकती है। इसे देखते हुए बूस्टर डोज हर वर्ग के लिए अनुमत की जानी चाहिए। साथ ही प्रिकॉशन डोज के लिए 9 माह के अन्तराल को कम कर इसे 3 से 6 माह किया जाना आवश्यक है।

चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा ने कहा कि प्रदेश में तीसरी लहर से मुकाबले के लिए पूरी तैयारी है। 18 वर्ष से अधिक आयु के 94.4 प्रतिशत लोगों को पहली तथा 78 प्रतिशत लोगों को दूसरी डोज लगा दी गई है। साथ ही 56.5 प्रतिशत किशोर-किशोरियों को पहली डोज लगाई जा चुकी है। इन सभी में राजस्थान का प्रदर्शन राष्ट्रीय औसत से बेहतर है। दिसम्बर माह में 1 करोड़ 31 लाख लोगों को वैक्सीन की डोज लगाई गई थी। जनवरी माह में भी इसी भावना के साथ वैक्सीनेशन किया जा रहा है। शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य आशुतोष एटी पेंडनेकर ने कोविड संक्रमण की स्थिति, तीसरी लहर से मुकाबले के लिए विकसित की जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं एवं वैक्सीनेशन के संबंध में विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया कि बीते सप्ताह में एक्टिव केसेज की संख्या दोगुनी से अधिक हो गई और वर्तमान में 69 हजार से अधिक एक्टिव केसेज हैं।

भाजपा के "आजीवन समर्पण निधि" अभियान में होगा डिजिटल ट्रांजेक्शन

- भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने की अभियान की शुरूआत
- अब यूपीआई के ज़रिये भी कार्यकर्ता दे सकेंगे अपना सहयोग, 100 करोड़ रु. जुटाने का लक्ष्य
- प्रधानमंत्री मोदी के आव्हान पर चल रहा है अभियान

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सतीश पूनियां, उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ और संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर ने बुधवार को "आजीवन समर्पण निधि" अभियान के डिजिटल ट्रांजेक्शन प्रक्रिया की शुरुआत की।

जयपुर (कासं)। प्रदेश भाजपा की ओर से "आजीवन समर्पण निधि" अभियान के तहत पार्टी के कार्यकर्ताओं और आमजन से निधि संग्रहण का सिलसिला जारी है। पार्टी कार्यकर्ता घर-घर जाकर पार्टी फंड के लिए निधि संग्रहित कर रहे हैं। हालांकि कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए पार्टी ने अब इस अभियान का डिजिटल फॉर्मेट शुरू किया है, जिसके तहत ऑनलाइन माध्यम से निधि संग्रहण का भी विकल्प रहेगा। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सतीश पूनियां, उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ और संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर ने बुधवार को इस डिजिटल ट्रांजेक्शन प्रक्रिया की शुरुआत की। पूनिया ने डिजिटल माध्यम से एक हजार रुपए निधि में दिए। इस प्रक्रिया में यूपीआई के माध्यम से भी कार्यकर्ता और आमजन पार्टी फंड में अपना आर्थिक सहयोग दे सकेगा।

गौतलब है कि भाजपा का निधि संग्रहण अभियान पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती 25 दिसंबर से शुरू हुआ है, जो पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि 11 फरवरी तक जारी रहेगा। इस दौरान ना सिर्फ कार्यकर्ता ही पार्टी फंड में योगदान दे रहे हैं, बल्कि घर-घर दस्तक देकर आमजन से भी निधि सहयोग की भी अपील कर रहे हैं। प्रदेश भाजपा ने आजीवन सहयोग निधि अभियान के तहत विशेष सूक्ष्मदान अभियान भी शुरू किया है।

बताया जा रहा है कि अभियान के तहत भाजपा ने एक करोड़ लोगों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा है। हर किसी से 100 रुपए के हिसाब से निधि ली जा रही है। इस हिसाब से राजस्थान में 100 करोड़ जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान के तहत जिला स्तर पर निधि जुटाने का काम तेज़ हो गया है।

समर्थन मूल्य पर मूंग और मूंगफली खरीद की पंजीयन सीमा को 20 प्रतिशत बढ़ाया

जयपुर, (का.सं.)। सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने बुधवार को बताया कि राज्य में समर्थन मूल्य पर मूंगफली के 7 जिलों (बीकानेर, श्रीगंगानगर, जैसलमेर, जोधपुर, नागौर, सीकर एवं टोंक) के 24 तथा मूंग के 11 जिलों (अजमेर, बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, जयपुर, जैसलमेर, झुंझुनू, जोधपुर, नागौर, सीकर एवं टोंक) के 48 खरीद केन्द्रों पर पंजीयन सीमा को 20 प्रतिशत बढ़ाया है। मूंग के लिए 23 जनवरी तक मूंगफली के लिए 5 फरवरी तक किसान क्रय केन्द्र या ई-मित्र केन्द्रों पर पंजीयन करा सकते है।

आंजना ने बताया कि खरीफ 2021 में समर्थन मूल्य पर मूंग, उड़द एवं मूंगफली की अब तक 489 करोड़ रुपये की खरीद कर ली गयी है। भारत सरकार द्वारा स्वीकृत 90 दिवस की खरीद अवधि के तहत 29 जनवरी तक मूंग, उड़द एवं सोयाबीन की खरीद होगी तथा मूंगफली की खरीद 15 फरवरी तक होगी। अब तक कुल पंजीकृत 98 हजार 149 किसानों में से 93 हजार 475 किसानों को जिन्स तुलाई की दिनांक राजफैड़ द्वारा आवंटित कर दी गयी है। सोयाबीन के बाजार भाव समर्थन मूल्य दर से अधिक होने के कारण किसानों द्वारा समर्थन मूल्य योजना में सोयाबीन का बेचान नहीं किया गया है

सहकारिता मंत्री ने बताया कि इस वर्ष असमय वर्षा होने के कारण मूंग की गुणवत्ता प्रभावित हुई है जिससे कई मण्डियों में बदरंग व क्षतिग्रस्त मूंग की मात्रा अधिक है। इस पर भारत सरकार को मूंग के गुणवत्ता मापदण्डों में क्षतिग्रस्त दानों की स्वीकार्य मात्रा 3 प्रतिशत के स्थान पर 10 प्रतिशत मात्रा तक खरीद करने की अनुमति प्रदान करने हेतु अनुरोध किया गया था। भारत सरकार द्वारा इस अनुरोध को स्वीकार न कर मूंग की निर्धारित गुणवत्ता मापदण्डों के अनुरूप ही खरीद करने के निर्देश दिये गये है।

प्रबंध निदेशक राजफैड सुषमा अरोड़ा ने बताया कि 21 हजार 900 किसानों से 41 हजार 561 मीट्रिक टन मूंग खरीदा गया है। जिसकी राशि लगभग 302 करोड़ रूपये है। 14 हजार 814 किसानों से 33 हजार 647 मीट्रिक टन मूंगफली की खरीद की गई है। जिसकी राशि 187 करोड़ रूपये है।

एसओजी ऑफिस पर सांसद किरोड़ी का धरना

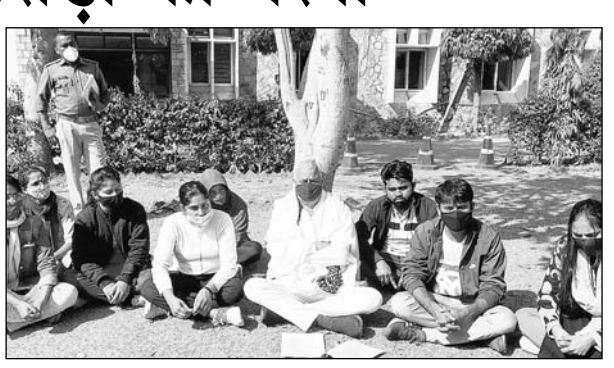

रीट, एसआई और जेईएन भर्ती परीक्षा में धांधली करने वाले मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर बुधवार को सांसद किरोड़ीलाल मीणा ने एसओजी के ऑफिस पर धरना दिया।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । प्रदेश के करीब 26 लाख अभ्यर्थियों की रीट, एसआई एवं जेईएन भर्ती परीक्षा में एक के बाद एक हुई धांधली में अब तक कोई कार्रवाई ना होने का आरोप लगाते हुए सांसद डॉ. किरोड़ीलाल मीणा बुधवार को एसओजी दफ्तर के बाहर धरने पर बैठ गए। मीणा ने आरोप लगाया कि अब तक "मगरमच्छों" की गिरफ्तारी नहीं होने से सवाल खड़े हो रहे हैं। रीट मामले में अब तक सीबीआई जांच के आदेश क्यों नहीं हुए?

डॉक्टर किरोड़ीलाल ने छात्रों के साथ एसओजी दफ्तर के बाहर धरना देते हुए कहा कि रीट भर्ती परीक्षा में धांधली को लेकर वे कई बार मय दस्तावेजों के सबूत दे चुके हैं। छोटी मछलियों को तो पकड लिया, लेकिन मगरमच्छ बैखोफ घूम रहे हैं। उन पर अभी तक हाथ नही डाला गया जो शक पैदा करता है। रीट पेपर लीक बहुत बड़ा स्कैम है, जिसकी जांच सीबीआई से होनी चाहिए थी, किन्तु सरकार के परोक्ष एवं अपरोक्ष लिप्त होने के कारण यह मामला सीबीआई को नहीं दिया जा रहा है। दोबारा परीक्षा आयोजन को लेकर भी कोई फैसला नहीं किया गया। मीणा ने चेतावनी दी कि इस मामले में ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो वे सत्याग्रह करने को मजबूर होंगे।

किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि एसओजी को सौंपे ज्ञापन के बिंदुओं में उठाए सवालो में प्रमुख हैं उनमें मास्टर माइंड भजनलाल विश्नोई को अभी तक क्यों नहीं पकड़ा गया? उसे गिरफ्तार कर पूछताछ की जाये। बाड़मेर के हिस्ट्री शीटर तथा मास्टर माइंड भंवरलाल से अभी तक पूछताछ क्यों नहीं की गई।

श्री अग्रसेन बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय हिण्डौनसिटी के केन्द्राधीक्षक तथा शिकायतकर्ता परीक्षार्थियों से अब तक पूछताछ नहीं किया जाना समझ से बाहर है ? उनसे पूछताछ की जाये।

बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. डी.पी. जारोली की सरपरस्ती में पेपर लीक का काण्ड हुआ, जिनसे आज तक पूछताछ नही की गई। डॉ. जारोली व प्रदीप पाराशर से पूछताछ किया जाना नितान्त आवश्यक है। रीट परीक्षा के लिए जयपुर का समन्वयक एक गैर सरकारी व्यक्ति प्रदीप पाराशर को बनाया गया, जो डा. डी.पी. जारोली का घनिष्ठ मित्र है, उसे ये जिम्मेदारी क्यो दी गई ?

जयपुर के समन्वयक खुद तो गैर सरकारी व्यक्ति है, उन्होने अपने नीचे चार और गैर सरकारी व्यक्तियों को लगाया, ये चारों व्यक्ति 22 से 25 सितम्बर के बीच पेपर वितरण जैसे अति गोपनीय कार्य में शामिल थे। शिक्षा संकुल में जहां पेपर रखे गये, वहां ये चारों व्यक्ति मौजूद रहे। परीक्षा केन्द्रों तक भी गये थे। क्या इस तरह की जानकारी एसओजी ने ली है। यदि नहीं तो इस सम्बन्ध में जांच की जाये। 24 सितम्बर 2021 को डॉ. डी.पी. जारोली ने शिक्षा संकुल में जो बैठक ली, उसमें ये चारों व्यक्ति भी मौजूद थे। इन चारों व्यक्तियों ने ही पेपर निकाला और उसे आगे पहुंचाया इस प्रकरण पर पूछताछ क्यों नही की ? इन चारों लोगों के नाम डॉ. डी.पी. जारोली व प्रदीप पाराशर को पता है, एसओजी इनका नाम उजागर क्यों नही कर रही है ?

पेपर लीक प्रकरण में एकत्रित की गई 90 लाख रु. की राशि को लेकर कैलाश चन्द मीना पुत्र सेवाराम मीना थाना बालघाट (जिला करौली) उसके दो साथी रूपेश कुमार एवं विष्णु जाट ने मिलकर हत्या कर 90 लाख रू को डकार गये, जिसकी एफआईआर 298/2021 थाना बालघाट में दर्ज हुई, इन दोनों से भी आजक पूछताछ नहीं की।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के गोपनीय शाखा के अधिकारी जी.के. माथुर एक अन्य प्रकरण में एसीबी की जांच में संदिग्ध पाये गये, इसके बाद भी इन्हें वापस बोर्ड में रिटायर्ड होने के बाद गोपनीय शाखा में लगा दिया। अब तक इनसे पूछताछ नहीं की। इसलिए माथुर से पूछताछ की जाये।

इन बिन्दुओं के अलावा एसओजी के समक्ष कई प्रमाण प्रस्तुत किये गये है, जिससे रीट पेपर का बडे पैमाने पर लीक होनो प्रमाणित है, किन्तु लम्बे समय से एसओजी की चुप्पी शक पैदा करती है। राज्य के बेरोजगारों का भरोसा एसओजी से उठता जा रहा है।

रोड़वेज में वैवाहिक पुत्री को अनुकम्पा नियुक्ति जल्द

जयपुर। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम संचालन मण्डल ने वैवाहिक पुत्री को अनुकम्पा नियुक्ति देने के लिए निगम संचालक मण्डल में प्रस्ताव पास कर राज्य सरकार कोअनुमोदन के लिए भेजा गया हैं। राज्य सरकार द्वारा चाहे गये संशोधन कर प्रस्ताव पुन: राज्य सरकार को भेजा गया हैं, जिस पर जल्द अनुमति मिलने की संभावना है।

राजस्थान रोडवेज प्रबन्धन ने 25 से ज्यादा मृत कर्मचारी के आश्रित के तौर पर उनकी विवाहित पुत्रियों द्वारा अनुकम्पा नियुक्ति के लिए आवेदन किया हुआ था। अनुकम्पा नियुक्ति विनियमों में वैवाहिक पुत्री को अनुकम्पा नियुक्ति का प्रावधान नहीं होने पर सितम्बर माह में वैवाहिक पुत्री को अनुकम्पा नियुक्ति देने के लिए निगम संचालक मण्डल में प्रस्ताव प्रस्तुत कर अनुमोदन करवाया।

रोडवेज प्रबन्धन ने अनुकम्पा नियुक्ति के विनियमों में वैवाहिक पुत्री को नियुक्ति देने का प्रावधान करने के लिए राज्य सरकार से अनुमति चाही गई जिस पर राज्य सरकार द्वारा कुछ संशोधन प्रस्तावित किये गये। प्रस्तावित संशोधनों को करते हुये अनुमोदन के लिये राज्य सरकार को पुन: भिजवाया गया है, जिस पर जल्द ही अनुमति मिलने की संभावना हैं।

गहलोत सरकार किसानों की कर्जमाफी के बजाय उनकी जमीनें नीलाम कर रही : राजेन्द्र राठौड़

जयपुर (कासं)। राष्ट्रीयकृत और ग्रामीण विकास बैंकों से कर्जा लेने वाले किसानों की जमीनों की नीलामी शुरू हो गई है। इसे लेकर राज्य सरकार विपक्ष के निशाने पर है। भाजपा नेताओं ने कहा है कि सरकार की इस करतूत से उनका किसान विरोधी चेहरा बेनकाब हुआ है।

उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि राजस्थान सरकार का असली चेहरा सामाने आ गया है। किसानों की जमीनें बिकना शुरू हो गई है। ग्रामीण व राष्ट्रीयकृत बैंकों से जिन 16 लाख किसानों ने कर्जा लिया, उन पर ब्याज लगता गया। किसान गुमराह होता गया। अब किसानों की जमीनों की नीलामी का सिलसिला शुरू हो गया है। मजबूर होकर किसान को आत्महत्या करनी पडेगी। राज्यसभा सांसद किरोडी लाल मीणा ने कहा कि दौसा और लालसोट में राज्य सरकार द्वारा एक किसान की जमीन कुर्की की गई थी, और सदमे में आकर किसान ने आत्महत्या कर ली है। कांग्रेस के राजकुमार राहुल बाबा आपने तो राजस्थान में पूर्ण कर्ज माफ़ी के लिए 10 तक गिनती गिनी थी। आपको यह कर्ज माफ़ी का वादा याद है या वीडियो भेज कर याद दिलाएं। इस प्रकरण को लेकर राज्यसभा सांसद किरोडी मीणा लालसोट में पीड़ित परिवार से मिले।

भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री अलका गुर्जर ने कहा कि किसान कर्जामाफी के नाम पर सत्ता में आई सरकार ने किसानों को परेशान करना शुरू कर दिया है। इनके युवराज ने 10 तक गिनती की थी वो कर्जामाफी तो हुई नहीं, लेकिन निवाला छीनने का काम किया जा रह है। अलवर, चौमूं सहित कई जगहों पर किसानों की जमीन नीलामी के नोटिस आने लगे हैं। इनका नारा था अब होगा न्याय.. क्या इस तरह किसानों की जमीन छीनकर सरकार न्याय देगी।

प्रदेश मुख्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा ने कहा कि किसान कर्जामाफी छोड़ सरकार के इशारे पर किसानों को नीलामी के नोटिस दिए जा रह हैं। मेरी विधानसभा चौमूं में 53 लोगों की जमीन नीलाम करने की उपखंड अधिकारी ने संबंधित पटवारी को निर्देशित किया है। रामलाल ने कहा कि चौमूं में अगर किसी ने बोली लगाई या खरीदने की कोशिश की तो उचित नहीं होगा। गरीब किसान की जमीन को ओने-पौने दामों में नीलाम कर उसे घर से बेघर करने की साजिश रची जा रही है, जो अनुचित है और गलत है।

पत्रकार, कवि और लेखक मेघराज श्रीमाली का निधन

जयपुर (कासं)। पत्रकार, कवि, लेखक और राजस्थान के पांच मुख्यमंत्रियों के प्रेस अटैची रहे मेघराज श्रीमाली का मंगलवार रात सवा 11 बजे निधन हो गया। वह 91 साल के थे। उन्होंने आखिरी सांस अपने वैशाली नगर स्थित निवास स्थान पर ली। वह अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। दो माह पूर्व ही उनकी धर्मपत्नी का भी स्वर्गवास हुआ था। वे अपने पीछे प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना प्रेरणा श्रीमाली, कॉरपोरेट प्रबंधक मनोज श्रीमाली और 'बालिका वधु' धारावाहिक के लेखक के रूप में ख्याति अर्जित करने वाले लेखक पूर्णेन्दु शेखर को छोड़ कर गए हैं।

बावुमा और डेर के शतकों से जीता द.अफ्रीका

भारत को 31 रनों से हराया

पार्ल, 19 जनवरी। कप्तान तेम्बा बावुमा (110) और रैसी वान डेर डुसेन (नाबाद 129) के शानदार शतकों तथा उनके बीच चौथे विकेट के लिए 204 रन की जबरदस्त साझेदारी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने भारत को पहले वनडे में बुधवार को 31 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।

दक्षिण अफ्रीका ने 50 ओवर में चार विकेट पर 296 रन का मजबूत स्कोर बनाया जबकि लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 50 ओवर में आठ विकेट पर 265 रन ही बना पायी। भारत एक समय दो विकेट पर 152 रन बनाकर जीत की तरफ बढ रहा था लेकिन इसके बाद भारत ने 62 रन जोडकर अपने छह विकेट गंवा दिए। भारत का स्कोर आठ विकेट पर 214 रन हो गया और उसकी हार तय हो गयी।

भारत ने 46 रन की ठोस शुरुआत की लेकिन कप्तान लोकेश राहुल 12 रन बनाकर एडन मारक्रम की गेंद पर विकेटकीपर के हाथों लपके गए। शिखर धवन ने विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 92 रन की साझेदारी की। शिखर ने 84 गेंदों में 10 चौकों की मदद से 79 रन बना लिए थे लेकिन लेफ्ट आर्म स्पिनर केशव महराज ने उन्हें बोल्ड कर दिया।

कप्तानी से मुक्त होने के बाद खेल रहे विराट ने अपना अर्धशतक पूरा कर लिया लेकिन इसके बाद वह चाइनामैन गेंदबाज तबरेज शम्सी की गेंद पर बावुमा के हाथों लपके गए। विराट ने 63 गेंदों पर 51 रन में तीन चौके लगाए। विराट का विकेट गिरते ही भारत का संघर्ष भी समाप्त हो गया। ऋषभ पंत 16 और श्रेयस अय्यर 17 रन बनाकर आउट हुए। पदार्पण मैच खेल रहे वेंकटेश अय्यर दो रन बनाकर पवेलियन लौट गए। शार्दुल ठाकुर ने एकतरफा संघर्ष करते हुए हार का अंतर कम किया। ठाकुर ने आखिरी गेंद पर अपना अर्धशतक पूरा किया। ठाकुर 43 गेंदों में 50 और जसप्रीत बुमराह 23 गेंदों में 14 रन बनाकर नाबाद लौटे। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से लुंगिसानी एनगिडी, तबरेज शम्सी और एंडिले फेहुक्वायो ने दो-दो विकेट हासिल किये। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। दक्षिण अफ्रीका ने खराब शुरुआत की और 68 रन तक तीन विकेट गंवा दिए। यानेमन मलान छह रन बनाने के बाद जसप्रीत बुमराह की गेंद विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों लपके गए। क्विंटन डी कॉक 27 रन बनाकर ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन की गेंद पर बोल्ड हो गए जबकि एडन मारक्रम चार रन बनाकर रन आउट हो गए। इस नाजुक हालत में बावुमा और वान डेर ने समझदारी के साथ बल्लेबाजी की और भारतीय गेंदबाजों को संभल कर खेला। दोनों बल्लेबाजों ने अपने शतक पूरे किये। बावुमा ने अपना दूसरा शतक बनाया जबकि वान डेर ने भी दूसरा शतक बनाया। वान डेर ने अपना सर्वश्रेष्ठ स्कोर भी बनाया। बावुमा को बुमराह ने आउट किया।

स्कोर बोर्ड

दक्षिण अफ्रीका	रन	गेंद	4	6
क्विंटन डी कॉक बो अश्विन	27	72	2	0
यानेमन मलान का पंत बो बुमराह	06	21	1	0
तेम्बा बावुमा का राहुल बो बुमराह	110	200	8	0
एडन मार्क्रम रन आउट	04	10	0	0
वैन डर डुसेन अविजित	129	150	9	4
डेविड मिलर अविजित	02	12	0	0
अतिरिक्त :	18			

कुल: 50 ओवर में चार विकेट पर 296 रन

विकेट पतन: 1-19, 2-58, 3-68, 4-272

गेंदबाजी:-जसप्रीत बुमराह 10-0-48-2, भुवनेश्वर कुमार 10-0-64-0, शार्दुल ठाकुर 10-1-72-0, रविचंद्रन अश्विन 10-0-53-1, युजवेंद्र चहल 10-0-53-0

भारत				
लोकेश का डी कॉक बो मारक्रम	12	17	0	0
शिखर धवन बो महाराज	79	84	10	0
विराट कोहली का बावुमा बो शम्सी	51	63	3	0
ऋषभ स्टं डी कॉक बो फेहलुकवायो	16	22	1	0
श्रेयस का डी कॉक बो एनगिदी	17	17	1	0
वेंकटेश का वान डर डुसेन बो एनगिदा	02	7	0	0
रविचंद्रन अश्विन बो फेहलुकवायो	07	13	0	0
शार्दुल ठाकुर अविजित	50	43	5	1
भुवनेश्वर कुमार का बावुमा बो शम्सी	04	11	0	0
जसप्रीत बुमराह अविजित	14	23	1	1
अतिरिक्त:	10			

कुल: 50 ओवर में आठ विकेट पर 265

विकेट पतन: 1-46, 2-138, 3-152, 4-181, 5-182, 6-188, 7-199, 8-214

गेंदबाजी:एडन मार्क्रम 6-0-30-1, मार्क्र यानसन 9-0-49-0, केशव महराज 10-0-42-1, लुंगी एनगिदी 10-0-64-2, तबरेज शम्सी10-1-52-2, एनडिले फेहलुकवायो 5-0-26-2

बावुमा ने 143 गेंदों पर आठ चौकों की मदद से 110 रन बनाये जबकि वान डेर ने 96 गेंदों पर नाबाद 129 रन में नौ चौके और चार छक्के लगाए। डेविड मिलर ने दो गेंदों पर नाबाद दो रन बनाये।

इंग्लैंड और द.अफ्रीका की जीत में चमके कप्तान

त्रिनिदाद और टोबैगो, 19 जनवरा। दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस और इंग्लैंड के टॉम प्रेस्ट ने मंगलवार को यहां आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप में अपनी-अपनी टीम के लिए मैच विजयी कप्तानी पारी खेली।

बेबी एबी के नाम से मशहूर ब्रेविस ने 108 रन बनाए और एक विकेट भी हासिल किया। उनके शानदार प्रदर्शन के कारण दक्षिण अफ्रीका ने त्रिनिदाद में खेले गए युगांडा को 121 रनों से हरा दिया। वहीं, इंग्लैंड के कप्तान प्रेस्ट ने कनाडा के खिलाफ 93 रन की पारी खेली और दो विकेट चटकाए. उमके इस शानदार प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने कनाडा पर 106 रनों की जीत दर्ज की।

क्वींस पार्क ओवल में पहले बल्लेबाजी करने उतरे युवा दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों ने पावरप्ले में सलामी बल्लेबाज एथन-जॉन कनिंघम (1) और वेलेंटाइन किटाइम (12) का विकेट खो दिया।इसके बाद बल्लबाजी करने उतरे बेबी एबी ने दूसरी और तीसरी गेंद पर बैक-फुट पर शानदार शॉट खेलकर बाउंड्री बटोरी। ब्रेविस ने तेजी से बल्लेबाजी कर गेंदबाजों पर दबाव डाला। उन्होंने काडेन सोलोमन के साथ अर्धशतकीय साझेदारी की। इस बीच दूसरी ओर से विकेट नियमित रूप से गिरते रहे, लेकिन ब्रेविस दूसरे छोर पर जमे रहे और 41 वें ओवर में 108 गेंदों पर शतक पूरा किया और अपनी टीम का स्कोर 200 के पार पहुंचाया। दक्षिण अफ्रीका ने अपने अंतिम पांच विकेट 24 रन के भीतर खो दिए। युगांडा की ओर से जुमा मियागी ने (3-33) और पास्कल मुरुंगी ने (3-58) तीन-तीन विकेट हासिल किए।

लक्ष्य का पीछे करने उतरी युगांडा की टीम ने जल्द ही विकेट खो दिया। बाएं हाथ के एफिवे म्न्यांडा ने दूसरे ओवर में रोनाल्ड ओमारा को पवेलियन भेज दिया। इसके बाद मुतगाना और इसहाक अटेगेका ने पारी को संभाला और स्कोर 33 रन पहुंचाया। म्न्यांडा ने सुलेमान को अपना दूसरा शिकार बनाया। यह पारी की सबसे बडी साझेदारी साबित हुई। युगांडा ने अपने आखिरी पांच विकेट 24 रन पर गंवा दिए। इसके चलते पूरी टीम 110 रनों पर आल आउट हो गई। ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका का अभियान शुक्रवार को आयरलैंड के खिलाफ समाप्त होगा जबकि युगांडा का सामना शनिवार का ग्रुप लीडर्स भारत से होगा। इस बीच इंग्लैंड जिसे बंगलादेश ने पिछले मैच में केवल 98 रन का लक्ष्य दिया था।

कलेक्टर ने मेडिकल कॉलेज, एसआरजी एवं जनाना चिकित्सालय का निरीक्षण किया

झालावाड़ (निसं)। जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित ने बुधवार को मेडिकल कॉलेज झालावाड, एसआरजी चिकित्सालय एवं जनाना अस्पताल का गहन निरीक्षण किया।

उन्होंने मेडिकल कॉलेज के थियेटर हॉल, माइक्रो बॉयोलोजी लैब, एसआरजी अस्पताल स्थित कोविड अस्पताल, मेडिकल आईसीयू, माड्यूलर ऑपरेशन थियेटर मेल, जनाना अस्पताल स्थित प्रसूति एवं शिशु रोग इकाई, गायनिक आईसीयू, ऑपरेशन थियेटर, लेबर रूम, शिशु वार्ड, नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई, पेडियाट्रिक इन्टेन्सिव केयर यूनिट का निरीक्षण किया।

जिला कलेक्टर ने कहा कि झालावाड़ मेडिकल कॉलेज में कोविड सहित सभी रोगों की चिकित्सा के लिए समुचित संसाधन उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि यहां का मेडिकल स्टॉफ अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठावान हैं। साथ ही उन्होंने अस्पताल के कोविड मैनेजमेन्ट की तारीफ करते हुए कहा कि भविष्य में भी जरूरत पड़ने पर कोविड से निपटने के लिए जिला प्रशासन एवं चिकित्सा विभाग द्वारा अच्छा कार्य किया जाएगा।

जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित ने मेडिकल कॉलेज झालावाड़, एसआरजी चिकित्सालय एवं जनाना अस्पताल का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये।

- जिला कलेक्टर ने कोरोना से संबंधित सभी बिन्दूओं पर जानकारी ली

इस दौरान मेडिकल कॉलेज झालावाड़ के डीन कार्यालय स्थित सभागार में मेडिकल कॉलेज के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों के साथ बैठक कर उनके विभागों की समस्याओं एवं कमियों पर चर्चा की। बैठक में जिला कलेक्टर ने कोरोना से संबंधित सभी बिन्दूओं पर जानकारी ली एवं कोरोना मरीजों के लिए इलाज, दवाइयों एवं अन्य सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

इस दौरान जिला कलक्टर को मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. शिव भगवान शर्मा ने मेडिकल कॉलेज में स्थान, चिकित्सा शिक्षकों एवं अन्य टैक्निकल व पैरा मेडिकल स्टाफ की कमी के बारे में जानकारी दी। वहीं एसआरजी चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. संजय पोरवाल ने स्टॉफ, चिकित्सकों एवं बेड्स की कमी, पार्किंग सहित आदि समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने अस्पताल के विस्तार के लिए अस्पताल के समीप पशु चिकित्सालय की भूमि मेडिकल कॉलेज को आवंटित करवाने का आग्रह भी किया। निरीक्षण के दौरान डॉ अकील हुसैन, डॉ दीपक गुप्ता भी साथ रहे।

रोटरी क्लब ने विद्यालय में बच्चों को स्वेटर वितरित किए

बूंदी में बच्चों ने स्वेटर पाकर खुशी जाहिर की।

बून्दी (निसं)। ग्राम पंचायत नयागांव के झरबालापुरा गांव में स्थित प्राथमिक स्कूल में रोटरी क्लब द्वारा स्वेटर वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि गुर्जर विकास संगठन के जिलाध्यक्ष देवलाल चांदना थे। अध्यक्षता रोटरी अध्यक्ष परमेश्वर झवर ने की। भामाशाह रोटेरियन मोहित छाजेड ने बताया कि स्कूल में जरूरतमंद बच्चों को ऊनी स्वेटर वितरित किए गए। स्वेटर पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम से पूर्व विद्यालय परिवार की ओर से रोटरी क्लब के सदस्यों का स्वागत किया गया। इस दौरान सोनू गुमन, जोतन दीप सिंह, तेजेंद्र सिंह, सचिन शर्मा मौजूद रहे।

शुद्ध के लिए अभियान के तहत उपखंड क्षेत्र इटावा में जांच दल ने निरीक्षण किया

कोटा, (निसं)। शुद्ध के लिए अभियान के तहत उपखण्ड क्षेत्र इटावा में जांच दल ने निरीक्षण कर प्रतिष्ठानों पर खाद्य पदार्थों के अवधिपार पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही की और प्रतिष्ठान में साफ-सफाई रखने तथा कोविड गाइडलाईन का पालन करने के निर्देश दिए।

उपखण्ड अधिकारी इटावा संतोष कुमार मीणा ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा चलाये जा रहे शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के तहत बुधवार को इटावा क्षेत्र के खाद्य प्रतिष्ठानों पर गठित जांच दल द्वारा निरीक्षण किया गया। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान एमएस चक्रधारी मिष्ठान भण्डार बस स्टैण्ड एवं अग्रवाल मिष्ठान भंडार से नुक्ती के लड्डु, बर्फी, खोया एवं रसगुल्ले के नमूने लिए जिन्हें जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला में भिजवाया गया। उन्होंने बताया कि प्रतिष्ठानों से मौके पर 16 किलो मिल्क कैक, 20 किलो अवधिवार चिली सॉस, 100 लीटर अवधिवार कोल्डड्रींक नष्ट करवाई गई। रिपोर्ट प्राप्त होने पर प्रतिष्ठान वालों पर नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने खाद्य कारोबारकर्ताओं को साफ-सफाई रखने तथा कोविड गाइडलाईन का पालन करने के निर्देश दिए। विधिक माप विज्ञान अधिकारी द्वारा असत्यापित कांटे पाये जाने पर एलएम एक्ट के तहत कार्यवाही की गई एवं पैकेज्ड खाद्य पादर्थों पर पीसीआर 2011 के तहत आवश्यक उद्घोषणाओं का उल्लेख नहीं होने के कारण नियमों के तहत कार्यवाही की गई। उन्होंने बताया कि दल में डेयरी प्रतिनिधि योगेन्द्र सिंह, आज्ञापाल सिंह व लेब टेक्निशियन गजेन्द्र सिंह नागर एवं रूपचंद उपस्थित रहे।

- प्रतिष्ठानों से 16 किलो केक, 20 किलो अवधिवार चिली सॉस, 100 लीटर कोल्ड ड्रिंक नष्ट करवाई

आवेदनकर्ताओं को पट्टे बांटे

नगर निगम कोटा उत्तर महापौर मंजू मेहरा द्वारा पट्टे वितरित किए गए।

कोटा, (निसं)। प्रशासन शहरों के संग अभियान के तहत बुधवार को कोटा उत्तर नगर निगम के क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले इलाकों के आवेदककर्ताओं को कुल 28 पट्टे महापौर कक्ष से वितरण किये गये।

महापौर मंजू मेहरा ने बताया कि बुधवार को कुल 28 पट्टे वितरण किये जिसमें अर्जुनपुरा एवं नगर निगम कोटा उत्तर के अन्य क्षेत्रों के आवेदनकर्ताओं को महापौर कक्ष से पट्टा वितरण कर लाभान्वित किया गया।

इस दौरान वार्ड 19 के पार्षद देवेन्द्र शर्मा, नन्दकिशोर शर्मा व उषा ठाकुर उपस्थित रहे। साथ ही आवेदककर्ताओं ने महापौर कक्ष से पट्टा वितरण की प्रक्रिया को बड़ी ही सराहानीय कदम व पहल बताया है जिससे की आवेदककर्ताओं को एक निश्चित जगह पर व समय पर पट्टा प्रदान किये जा रहा है।

महिलाओं को जागरुक किया

इटावा (निसं)। पालिका अध्यक्ष रजनी सोनी ने नगर पालिका इटावा द्वारा सेनेटरी पैड मशीन का शुभारंभ इटावा बस स्टैंड व बस स्टैंड पर आश्रय स्थल पर सेनेटरीपैड मशीन का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रजनी सोनी द्वारा किया गया। इस अवसर पर केदारनाथ धाम महिला एरिया लेवल संस्था अध्यक्ष रेखा शर्मा की टीम द्वारा नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया गया ओर इस दौरान जरा सी असावधानी से महिलाओ को होने वाली बीमारियों के बारे में समझाया। वही पालिका अध्यक्ष सोनी ने करोना की तीसरी लहर को देखते हुए करोना गाइडलाइंस की पालना के बारे में अपील की। इस दौरान रितु कालरा ने महिलाओं एवं उपस्थित सभी लोगों को समझाया केदारनाथ धाम महिला एरिया लेवल संस्था द्वारा मासिक धर्म और करोना से बचाव की प्रश्नोत्तरी में महिला द्वारा सही जवाब देने पर प्रशस्ति पत्र दिये। पार्षद चेतना सिंह रामपति बैरवा महेश बैरवा केलाश आर्य राजेन्द्र बैरवा महावीर सुमन सफाई निरिक्षक सत्यनारायण शर्मा विकाश मीणा जुगराज मीणा सहित पालिका कर्मचारी मौजूद थे।

महापौर राजीव अग्रवाल ने वार्डों के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया

कोटा, (निसं)। नगर निगम कोटा दक्षिण के महापौर राजीव अग्रवाल ने बुधवार को सर्वप्रथम वार्ड 63 में चल रहे सी.सी. रोड निर्माण एवं न्यास द्वारा किये गये सीवरेज कार्य का निरीक्षण किया। महापौर ने सीवरेज लाईन डाल रहे संवेदक के द्वारा किये जा रहे कार्य की गुणवत्ता पर लताड़ लगायी और संवेदक से कार्य की धीमी गति पर नाराजगी जाहिर की।

महापौर ने मौके से ही सीवरेज कार्य देख रहे न्यास के अधिकारियों को निर्देश दिये कि कार्य की गुणवत्ता व समय का विशेष ध्यान रखें। इसके बाद महापौर ने वार्ड 61 में दादाबाड़ी चिकित्सालय के पीछे बन रही नाली निर्माण कार्य का निरीक्षण किया, उन्होंने मौके पर मौजूद अधीक्षण अभियंता व कनिष्ठ अभियंता को निर्देश दिये कि वार्ड में बन रही नालियों में ढलान उचित प्रकार का रखें जिससे नाली में पानी का प्रवाह अविरल रहे।

साथ ही मौके पर मौजूद संवेदक को निर्देश दिये कि जहां-जहां पर भी नालियों का निर्माण कार्य हो वहां पर प्लास्टर पूर्ण आवश्यक रूप से किया जावें, ताकि मकानों में सीपेज की समस्या नहीं हो। महापौर ने वार्ड 76 में स्थित पार्क का भी निरीक्षण किया और मोके पर कनिष्ठ अभियंता राजेश यादव को पार्क में आवश्यक कार्य करवाये जाने के निर्देश दिये। महापौर के निरीक्षण के दौरान अधीक्षण अभियंता राकेश शर्मा, अधिशाषी अभियंता आर.के. जैन, सहायक अभियंता शिल्पा चित्तौडा, पार्षद पी.डी.गुप्ता, पार्षद कुलदीप प्रजापति, पार्षद कुलदीप गौतम सामाजिक कार्यकर्ता मनोज जैन आदिनाथ साथ रहे।

नगर निगम कोटा दक्षिण महापौर राजीव अग्रवाल ने वार्डों में हो रहे निर्माण कार्यों का दौरा किया।

- सीवरेज कार्य के संवेदक को लगाई लताड़
- सीवरेज कार्य की गुणवत्ता व धीमी गति पर नाराजगी जताई

छबड़ा कस्बे में 18 कोरोना पॉजिटिव मिले

छबड़ा, (निसं)। छबड़ा क्षेत्र में कोरोना अपने पैर पसारता नजर आ रहा है, जिसके चलते एक साथ 18 नए पॉजिटिव मामले सामने आए है, जिनको होम क्वारंटाइन किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार छबड़ा क्षेत्र में कोरोना संक्रमण बढ़ता ही जा रहा है, एक साथ 18 पॉजिटिव सामने आने से चिकित्सा प्रशासन सतर्क हो गया है।

खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. महेश भूटानी ने बताया कि पॉजिटिव पाए गए 18 लोगों को होम क्वारंटाइन किया गया। साथ ही उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि क्षेत्र के सभी लोग कोरोना के बढ़ते संक्रमण की रोकथाम के लिए सरकार द्वारा जारी की गई गाइडलाइंस का पालन करें।

कोटा मंडल में डिजिटल भुगतान को मिल रहा बढ़ावा

कोटा, (निसं)। आरक्षण टिकटों के किराए आदि का भुगतान यूपीआई या भीम एप्लीकेशन के जरिए करने वाले रेल यात्रियों को मूल किराए में 5 प्रतिशत छूट दी जा रही थी। इस छूट की समयावधि को रेल प्रशासन ने अब आगामी 12 जून तक विस्तारित कर दिया है। अब यात्रीगण किसी भी कंप्यूटराइज यात्री आरक्षण प्रणाली से टिकट यूपीआई या भीम एप के जरिए खरीदते हैं, तो उन्हें मूल यात्री किराए में 5 प्रतिशत की छूट मिलेगी।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अजय कुमार पाल ने बताया कि कोटा मंडल के रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा के लिए डिजिटल माध्यम से भुगतान करने की व्यवस्था लागू की गई थी, जिसे अब आगामी 12 जून तक बढ़ा दिया है। अभी यह सुविधा मंडल के सभी बड़े स्टेशनों पर उपलब्ध है। कोटा मंडल के आरक्षण कार्यालयों में और बुकिंग कार्यालयों में टिकट खरीदते समय यात्रीगण पीओएस मशीनों का उपयोग कर सकते हैं।

आरक्षण कार्यालयों के अलावा बुकिंग काउंटरों पर भी पीओएस मशीनों के जरिए भुगतान का विकल्प मौजूद है। कैशलेस भुगतान को बढ़ावा देने के लिए यात्रियों को यूपीआई, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। कोटा मंडल के शामगढ़, भवानीमंडी, रामगंजमंडी, कोटा, सवाईमाधोपुर, हिंडौन सिटी, गंगापुर सिटी, भरतपुर, बारां, बूंदी सभी स्टेशनों पर पीओएस मशीनें लगाई गई हैं। यात्री प्लेटफॉर्म टिकट और आरक्षण टिकट खरीदने के लिए पीओएस मशीनों के जरिए डेबिट और क्रेडिट कार्ड से भी किराया भुगतान कर सकते हैं।

महाविद्यालय में सात दिवसीय शिविर शुरू

छबड़ा, (निसं)। छबड़ा में अमरचंद राजकुमारी बरडिया जैन महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में सात दिवसीय शिविर शुरू हो गया है। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बिरधीलाल बैरवा ने बताया कि बुधवार को षिविर का षुभारंभ प्राचार्य डॉ. आरसी मीना व महाविद्यालय विकास समिति संरक्षक संदीप बरड़िया के मुख्य आतिथ्य मे किया गया व इस दौरान उन्होने सात दिनों तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। मंचासीन अतिथियों ने योजना के बारे में विस्तृत जानकारियां देकर इससे जुड़ने के लिए प्रेरित कर समाज सेवा का महत्व बताया। इस मौके पर व्याख्यता जितेंद्रसिंह सहित अन्य व्याख्यताओं ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए।

पालिका अध्यक्ष ने बच्चों को जर्सियां वितरित की

इटावा नगर के अलग-अलग विद्यालयों में पालिका अध्यक्ष रजनी सोनी ने गर्म कपड़े वितरित किये।

इटावा (निसं)। इटावा नगर के अलग-अलग विद्यालय राजकीय विद्यालय गुमानपुरा व महात्मा गांधी इंग्लिश विद्यालय के बच्चों को कोटा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की प्रेरणा से पालिका अध्यक्ष रजनी सोनी ने इन विद्यालयों के 473 बच्चों के लिये जर्सी गर्म कपड़े वितरित किये।

- गर्म कपड़े पाकर बच्चों के चेहरे खिले

इस दौरान उन्होंने कहा कि ऐसे पुनीत कार्यों से लोगों को प्रेरणा मिलती है और भामाशाह आगे आते हैं। इस दौरान जर्सी पाकर बच्चों के चेहरे खिल गए। इस अवसर पर मानव सेवा समिति अध्यक्ष रिंकु सोनी, प्रधानाध्यपक असलम अंसारी, पार्षद गंगाधर नागर, राकेश बैरवा, महेश बैरवा, राधेश्याम तंवर, महावीर सुमन, राजेन्द्र बैरवा सहित कई लोग मौजूद रहे।

जिले में 21 व 22 जनवरी को मेगा वैक्सीनेशन शिविर

कोटा, (निसं)। कोरोना की तृतीय लहर की रोकथाम के उद्देश्य जिलेभर में 15 से 17 वर्ष के बच्चों को वैक्सीनेशन के लिए 21 व 22 जनवरी को दो दिवसीय मेगा वैक्सीनेशन कैम्प आयोजित किया जायेगा। जिला कलक्टर हरिमोहन मीणा ने बताया कि कोरोना की तीसरी लहर को रोकने के लिए विशेषज्ञों के अनुसार वैक्सीनेशन प्रभावी हैं। ऐसे में जिले में 15 से 17 आयु वर्ग का बच्चा टीकाकरण से वंचित नहीं रहे इसके लिए दो दिवसीय विशेष कैम्प आयोजित किया जा रहा हैं। जिसमें जिले के सभी सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में नामांकित शत-प्रतिशत विद्यार्थियों को टीकाकरण किया जायेगा। 21 व 22 जनवरी को जिलेभर के सभी सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालय खुले रहेंगे। संस्था प्रधान एवं शिक्षकों की जिम्मेदारी सभी विद्यार्थियों को बुलाने की होगी तथा उपखण्ड अधिकारी एवं विकास अधिकारी मॉनिटरिंग करेंगे।

कलेक्टर ने की अपील:- जिला कलेक्टर ने जिले के सभी अभिभावकों को अपील कि है कि कोविड की गम्भीरता को देखते हुए 21 व 22 जनवरी को आयोजित हो रहे मेगा वैक्सीनेशन कैम्प में 15 से 17 आयु वर्ग के बच्चों का टीकाकरण कराने के लिए विद्यालय अवश्यक लाये।

कार्यशाला के माध्यम से एएनएम व आशाओं को जागरुक किया

झालावाड़ (निसं)। मिशन निदेशक (एनएनएम) एवं विशिष्ट शासन सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार बेटी बचाओ अभियान के अन्तर्गत जागरुकता कार्यशाला का आयोजन ब्लॉक डग में ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजकुमार बागेला की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

कार्यशाला में जिला समन्वयक पीसीपीएनडीटी प्रभु ऐरवाल द्वारा प्रस्तुति के माध्यम से पीसीपीएनडीटी अधिनियम, मुखबीर डिकॉय योजना, टॉल फ्री नं. 104, 108 व वाट्सएप नम्बर 9799997795 एवं जिले में बेटियों के लिये चलाई जा रही आपणी बेटी योजना के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही गिरते हुये शिशु लिंगानुपात को बढ़ाने तथा कन्या भ्रुण हत्या को रोकने हेतु सामुहिक प्रयास पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम में एफसीएलओ हरिश अग्रवाल, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबन्धक धीरज जैन, ब्लॉक आशा सुपरदिनेश वर्मा, बीएनओ सैय्यद अशमा द्वारा बेटी बचाओं कार्यक्रम के बारे में एवं अपने कार्य क्षैत्र में बेटियों और महिलाओं को सरकार की योजनाओं एवं महिलाओं को सशक्त बनाने में सहयोग प्रदान करे। बेटों के साथ बेटीयों को भी उच्च शिक्षा दिलवाने के लिये प्रेरित करे। साथ ही एनसीडी कार्यक्रम के बारे में, कोविड टीकाकरण, कोविड सैम्पलिंग व कोविड प्रोटोकॉल के बारे में विस्तापूर्वक चर्चा की।

मिशन निदेशक (एनएनएम) एवं विशिष्ट शासन सचिव के निर्देशानुसार बेटी बचाओ अभियान के अन्तर्गत जागरुकता कार्यशाला का आयोजन हुआ।

कार्यशाला डग ब्लॉक के चिकित्सक, एलएचवी, एएनएम, आशा सुपरवाईजर ने भाग लिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. साजिद खान ने बताया कि चिकित्सा विभाग द्वारा जागरुकता कार्यशाला आयोजित की जाती है जिसके माध्यम से अधिक से अधिक जिले वासियों को बेटियों की महत्ता समझाते हुये गिरते हुये लिंगानुपात सुधार किया जा सके तथा केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही बेटियों के लिये हितकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी जा सके।

जाने माने किसान नेता राकेश टिकैत जमीन कुर्की के सदमे से दो माह पूर्व आत्महत्या करने वाले किसान कजोड़ के परिजनों से मिलने जामुन वाली ढाणी पहुंचे तथा परिजनों को ढाढ़स बंधाया।

डॉ. किरोड़ी और राकेश टिकैत मृत किसान के परिजनों से मिले

- **रामगढ़ पचवारा की जामुन वाली ढाणी में दो माह पहले कजोड़ नाम के एक किसान ने जमीन कुर्की का आदेश आने के सदमे से आत्महत्या कर ली थी।**
- **किसान आंदोलन के प्रमुख नेता राकेश टिकैत और राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने मृतक किसान के परिजनों से अलग-अलग मुलाकात की और हर संभव मदद का आश्वासन दिया।**
- **बताया जाता है कि कजोड़ ने बैंक से 3.87 लाख रू. का कर्ज लिया था जिसे नहीं चुकाने पर बैंक ने जमीन कुर्की के आदेश निकाल दिए और हाल ही में 86 लाख रू. की जमीन मात्र 7 लाख रू. में बेच दी।**
- **डॉ. किरोड़ी ने कहा कि किसान की मृत्यु कांग्रेस सरकार के इस दावे की पोल खोलती है कि किसानों के कर्जे माफ किए गए हैं।**

रामगढ़ पचवारा, (निसं)। उपखंड क्षेत्र की जामुन वाली ढाणी के रहने वाले किसान कजोड़ ने दो महिने पहले भूमि कुर्की से सदमे से आत्महत्या कर ली थी और मंगलवार 18 जनवरी को उस किसान की 86 लाख रुपए कीमत की जमीन को महज 7 लाख रुपए में नीलाम कर दिया गया। इसी क्रम में मृतक किसान के परिजनों से मिलने के लिए किसान नेता राकेश टिकैत और राज्यसभा सांसद डा. किरोड़ी लाल मीणा जामुन की ढाणी पहुंचे।

नेता राकेश टिकैत भी देर रात 10 बजे मृतक किसान के घर पहुंचे तथा जमीन की नीलामी एवं मृतक किसान के बारे में पूरी जानकारी जुटाई एवं पीड़ित परिवार को ढांढ़स बंधाते हुए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। राकेश टिकैत ने कहा कि गुरुवार को वे उपखंड कार्यालय पर सक्षम अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। राकेश टिकैत ने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह किसान की पूरी जमीन नीलाम नहीं की जा सकती। इस मामले को लेकर गुरुवार को विचार-विमर्श किया जाएगा एवं आगे की रणनीति तय की जाएगी। वहीं राकेश टिकैत के पहुंचने की सूचना पाते ही पूरे प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया एवं राकेश टिकैत के क्षेत्र में घुसने से लेकर उनकी पूरी गतिविधि पर प्रशासन ने नज़र बनाए रखी।

वहीं राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने चुनाव में सत्ता में आने के लिए किसानों से पूर्ण कर्ज माफी का वादा किया था। लेकिन आज तक राजस्थान सरकार किसानों के कर्ज माफी के वादे को पूरा नहीं कर पाई है। किसान जमीने की बीते संक्रमण काल के दौरान आर्थिक स्थिति बिगड़ गई थी इसलिए वह कर्जा नहीं चुका पाया और बैंक ने जमीन कुर्क करने के आदेश निकाल दिए। सरकार कर्ज माफी का दावा कर रही है पर उलटे किसानों से कर्ज वसूली की प्रक्रिया तेज कर उनकी जमीनों को कुर्क कर कर्ज को वसूल किया जा रहा है। राज्यसभा सांसद मीणा ने कहा कि किसान द्वारा बैंक से 3 लाख 87 हजार रु. का लोन लिया गया था। किसान की कर्जा चुकाने की स्थिति नहीं होने के कारण कर्ज की रकम करीब 7 लाख रु. हो गई थी। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि किसान की जमीन की वास्तविक कीमत करीब 86 लाख रुपए की है जिसे केवल डीएलसी दर को दरकिनार कर 7 लाख में नीलाम कर दिया गया। इतनी कम राशि में मृतक किसान के पीड़ित परिजनों की भूमि को नीलाम करने में भूमाफिया एवं प्रशासनिक अधिकारियों की संदिग्ध मिलीभगत नज़र आ रही है।

राज्य सभा सांसद ने कहा है कि इस मामले को लेकर मृतक किसान की भूमि को कुर्क होने से रुकवाने के लिए ग्रामीणों भाजपा ने एसडीओ कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया था तथा एस डी ओ ने पीड़ित को न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया। कुर्की को रुकवाने एवं पीड़ित को न्याय दिलाने का भरोसा एसडीएम द्वारा दिया गया था। लेकिन मौखिक समझौते के बाद भी मृतक किसान की भूमि को नीलाम कर दिया गया। राज्य सभा सांसद ने मांग करते हुए कहा कि मृतक किसान को मुआवजा मिलना चाहिए एवं साथ ही कर्ज के तनाव में आत्महत्या करने वाले किसान का कर्जा माफ कर जमीन मुक्त की जाए। उन्होंने कहा कि मृतक किसान के आश्रित पीड़ित परिजनों को न्याय दिलाने के लिए मुख्यमंत्री से समय लेकर पीड़ितो के साथ मुलाकात की जाएगी।

मुलायम सिंह के छोटे बेटे की पत्नी अपर्णा यादव भाजपा में शामिल हुईं

चर्चा है कि, अपर्णा यादव लखनऊ कैंट से टिकट मांग रही थीं, परंतु अखिलेश यादव इसे स्वीकार करने को तैयार नहीं थे

- **अपर्णा यादव को उम्मीद है कि, भाजपा उन्हें लखनऊ कैंट से टिकट देकर उम्मीदवार बनायेगी।**

नई दिल्ली, 19 जनवरी (वार्ता)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के वरिष्ठतम नेता मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव ने भाजपा का दामन थाम लिया है।

बुधवार को अपर्णा यादव यहाँ उत्तर प्रदेश भाजपा इकाई के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह और राज्य के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हो गईं। इसके बाद उन्होंने पार्टी के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की।

भाजपा की सदस्यता लेने के बाद अपर्णा यादव ने कहा, मैं हमेशा से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रभावित रही हूँ। मेरे चिंतन में सबसे पहले राष्ट्र है। अब मैं राष्ट्र की आराधना करने निकली हूँ। मैं स्वच्छ भारत मिशन, महिलाओं के लिए स्वावलंबन जीवन समेत भाजपा की अन्य सभी योजनाओं से प्रभावित रही हूँ। मैं भाजपा को धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने मुझे पार्टी का हिस्सा बनने का मौका दिया।

इस मौके पर उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने अपर्णा यादव का पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कि सपा के शासन में गुंडागर्दी को इतना महत्व दिया जाता था कि प्रदेश में कोई बेटी सुरक्षित नहीं थी। अपर्णा यादव को शुरू से लगता था कि आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार में सुशासन है।

मौर्या ने कहा कि अपर्णा यादव की विचार धारा हमेशा से भाजपा से प्रभावित रही है जैसा उनके बयानों से प्रतीत होता था। मोदी और आदित्यनाथ के नेतृत्व में जो विकास हो रहा है, यह देखते हुए बहुत लोग भाजपा में आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव अपने परिवार और पार्टी दोनों में ही असफल रहे है। मुख्यमंत्री काल के दौरान भी और अब सांसद के रूप में भी वह असफल रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि मुलायम सिंह यादव की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता हैं। इन्हीं के बेटे प्रतीक यादव की शादी श्रीमती अपर्णा यादव से हुई है।

हिमाचल में जहरीली शराब से पांच की मौत

- **पुलिस ने मृतकों के घरों से बरामद कथित जहरीली शराब की बोतलों से नमूने लेकर जांच के लिये भेज दिये हैं।**

मंडी, 19 जनवरी (वार्ता)। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के सुंदरनगर में शराब पीने के बाद पांच लोगों की संदिग्ध हालत में मौत हो गई है और दो अन्य की हालत गम्भीर है तथा ये अस्पताल में भर्ती हैं।

जिला पुलिस अधीक्षक शालिनी अग्निहोत्री ने बताया कि घटना सलापड़ क्षेत्र में हुई है। उन्होंने बताया कि मंगलवार रात कुछ लोगों ने एक व्यक्ति से शराब खरीद कर अपने अपने घरों में पी थी लेकिन इसके तत्काल बाद ही तबीयत बिगड़ने लगी। सात लोगों को तुरंत परिजनों ने सुंदरनगर के सिविल अस्पताल भर्ती कराया जहां चार ने दम तोड़ दिया। वहीं तीन लोगों को नेर चौक स्थित राजकीय मेडीकल कॉलेज एवं अस्पताल रैफर किया गया।

अलवर कांड में ज़ोमैटो डिलिवरी बॉय हिरासत में

डिलिवरी बॉय ने भी कबूल किया कि लड़की को उसकी बाइक से टक्कर लगी थी

- **अब पुलिस यह गुत्थी सुलझाने में लगी है कि लड़की के प्राइवेट पार्ट पर चोट कैसे लगी।**

अलवर, 19 जनवरी (निसं)। तिजारा फाटक पुलिया पर लहूलुहान हालत में मिली मूक-बधिर नाबालिग बालिका के केस में नया मोड़ आ गया है। पुलिस ने जोमैटो के एक डिलीवरी बॉय को हिरासत में लिया है। इसी युवक की बाइक से उक्त लड़की को टक्कर लगी थी और डिलीवरी बॉय ने यह बात कबूल भी कर ली है। टक्कर के समय वहां राजस्थान पब्लिक ट्रांसपोर्ट की बस सवारी उतारने रुकी थी, जिसकी आड़ में होने की वजह से बाइक कैमरे में नजर नहीं आई।

पुलिस ने यह तो पहले ही मान लिया था कि नाबालिग से गैंगरेप नहीं हुआ। अब उसके तथ्य भी जुटाए गए हैं। फूड डिलीवरी बॉय ने भी कबूल किया कि टक्कर के बाद वह सीधा निकल गया था। अब पुलिस यह गुत्थी सुलझाने में लगी है कि लड़की के प्राइवेट पार्ट पर चोट कैसे लगी।

पुलिस कैमरे में दिख रही परिहवन निगम की बस को जब्त कर उसके कंडक्टर व ड्राइवर को हिरासत में ले चुकी है। बस के अंदर से सैंपल लिए गए थे। दो-तीन ऑटो निकले उन तक भी पुलिस पहुंच गई है।

फूड डिलीवरी बॉय को कैमरे दिखाए गए। उसके बाद उसने यह कबूला कि जब वह पुलिया से निकला तो रोड के बीच में चल रही बस को ड्राइवर ने लैफ्ट में दबा दिया। लड़की को उसकी बाइक से टक्कर लगी थी तो वह भी गिरते-गिरते बचा था। हादसे के बाद युवक निकल गया। उसके बाद लड़की के साथ क्या हुआ, उसे नहीं पता।

पुलिस मान रही है कि लड़की को बाइक की टक्कर लगी। जगह कम होने के कारण रगड़न जैसी स्थिति बनी। इस बीच लड़की गिरी और उसे चोट लग गई। चोट बाइक के हिस्से से भी लग सकती है या फिर वहां पड़े पत्थर व किसी नुकीली चीज से। पुलिस इन सवालों को सुलझाने में लगी है।

'विधायकों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खानविलकर की अध्यक्षता वाली 3 जजों की बैंच ने कहा था कि इस बात का कोई "अत्यधिक महत्वपूर्ण" कारण होना चाहिये कि संबंधित विधायकों को अगले सत्र में भी उपस्थित रहने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिये। बैंच, जिसमें न्यायमूर्ति दिनेश महेश्वरी तथा सी.टी. रवि कुमार भी शामिल थे, ने यह जानना चाहा कि क्या विपक्षी विधायकों के निलम्बन से सत्तारूढ़ गठबंधन के बहुमत में बने रहने का कोई लेना-देना है।

करोना वायरस,...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में इस वायरस का प्रकोप इतने कम स्तर पर होगा कि उससे सामाजिक, आर्थिक व अन्य सामान्य क्रियाकलाप बाधित नहीं होंगे।"

उन्होंने कहा कि "मैं समझता हूँ कि अधिकांश लोग ऐसा महसूस करते हैं कि जब इसका प्रकोप किसी स्थान विशेष पर होगा तो फ्लू जैसे संक्रमणों की एक सामान्य श्रृंखला ही विद्यमान रहेगी।"

फाउची की टिप्पणी एक ऐसे समय में सामने आयी है, जबकि करोना वायरस का ओमक्रॉन वेरिएन्ट दुनियाभर में संक्रमण के नए केस सामने ला रहा है। ओमक्रॉन के अपने पूर्ववर्ती डेल्टा वायरस की तुलना में कम घातक साबित होने के बावजूद इस वायरस से जो लोग संक्रमित हुए हैं, उनके लिए दुनिया के कई हिस्सों में भरपूर मैडिकल संसाधन उपलब्ध है। जॉन्स हॉपकिन्स युनिवर्सिटी द्वारा गणना किए गए आंकड़ों के अनुसार अकेले अमेरिका में ही पिछले सप्ताह करोना वायरस संक्रमण के करीब 5.4 मिलियन नए केस दर्ज किए गए। इस वैश्विक महामारी की शुरूआत से ही करीब 8 लाख 52 हजार अमेरिकी नागरिक कोविड-19 से मर चुके हैं और यह बीमारी दुनियाभर में 5.5 मिलियन से अधिक जाने ले चुकी है।

डब्ल्यु.एच.ओ. प्रमुख टैड्रॉस ने डॉ. फाउची की चिंताओं से सहमति जताते हुए कहा कि "मैं उन कई देशों को लेकर खासतौर पर चिंतित हूँ जहां वैक्सीनेशन की रेट कम है और यहां जिन लोगों के वैक्सीन नहीं लगी है उनमें गंभीर बीमारी और मौत का खतरा कई गुना ज्यादा है।" उन्होंने मंगलवार को एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि "कोई गलती ना करें क्योंकि ओमक्रॉन से मौतें हो रही है और यह लोगों को अस्पताल में भर्ती होने के लिए मजबूर कर रहा है और यहां तक कि कम गंभीर प्रकृति के केसों के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं कमतर साबित हो रही हैं।

टैड्रोस ने कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक उपायों के मौजूदा साधनों के इस्तेमाल और स्वास्थ्य उपकरणों को साझा करने व इनके कुशल उपयोग से कोविड-19 की वर्तमान लहर के प्रकोप के अच्छा-खासा कम होने की उम्मीद है।

उन्होंने घोषणा की कि यह समय हिम्मत हारने और सब्र करना का नहीं है।

टैड्रोस ने कहा कि ओमक्रॉन का हस्तांतरण और संक्रमण रोकने में वैक्सीन्स शायद उसकी असरकारी ना रहें जैसे कि करोना के पिछले वेरिएन्ट्स को रोकने में रही थीं, लेकिन वे फिर भी गंभीर रोगों और मौतों को रोकने में अब विशेष रूप से अच्छी हैं। अस्पतालों में मरीजों की भरमार को रोकने में यह अहम है।

एयर इंडिया सहित कई अंतर्राष्ट्रीय विमानन कंपनियों ने अमेरिका के लिए फ्लाइट्स में कटौती की

विमानन कंपनियां इसकी मुख्य वजह अमेरिका में 5जी नैटवर्क का शुरु होना बता रही हैं

- **भारतीय एवं दुनियाभर की अन्य विमानन कंपनियों को आशंका है कि, अमेरिका में इसी सप्ताह से शुरु होने जा रहे 5जी नैटवर्क की वजह से विमानों को लैण्डिंग करते वक्त गम्भीर परेशानियां आयेंगी, जिसकी वजह से दुर्घटना भी हो सकती है।**
- **विमानन कंपनियों का कहना है कि, 5जी नैटवर्क की वजह से विमानों में लगे दूरी एवं ऊंचाई मापने के उपकरण काम करना बंद कर सकते हैं, जिससे पायलट को यह ज्ञात नहीं हो पायेगा की वे जमीन से कितनी दूरी पर विमान उड़ा रहे हैं।**

नई दिल्ली/वाशिंगटन, 19 जनवरी (वार्ता)। एयर इंडिया समेत कई अंतरराष्ट्रीय विमान कंपनियों ने 5जी मोबाइल फोन सेवा और जटिल विमानन प्रौद्योगिकियों के बीच हस्तक्षेप पर अनिश्चितता को लेकर बुधवार से अमेरिका के लिए उड़ानों में कटौती कर दी है।

एयर इंडिया ने कहा कि दिल्ली से अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को, शिकागो और जेएफके तथा मुंबई से नेवार्क के बीच अपनी उड़ानें रद्द कर दी गयी है।

एयर इंडिया ने एक ट्वीट में कहा, अमेरिका में 5 संचार की तैनाती के कारण हम 19 जनवरी से दिल्ली से अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को, शिकागो और जेएफके तथा मुंबई से नेवार्क के बीच अपनी उड़ानें संचालित करने में सक्षम नहीं होंगे।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक अमीरात, एयर इंडिया, ऑल निप्पॉन एयरवेज और जापान एयरलाइंस ने अमेरिका के लिए उड़ानों में कटौती की घोषणा की है।अमीरात ने नौ अमेरिकी हवाई अड्डों बोस्टन, शिकागो ओहारे, डलास फोर्ट वर्थ, ह्यूस्टन में जॉर्ज बुश इंटरकांटिनेंटल, मियामी, नेवार्क, ऑरलैंडो, सैन फ्रांसिस्को और सिएटल के लिए अपनी उड़ानें रद्द किये जाने की घोषणा की है। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के मुताबिक हवाई अड्डों के पास 5जी सेल्यूलर एंटिना कुछ विमान उपकरणों से रीडिंग को अवरुद्ध कर सकता है जिससे पायलटों को यह पता चलता है कि वे जमीन से कितनी दूर हैं।

गौरतलब है कि, 5जी नेटवर्क को लेकर शुरू से ही विवाद होता रहा है। कभी करोना महामारी के लिए भी 5जी नेटवर्क को जिम्मेदार ठहराया गया तो कभी दावा किया गया कि 5जी नेटवर्क के आने के बाद पक्षियों का जीवन खतरे में पड़ जाएगा, हालांकि इन सब दावों को विश्व स्वास्थ्य संगठन से लेकर टेलीकॉम कंपनियों और तमाम सरकारों ने बकवास करार दिया है। अब 5जी की शुरुआत होते ही अमेरिका में एयरलाइन कंपनियों की मुसीबत बढ़ गई है।

गौरतलब है कि इसी सप्ताह से अमेरिका की एटीएंडटी और वेरिजोन कंपनियां अपने नए 5जी नेटवर्क शुरू करने वाली थीं। एटीएंडटी और वेरिजोन कंपनियां अपने 5जी वायरलेस सर्विस के लिए अल्टीमीटर में इस्तेमाल होने वाले रेडियो स्पेक्ट्रम के काफी करीब वाले स्पेक्ट्रम का इस्तेमाल करती हैं।

राजस्थान हाई कोर्ट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ही थे। शांतिदेवी की तबीयत ठीक नहीं रहती थी। ऐसे में वह पति के स्थान पर नौकरी करने में असमर्थ थी।

शादीशुदा बेटी शोभा ने अपने पिता के स्थान पर मृतक आश्रित कोटे से नौकरी के लिए आवेदन किया। जोधपुर डिस्कॉम ने उसका आवेदन यह कहते हुए खारिज कर दिया कि शादीशुदा बेटी को नौकरी नहीं दी जा सकती है। इसे लेकर शोभा ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की।

हाईकोर्ट जज पुष्पेन्द्र सिंह भाटी ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि कोर्ट का यह मानना है कि शादीशुदा व अविवाहित बेटे-बेटियों में भेदभाव नहीं किया जा सकता है। यह संविधान के अनुच्छेद 14,15 व 16 का उल्लंघन है।

जोधपुर डिस्कॉम की ओर से तर्क दिया गया कि नियमानुसार शादीशुदा बेटी मृतक आश्रित नहीं मानी जा सकती है। ऐसे में उसे नौकरी पर नहीं रखा जा सकता।

न्यायाधीश भाटी ने कहा कि बूढ़े माता-पिता की जिम्मेदारी बेटे व बेटी के लिए एक समान ही होती है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि वे शादीशुदा है या नहीं। ऐसे में पिता के स्थान पर मृतक आश्रित की पुत्री नौकरी देने में भी भेदभाव नहीं किया जा सकता है।

अनुकंपा नियुक्ति के आदेश: शोभा देवी की तरफ से कहा गया कि राज्य सरकार के सेवा नियमों के तहत यदि किसी मृतक आश्रित के परिवार में सिर्फ बेटी ही नौकरी के योग्य हो तो उसे नियुक्ति दी जा सकती है। ऐसे में इस मामले में भी यही नियम लागू होता है। जज भाटी ने शोभा से कहा कि वे नए सिरे से आवेदन पेश करें। वहीं जोधपुर डिस्कॉम को आदेश दिया कि शोभा देवी को अपने पिता के स्थान पर तीन महीने में अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की जाए।

भाजपा के स्टार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संजीव बाल्यान तथा राज्य के मंत्री दिनेश शर्मा एवं केशव प्रसाद मौर्य शामिल हैं

इस बीच समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव की प्रतिष्ठा पर ग्रहण लगाते हुये, उनके भाई प्रतीक यादव की पत्नी अपर्णा भाजपा मुख्यालय पर विधिवत भाजपा में शामिल हो गईं। उन्हें सम्भवत: यह उम्मीद है कि भाजपा उन्हें लखनऊ छावनी सीट से चुनाव में उतार सकती है, जिसके लिये समाजवादी पार्टी ने उनसे मना कर दिया था।

सूत्रों ने कहा कि उन्हें लखनऊ छावनी से टिकट देने के लिये सपा ने इसलिये मना किया था क्योंकि अखिलेश यह मान रहे थे कि वे उस सीट से नहीं जीत पायेंगी। अपर्णा के भाजपा में शामिल होने पर अखिलेश ने कहा कि उनकी अनुज वधू भाजपा में सपा की विचारधारा साथ ले जायेंगी। उन्होंने कहा, "यह देखकर अच्छा लगा कि भाजपा हमारे द्वारा अस्वीकार्य किये गये लोगों को टिकट दे रही हैं।"

एक संबंधित घटनाक्रम के अन्तर्गत, भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में अपना दल एवं निषाद पार्टी के साथ चुनावी गठबंधन की अधिकृत घोषणा कर दी। उन्होंने कहा कि इन दलों को सम्माननीय मात्रा में सीट आवंटित की जायेंगी। उन्होंने यह उम्मीद जताई कि ये दोनों पार्टियाँ पूरे राज्य में भाजपा के पक्ष में प्रचार करेंगी।

भाजपा ने उत्तर प्रदेश के चुनावों के दूसरे चरण के लिये दो और उम्मीदवारों के नामों की स्वीकृति दे दी। ये उम्मीदवार हैं- बहेड़ी से छत्रपाल सिंह गंगवार तथा भोजीपुरा सीट से बहोरन लाल मौर्य।

मुख्यमंत्री चन्नी के भाई व अन्य रिश्तेदारों के घर रेड

- **रेड के बाद चन्नी के रिश्तेदारों के यहां से 56 करोड़ रु. बरामद होने की चर्चा है।**
- **आप पार्टी ने कहा कि, मुख्यमंत्री चन्नी के रिश्तेदारों के ठिकानों से बरामद नकदी और सम्पत्ति चन्नी के 111 दिनों के कार्यकाल में की गई लूट और रेत एवं ड्रग माफियाओं से जुटाये गये पैसे हैं।**

चंडीगढ़, 19 जनवरी(वार्ता)। आम आदमी पार्टी(आप) के पंजाब मामलों के सह प्रभारी राघव चड्ढा ने राज्य के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी पर निशाना साधते हुये कहा कि प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) के छापे में जब उनके रिश्तेदारों के घर से करोड़ों रुपए बरामद हो रहे हैं तो ऐसे में उन्होंने स्वयं कितने कमाये होंगे। चडढा ने कहा कि बरामद नकदी और सम्पत्ति चन्नी के 111 दिनों के कार्यकाल में की गई लूट और माफिया के पैसे है। उन्होंने हैरानी जताई कि जब रिश्तेदारों ने इतने कमाये तो स्वयं मुख्यमंत्री ने कितने कमाये होंगे। यही नहीं चन्नी अगर पांच साल मुख्यमंत्री रहते तो कितना कमाते! उन्होंने कहा हमने पहले ही कहा था कि चन्नी अपने क्षेत्र में रेत माफिया चला रहे हैं और उसके साथ मिलकर उन्होंने और उनके रिश्तेदारों ने करोड़ों रुपए कमाए हैं। ईडी के छापे में हमारी बात सही साबित हो गई है। मुख्यमंत्री के रिश्तेदारों के पास से अब तक 56 करोड़ रुपए की अवैध सम्पत्ति की जानकारी मिली है। ढेर सारा सोना और कई जमीनों के कागजात बरामद हुए हैं। आम आदमी होने का दिखावा करने वाले चन्नी इसका जवाब दें कि उनके रिश्तेदारों के पास इतने पैसे कहां से आए? उन्होंने कहा कि यही छापा अगर चन्नी के घर पर पड़ा होता तो कितने करोड़ रूपये मिलते यह अंदाजा लगाना मुश्किल है। आप नेता के अनुसार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर पर भी ईडी ने छापा मारा था।

ममता का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सहित अन्य दलों के बागियों एवं असंतुष्टों को अपनी ओर आकर्षित करने की पूरी कोशिश की है।

वस्तुत:, यह समझदारीपूर्ण नीति है क्योंकि भाजपा को भी अन्य पार्टियों के नेताओं को खींचने की नीति के कड़वे नतीजे मिल चुके हैं। बंगाल के चुनावों में तृणमूल को छोड़कर भाजपा में शामिल हुये सभी लोगों को टिकट दे दिये थे। इस सभी दलबदलुओं को आखिरी क्षणों में टिकट दिये गये थे, जिसके फलस्वरुप भाजपा को जमीनी स्तर के सभी कार्यकर्ता हतोत्साहित हो गये थे, उनका मनोबल गिर गया था तथा उनमें से बहुत से लोगों ने तो पार्टी के लिये कोई काम नहीं किया था। परिणाम यह हुआ था कि तृणमूल से भाजपा में आये अधिकांश नेता बुरी तरह चुनाव हार गये थे।

अमेरिका में अब तक 95 लाख बच्चे कोविड संक्रमित हुये

वाशिंग्टन, 19 जनवरी (वार्ता/शिन्हुआ)। अमेरिका में कोविड-19 महामारी की शुरुआत से करीब 95 लाख बच्चे कोरोना संक्रमित हो चुके हैं।

अमेरिकन अकेडमी ऑफ़ पीडियाट्रिक्स (आप) और चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल एसोसियेशन के अनुसार बच्चों में कोरोना संक्रमण के मामलों में नाटकीय उछाल आया है।

मंगलवार को प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, 13 जनवरी तक देश भर में कुल 94,52,491 बच्चे कोविड-19 संक्रमित हो चुके थे। दूसरे शब्दों में, कुल कोरोना मामलों में से 17.8 प्रतिशत बच्चे थे।

जनसंख्या में प्रति 1,00,000 बच्चों में 12,559 संक्रमण दर्ज किये गए। आप के अनुसार 13 जनवरी को समाप्त हुए पिछले सप्ताह में लगभग 10 लाख बच्चे कोरोना संक्रमित पाए गए। यह पिछली सर्दियों के कोरोना पीक से चार गुना अधिक मामले हैं। यह अमेरिका में लगातार 23वें सप्ताह है जब बच्चों में कोविड-19 मामले एक लाख से ऊपर हैं। आप के अनुसार, सितंबर के पहले सप्ताह से अब तक 44 लाख से अधिक बच्चे कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। रिपोर्ट में आप ने कहा, नए वेरिएंट की गंभीरता और संभावित दीर्घकालिक प्रभावों का आकलन करने के लिए आयु-विशिष्ट आंकड़े इकट्ठा करने की आवश्यकता है।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: घूघरा घाटी, जयपुर रोड, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स: 0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

MARUTI SUZUKI ARENA

ख़ास ऑफ़र्स
सीमित समय के लिए

अपनी पसंदीदा मारुति सुज़ुकी एरीना कार आज ही घर ले आएँ.

बड़ी बचत

WAGONR ₹28 100*	**ALTO ₹33 100***	**S-PRESSO ₹33 100***	**VITARA BREZZA ₹18 000***
DZIRE ₹23 500*	**SWIFT ₹28 100***	**CELERIO ₹23 000***	

ऑफ़र सिर्फ़ स्टॉक रहने तक मान्य है।

WAGONR ALTO S-PRESSO VITARA BREZZA DZIRE SWIFT CELERIO

E-book today at www.marutisuzuki.com or visit your nearest Maruti Suzuki dealership | For bulk orders, mail at: ankit.syal@maruti.co.in

AUTHORISED DEALERS: KOTA: BHATIA & COMPANY: CORPORATE OFFICE: 23-24, INDUSTRIAL ESTATE: CALL: 0744-2365092, 9829035100. DAKANIYA SHOWROOM: G-11-12, AUTO MOBILE ZONE, NEAR DAKANIYA STATION: CALL: 0744-2439000, 9829799009. **SUWALKA MOTORS PVT. LTD.:** KUNHARI: CALL: 0744-2370272, 9116312345, 7300308888. SULTANPUR: CALL: 9116178527. BHAWANIMANDI: CALL: 9116178557. **JODHPUR: AURIC MOTORS PVT LIMITED:** SARASWATI NAGAR, NEW PALI ROAD: CALL: 0291- 2722691, 9015900500. BALESAR: 7412092350. **SHRI KRISHNA AUTO SALES PVT. LTD.:** PRATAP NAGAR: CALL: 0291-2762064/65, 9929244403, 9829144436. BHINMAL: CALL: 02969-222438, 9680059999. **L.M.J. SERVICES LTD:** A-11, INDUSTRIAL ESTATE, OPP. UDYOG BHAWAN, NEW POWER HOUSE ROAD: CALL: 0291- 2630478 / 79 / 80, 8094011151. **NAGAUR: MANGALAM MOTORS**: CALL: 9116008626, 9116008630. **PALI: L.M.J. SERVICES LTD.:** CALL: 02932 - 256177, 8094011136. **SIROHI: NAVNEET MOTORS:** CALL: 02972-222917-18, 7665010638. **CHURU: AURIC MOTORS:** CALL: 01562-250696, 8875010502. **BIKANER: DUDI AUTOMOBILES:** CALL: 0151-2942222, 0151 -3550418, 7412075151. PADAMPUR: CALL: 7412075151. **AURIC MOTORS**: CALL: 0151-2251819, 9529251819, 9636045111. **AJMER: RELAN MOTORS**: CALL: 0145-2610106, 9214444222. **AJMER AUTO**: CALL: 0145-2425200, 9314531845, 9314391004. **JAIPUR: VIPUL MOTORS PVT. LTD.:** DAUSA: CALL: 9887851795. LALSOT: CALL: 9460654936. BANDIKUI: CALL: 9887456970. MAHWA: CALL: 9950780018. MEHANDIPUR BALAJI: CALL: 9782445691. UNIARA: CALL: 9785791929. **KTL AUTOMOBILE PVT. LTD.:** PHULERA: CALL: 7412077062. SAMBHAR: CALL: 7412068410. ACHROL: CALL: 7412077078. **FORTUNE CARS:** KARAULI: CALL: 8875001175/ 8875005132. HINDAUN: CALL: 9214794314 / 8875007758. **PREM MOTORS PVT. LTD.:** BASSI: CALL: 8058794167 / 8058794137. SAWAI MADHOPUR: CALL: 07462-220029 / 8058799005 / 8058794181. GANGAPUR CITY: CALL: 8058794021. BAGRU: CALL: 8058794032. KOTPUTLI: CALL: 8058794121. JOBNER: CALL: 8058796065. RENWAL: CALL: 8058600117. RENWAL-MANJHI: CALL: 8058794042. DUDU: CALL: 8058794168. PHAGI: CALL: 8058403338. KANOTA: CALL: 8058794341. **K.P. AUTOMOTIVES PVT. LTD.:** TONK: CALL: 9549651924. CHAKSU: CALL: 9549651926. SHAHPURA: CALL: 8696925275. DEOLI: CALL: 8696934957. MALPURA: CALL: 9549650513. NIWAI: CALL: 9667777114. PAOTA: CALL: 9549650495. VIRATNAGAR: CALL: 6350612446. JAMWA RAMGARH: CALL: 6350612727. **SANGA AUTOMOBILES PVT. LTD.:** CHOMU: (MORIJA ROAD): CALL: 9772210096 / 9772210906. GOVINDGARH: CALL: 9772210451. **ALWAR: MG MOTORS:** CALL: 9001795515, 9001795517, 8003692651, 8003692652, 8003090466. **SRIGANGANAGAR: AURIC MOTORS**: CALL: 0154-2466225, 8955559963. **DUDI AUTOMOBILES:** PADAMPUR: CALL: 7412075151. **SIKAR: JAMU AUTOMOBILES**: CALL: (01572) 245515 / 246219. **NEEM KA THANA: JAMU AUTOMOBILES**: CALL: 9785644715. **JHUNJHUNU: AURIC MOTORS**: CALL: 8955664400. **UDAIPUR: NAVNEET MOTORS**: MADRI: CALL: 0294-2494454, 7230046380. CITY STATION ROAD: CALL: 0294-2415142, 7230046381. **TECHNOY MOTORS**: GOVARDHAN VILLAS: CALL: 0294-2485158, 2485738, 9982666809, 9460402878. **BANSWARA: NAVNEET MOTORS**: CALL: 9414159145, 7665010632, 7412074100. **BHILWARA: LOHIA AUTOMOBILES**: CALL: 01482-264061, 264144, 09799545333, 09950512555. **CHAMPION CARS**: CALL: 01482-267135, 9602892423, 7727863720. **BHARATPUR: TM MOTORS:** CALL: 05644-220970, 226392, 9251423393, 9251423395, 8094000626. **CHITTORGARH: BHATIA & COMPANY**: CALL: 9413316092, 9413316399.

*Offer includes consumer offer, retail support, exchange offer and ISL/Rural offer (wherever applicable) on WagonR (1.2L Petrol & AGS- all variants), Alto (Petrol- all variants except STD), S.Presso (Petrol & AGS- all variants), Vitara Brezza (all variants), Dzire (Petrol & AGS- all variants), Swift (Petrol & AGS- V & Z variants only), Celerio (Petrol- all variants). *Terms & Conditions apply. The terms and conditions are subject to change without any prior notice. All offers are brought to you by Maruti Suzuki dealers only. Offers may vary from variant to variant. All offers shown are valid for limited period & for limited stock only. For more details, please contact your nearest ARENA dealership. Colors shown may vary from actual body colors due to printing on paper. Images used are for illustration purposes only. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. Above offers are valid till 21st January 2022 or till stocks last, whichever is earlier.